फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 298 प्रभात जयपुर, शनिवार 31 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Who Will Be The Khalifa!! The Pak-Afghan Standoff!! The US withdrawal from Afghanistan was a victory for the Af-Pak combines, there are several reasons why they have not gone to the advantage of Pakistan

'You need servicing'

The Delicious History of Puran Poli

मोदी अपने मंत्रिमण्डल में फेरबदल शीघ्र ही करेंगे?

''ड्रीम टीम'' बनाने का प्रयास है, कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों के पहले

- **चर्चाओं के अनुसार, अपनी पार्टी में अनदेखी से क्षुब्ध कई कांग्रेस के नेताओं को भी मोदी अपनी टीम में लेना चाहते हैं।**
- **''ड्रीम टीम'' में शशि थरूर को भी विदेश मंत्री का पद ऑफर हो सकता है। कांग्रेस में काफी बेचैनी है, इस ''ऑफर'' की संभावना से।**
- **सलमान खुर्शीद व मनीष तिवाड़ी भी उन नेताओं के नामों की सूची में काफी ऊपर हैं, जो पार्टी के मत से भिन्न अपना मत रखते हैं। क्या मोदी इन नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से करीब-करीब भाजपा की नीति का समर्थन व्यक्त करने, का भी राजनीति लाभ उठायेंगे।**
- **उदाहरण के लिए, मनीष तिवाड़ी का नाम कांग्रेस ने अपनी सूची में नहीं रखा था, पर, मोदी ने उन्हें भी भारत के ''ऑपरेशन सिंदूर'' को समझाने के लिए, विदेशों में भेजे गए प्रतिनिधि मंडल में शामिल किया है, और, चर्चाओं के अनुसार, मनीष तिवाड़ी ने ऑफर स्वीकार करने के बारे में अपनी स्वीकृति भी दे दी है।**
- **सलमान खुर्शीद ने भी हाल ही में इंडोनेशिया यात्रा के दौरान आर्टिकल 370 को रद्द करने के निर्णय को सही बताया, तथा कश्मीर के विधान सभा चुनाव में 65 प्रतिशत वोट पड़ने को सराहनीय बात बतायी। उनकी इस टिप्पणियों से भी कांग्रेस क्षुब्ध है, तथा भाजपा प्रसन्न।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। जैसे-जैसे राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक तापमान बढ़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। सत्ता के गलियारों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि देश जल्द ही एक ''ड्रीम टीम'' को देख सकता है, जिसमें कुछ नए चेहरे केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रमुख भूमिकाएं निभा सकते हैं।

इन घटनाक्रमों के बीच, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि केरल से कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर को विदेश मंत्री जैसे हाई-प्रोफाइल पद की पेशकश की जा सकती है। यह नामांकन कथित तौर पर टेबल पर शुरु हो गया है, हालांकि इसका विवरण सामने नहीं आया हैं। लेकिन इन अटकलों ने पहले से ही आंतरिक संघर्ष और नीति-संबंधी पहचान के संकट से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में हलचल मचा दी है।

थरूर द्वारा हाल ही में विवादास्पद ''ऑपरेशन सिंदूर'' का सार्वजनिक समर्थन किया, जो कि एक सांस्कृतिक संपर्क अभियान है और जिसे कांग्रेस नेता बिहार चुनावों से पहले भाजपा की सांप्रदायिक वोट-बैंक रणनीति के हिस्से के रूप में देखते हैं। थरुर के बयान ने पार्टी के भीतर दरार को और गहरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समरावता उपद्रव प्रकरण में नरेश मीणा को जमानत नहीं

जयपुर, 30 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने के बाद समरावता में हुए उपद्रव प्रकरण में आरोपी नरेश मीणा को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस प्रवीर

- **देवली-उनियारा विधानसभा उपचनाव के दौरान व बाद में हुए उपद्रव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा पर कई मामले दर्ज हुए थे। तथापि, एस. डी. एम. को थप्पड़ मारने के मामले में मीणा को राहत मिली है।**

भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश नरेश मीणा की द्वितीय जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। दूसरी ओर जस्टिस अनिल उपमन ने थप्पड़ कांड में मीणा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

जस्टिस प्रवीर भटनागर ने जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अदालत ने गत 14 फरवरी को याचिकाकर्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया था। उसके बाद केस की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने शशि थरूर के नाम पर अपनी मोहर न लगाकर गल्ती करी?

शशि थरूर के भारत के ऑपरेशन ''सिंदूर'' के बारे में वाशिंगटन में दिए गए प्रस्तुतिकरण को काफी प्रभावशाली माना गया। पर, कांग्रेस को उसका ''क्रैडिट'' नहीं मिला।

- **दूसरी ओर ममता बनर्जी ने प्रतिनिधि मंडल में टी. एम. सी. के यूसुफ पठान का नाम देने पर भारी आपत्ति की, और, सरकार को यूसुफ पठान के विकल्प के रूप में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव व ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम देना पड़ा।**
- **अभिषेक बनर्जी की यह ''टिप्पणी'' कि, ''आतंकवाद पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान उसकी जननी है, अतः, जननी को मारना ज्यादा जरूरी है, नहीं तो, नये पागल कुत्तों को जन्म देकर जननी इन्हें भारत भेजती ही रहेगी'', बहुत उल्लेखनीय व चर्चित रही।**
- **अभिषेक बनर्जी, अपनी इस संदर्भ में हुई जापान यात्रा के दौरान रास बिहारी बोस के स्मारक पर भी गये, और स्मारक की टूटी फूटी हालत की ओर भारत के राजदूत का ध्यान आकर्षित किया और जापान सरकार की निगाह में भी लाने का आग्रह किया'**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर को, अमेरिका और अन्य देशों में ऑपरेशन सिंदूर की व्याख्या करने के लिए बनाए गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेता बनाए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस खुद असमंजस में फंस गई है।

शशि थरूर को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की अधिकारिक और प्रभावशाली व्याख्या के लिए सर्वत्र प्रशंसा मिली है, वहीं, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने ''राष्ट्रवाद'' और भाजपा के विरोध के बीच संतुलन साधते हुए बहुत चतुराई दिखाई है। खासकर अभिषेक, सर्वदलीय टीम का हिस्सा बनकर पाकिस्तान की तीव्र आलोचना करके सबकी नज़रों में आ गए हैं।

सरकार द्वारा अपने सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने का विरोध करने से कांग्रेस की स्थिति बड़ी हास्यास्पद हो गई। जबकि ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को तूल नहीं दिया।

उधर, ममता बनर्जी ने जब सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''हम पहलगाम की घटना के पहले की स्थिति में लगभग आ गये हैं''

पाकिस्तान के वरिष्ठतम सेना अधिकारी, जो पकिस्तान के, चेयरमैन ऑफ जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ भी हैं, ने अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेन्सी ''रॉयटर'' को दिये गये इन्टरव्यू में यह दावा दिया

- **जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ ने अपने इन्टरव्यू में यह भी कहा कि, 22 अप्रेल की स्थिति तक पहुंच ही गये हैं, और धीरे -धीरे दोनों सेनाएं अपने जवानों का पीछे हटाने का कार्यक्रम जारी करे हुए हैं और हम शीघ्र ही 22 अप्रेल के पहले की स्थिति में शीघ्र पहुंच जायेंगे।**
- **भारत ने जनरल शाहिर रायशाद मिर्जा के दावे को अभी चैलेन्ज नहीं किया और न ही प्रतिक्रिया व्यक्त की।**

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 मई। इस्लामाबाद ने दावा किया है कि दोनों ही पक्ष अपनी सीमा पर सेना के जमावड़े को कम करके उसी स्तर पर ले जाने के नजदीक हैं, जिस स्तर पर इस माह दोनों पड़ोसियों के बीच संघर्ष छिड़ने से पहले था। लेकिन भारत ने इस मुद्दे पर खामोश बने रहना बेहतर समझा है।

जनरल साहिर शमशाद मिर्ज़ा, जो पाकिस्तान जॉइन्ट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन हैं, ने कहा कि समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, दोनों पक्षों की सेनाओं ने सीमा पर सैनिकों की संख्या कम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दोनों पक्षों ने पिछले दशकों की सबसे प्रचंड लड़ाई के उन चार दिनों में फाइटर जैट, मिसाइल, ड्रोन तथा आर्टिलरी को काम में लिया था और फिर चार दिन बाद, युद्धविराम की घोषणा हो गई थी।

परमाणु शक्ति संपन्न इन दोनों पुराने दुश्मनों के बीच हुई इस लड़ाई की शुरूआत 22 अप्रैल को कश्मीर में हुए उस आतंकी हमले से हुई, जिसमें 26 लोग मारे गये थे। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नई दिल्ली ने इस घटना के लिए पाक-समर्थित ''आतंकियों'' को जिम्मेवार ठहराया था। इस्लामाबाद ने भारत के इस आरोप का खंडन किया था।

सात मई को, भारत ने सीमा पार के ''आतंकियों के ठिकानों'' पर मिसाइलें दागी थीं तथा पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए थे। दोनों देशों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नीट पीजी परीक्षा एक ही पाली में कराएं'

नयी दिल्ली, 30 मई। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून से होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2025 दो की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का शुक्रवार को निर्देश दिया।

- **सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन को यह निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इसके लिए आवश्यक प्रबंध हेतु वे परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने का आवेदन कर सकते हैं।**

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता अदिति और अन्य की याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस नीट पीजी को आयोजित करने वाली संस्था नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स के एक्सपैंशन को लेकर राजनीति काफी गरम है

आंध्र प्रदेश चाहता है, यह ''एक्सपैंशन'' अब कर्नाटक के बजाय आंध्र में हो, जबकि कर्नाटक की सभी पार्टियों की इस बारे में एक राय है, कि, 'एक्सपैंशन प्रोजेक्ट' कर्नाटक के बाहर जाने का मतलब नहीं है।

- **पर, कर्नाटक को भय है, कि वह लड़ाई हारेगा, क्योंकि, मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू के समर्थन पर ही केन्द्रीय सरकार टिकी हुई है, अतः कोई आश्चर्य की बात नहीं कि केन्द्रीय सरकार, 'एक्सपैंशन प्रोजेक्ट' को आंध्र शिफ्ट कर दे।**

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। आंध्र प्रदेश, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के विस्तार कार्यक्रम को अपने राज्य में स्थानांतरित कराने की बड़ी कोशिश कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कम्पनी दशकों पहले पड़ोसी राज्य कर्नाटक में स्थापित की गई थी। बीते छह महीनों से यह परियोजना काफी चर्चा में रही है, क्योंकि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इस परियोजना के कुछ हिस्सों को आंध्र में स्थापित करना चाहते हैं। वह विमानन क्षेत्र को एक प्रमुख उद्योग और रोजगार सृजन के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में देखते हैं।

स्वाभाविक रूप से इस प्रस्ताव ने कर्नाटक में भी भारी राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है, जहां सभी राजनीतिक दल इस संस्था को पूरी तरह राज्य में बनाए रखने के पक्ष में हैं और किसी भी हिस्से को किसी अन्य राज्य को देने के सख्त खिलाफ हैं। कर्नाटक में सत्तारुढ़ पार्टी होने के कारण, कांग्रेस इस पर काफी चिंतित है, उसे लगता है कि केन्द्र सरकार राजनीतिक मजबूरियों के चलते आंध्र प्रदेश को प्राथमिकता दे सकती है, क्योंकि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) केन्द्र में उसकी एक अहम सहयोगी है।

समझा जाता है कि हाल ही में चंद्रबाबू नायडू और नीति आयोग की बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। सार्वजनिक क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के कुछ कार्यों को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करने का उनका अनुरोध कर्नाटक में चिंता का कारण बन गया है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस अनुरोध का तीव्र विरोध किया और इस तरह के आइडिया मात्र की भी आलोचना की।

और केवल उपमुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल सहित कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों ने भी इस अनुरोध की कड़ी निंदा की।

डी.के. शिवकुमार ने कहा, बेंगलुरु एचएएल का मुख्यालय है और यह राज्य का औद्योगिक गौरव है और इसे स्थानांतरित करने की मांग संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उद्योग मंत्री पाटिल ने भी इस विचार और अनुरोध का सख्त विरोध किया।

शिवकुमार ने घोषणा की कि कर्नाटक किसी भी ऐसी सुविधा को स्थानांतरित नहीं होने देगा, जो राज्य में चल रही है। उन्होंने कहा, एक सरकार के रूप में हम किसी भी चीज़ को स्थानांतरित नहीं होने देंगे।

शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक पहले ही एचएएल के विस्तार, विशेष रूप से टुंकुरु में इसके हेलीकॉप्टर डिवीजन के लिए ज़मीन दे चुका है। उन्होंने एचएएल के साथ राज्य के गहरे संबंधों पर जोर देते हुए कहा, जहां तक कर्नाटक की बात है, यह हमारा गौरव है। हमारे पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जी ने यह हमें दिया, यह हमारा आधार है। बीदर भी, बेंगलुरु के अलावा, एक और बेस है। कर्नाटक में केवल बेंगलुरु में ही एचएएल के दो हवाई अड्डे हैं - एक येलहंका में और एक एचएएल परिसर में।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वर्ष 2026 के अंत तक पूरा बन जाएगा भव्य राम मंदिर'

अयोध्या, 30 मई। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने उम्मीद जाहिर की कि अगले वर्ष तक अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जायेगा।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में राय ने शुक्रवार को कहा कि तीन से पांच जून के बीच राम मंदिर में राम दरबार समेत सभी आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी

- **श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने यह उम्मीद जताई और बताया कि 3 से 5 जून के बीच राम मंदिर में राम दरबार सहित 8 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''सिंदूर'' शब्द पर ममता बनर्जी की टिप्पणी काफी हल्की लगी जनता को

ममता बनर्जी ने कहा, ''क्या मोदी सभी भारतीय स्त्रियों के पति हैं। मोदी पहले अपनी पत्नी की मांग में तो सिंदूर लगायें''

- **ममता बनर्जी का यह तीखा व्यंग उस समय शुरू हुआ, जब, मोदी ने बंगाल में पार्टी का चुनाव अभियान शुरू करते हुए, अलीपुर अतिद्वार में आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, आज उस स्थान से अपनी पार्टी का चुनाव अभियान की शुरूआत कर रहे हैं, जहां विजयदशमी को महिलाएं ''सिंदूर खेला'' करती हैं, एक दूसरे के सिंदूर लगाकर।**
- **ममता बनर्जी अपनी फूहड़ भाषा के लिए तो जानी जाती हैं, पर, इस बार मोदी के भाषण के बाद उनकी प्रतिक्रिया तुरंत व बेहद विषैली आयी, क्योंकि उन्हें लगा कि मोदी पर टिप्पणी का, जनता पर, अच्छा प्रभाव पड़ेगा।**
- **पर, यह भी सच है कि, जब तक ममता बनर्जी सरकार में हैं, और पुलिस व कानून-व्यवस्था विभाग उनके पास हैं, उन्हें हराना बहुत ही मुश्किल है, क्योंकि वो ही लोग वोट कर पाते हुए दिखेंगे जो तृणमूल के समर्थक हैं।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित करने के साथ, 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उत्तर बंगाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ माना जाता है और गत कुछ चुनावों में इस क्षेत्र की अधिकांश सीटें भाजपा ने जीती थीं।

इस कदम को भांपते हुए राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखी बयानबाजी की। हालांकि, उनके बयान का स्तर गिर गया, उन्होंने न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि प्र.मंत्री पर व्यक्तिगत हमला भी किया। भाजपा ने ममता बनर्जी के इस व्यवहार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने शिष्टता की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर भारत ने विनाशकारी कार्रवाई की, जिसमें कई बड़े सैन्य ठिकाने भी तबाह कर दिए गए। अपनी बात पर और जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वे सिंदूर खेला की भूमि पर आए हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों का सफाया किया।

सिंदूर खेला बंगाल की परंपरा है, जिसमें महिलाएं विजयादशमी के दिन एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर दुर्गा पूजा के उत्सव का समापन करती हैं। यह टिप्पणी स्थानीय भावनाओं को संबोधित करने के उद्देश्य से की गई थी।

यह देखकर कि प्रधानमंत्री का बयान स्थानीय लोगों को अच्छा लग सकता है, ममता बनर्जी ने इस पर तीखा पलटवार किया और प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि वह सिंदूर को राजनीतिक हथियार बना रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सभी के पति नहीं हैं। उन्हें दूसरों को सिंदूर की बात करने के बजाय पहले अपनी पत्नी को सिंदूर लगाना चाहिए।

ममता बनर्जी अपने उद्दण्ड आचरण और असभ्य भाषा के लिए जानी जाती हैं, इसलिए उनके द्वारा ऐसी भाषा का इस्तेमाल आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर उनकी टिप्पणी को अभद्रता का चरम माना गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और कई अन्य नेताओं ने ममता बनर्जी के इस बयान की कड़ी आलोचना की। हालांकि बंगाल में ममता बनर्जी के कथित लापता पति को लेकर भी कई किस्से प्रचलित हैं, जिन्हें लेकर अक्सर चर्चाएं होती रहती हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में बंगाल की विभिन्न समस्याओं को भी उजागर किया, जिनमें युवाओं के लिए रोजगार का अभाव प्रमुख था। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। मुर्शिदाबाद और माल्दा में हाल ही में हुए सांप्रदायिक दंगों से यह बात एकदम स्पष्ट हो जाती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम आतंकी हमले के शहीद शुभम के परिजनों से मिले प्र.मंत्री

कानपुर, 30 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की।

- **प्र.मंत्री मोदी ने कानपुर के चकेरी हवाई अड्डे पर शुभम के माता-पिता व पत्नी से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।**

कानपुर को विकास परियोजनाओं की सौगात देने पहुंचे मोदी ने एयरपोर्ट पर ही शुभम की पत्नी ऐशन्या, मां सीमा और पिता संजय द्विवेदी से करीब आठ मिनट तक बातचीत की।

शुभम के चाचा मनोज द्विवेदी ने बताया कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री भावुक हो गए। इस दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

''जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।''- अरविन्द कटोच

केवल पुलिस सब इंस्पेक्टर्स की भर्ती निरस्त करने मात्र से क्या होगा, रोग की जड़ों का इलाज भी जरूरी है?

पुलिस सबइंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 के जरिये 859 पीएसआई भर्ती होने थे।परीक्षा के तुरंत बाद से ही यह आरोप लगातार लगे कि परीक्षा के पेपर लीक हुए।पेपर ही लीक नही हुए,बहुत से आवेदको की जगह दूसरे व्यक्तिय परीक्षा में बैठे।आवेदन के साथ दस्तावेज भी नकली-फेक लगाए।ऐसे डमी परीक्षार्थी पास भी हुए और पीएसआई बनने के लिए चयनित भी हुए। पीएसआई भर्ती परीक्षा के लिए 8 लाख के करीब युवकों में आवेदन किया और 3 लाख 80 हजार के करीब आवेदकों में परीक्षा दी थी। यह आंकड़ा बेरोजगारी की भयावह स्थिति की ओर इशारा करता है। ज्यादा धरना-प्रदर्शन होने पर, उस समय विपक्ष में और अब सत्ता पक्ष के वरिष्ठ राजनेताओं द्वारा इस परीक्षा की सुचिता पर बार बार प्रश्न उठाने पर और कुछ सबूत सम्बंधित अधिकारियों के सामने रखने पर भी पूर्ववर्ती सरकार नें कोई जांच नही करवाई। चयनितों को पोस्टिंग ऑर्डर्स भी दे दिए।

वर्तमान सरकार नें चुनाव के समय इस प्रकार के सारे भर्ती फर्जीवाड़े को एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था। इस कारण सरकार को गहन जांच के लिए सारा प्रकरण पुलिस की शाखा एसओजी (स्पेशल ओप्रेसन ग्रुप)को सौंपना पडा।अभी तक इस मामले में 53 प्रशिक्षु सब इन्सपेक्टर्स के साथ साथ इस फर्जीवाड़े में सहायक 103 दूसरे व्यक्ति गिरफ्तार हो चुके।

अभी तक कि जांच से इतना साफ हो चुका है कि पीएसआई परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक हुए, चयनित व्यक्तियों के लिए परीक्षा डमी लोगों ने दी। एसओजी में जो हेल्पलाइन जारी की थी उस पर हजारों की संख्या में शिकायतें,आपत्तियां आई है। इस भर्ती में फर्जीवाड़े को लेकर वर्तमान सरकार के एक बड़े राजनेता नें शुरू से विरोध किया।उनका ही कथन सही मानें तो उन्होंने बहुत से अहम सबूत सरकार व एसओजी को दिए है।

अब इस भर्ती से हुई नियुक्तियों का बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोप-) विरोध कर रही है जिसने इस मुद्दे पर विधान सभा के घेराव की भी चेतावनी दी है। इस मुद्दे का एक अन्य पक्ष भी है। चयनित पीएसआई लोगों से सहानुभूति रखने वाले उनके परिजन व मित्र लोग भी धरना प्रदर्शन कर सरकार से मांग कर रहे हैं कि जो चुने गए है उनमें बहुत से, बिना पेपर लीक का सहारा लिए, अपनी योग्यता के आधार पर चुने गए हैं। इन लोगों में ऐसे बहुत से लोग है जो पहले से विभिन्न सरकारी विभागों में सेवारत रहे है। ऐसे निर्दोष लोगों की नोकरियों पर कोई खतरा नहीं होना चाहिए। अब यक्ष प्रश्न है कि चयनितों में से यह कैसे छंटनी हो कि किन लोगों ने पेपर लीक का फायदा उठाया और किन लोगों ने नहीं?

इसी बात की जांच लगातार एसओजी कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि एसओजी ने जांच के आधार पर यह माना है कि इस परीक्षा में पड़े पैमाने पर धांधली हुई थी और इस परीक्षा को निरस्त कर पुनः परीक्षा की सिफारिश की है।इस पर मंत्रिमंडल का निर्णय शेष है।प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।सरकार का जो भी निर्णय होगा उसका परीक्षण उच्च न्यायालय में होना ही है। लेकिन बात केवल पुलिस सब इंस्पेक्टर्स की भर्ती की नहीं है,यह बीमारी बड़ी है।सत्ताधारी लोग की सरकारी कर्मचारियों की नियुक्तियों व पोस्टिंग में सदा से ही चलती रही है। यह कुछ जनहित में होता है और कुछ स्व हित में होता है। 1998 से पहले भी यह बीमारी थी किंतु बड़े रूप में नहीं फैली थी।सत्ता के नजदीक के लोगों की कुछ सिफारिशें मानी जाती थी और कुछ प्रशासन के हित में नहीं मानी जाती थी।

1998 में डिजायर नाम की एक बीमारी ने व्यापक रूप धारण कर लिया। समय के साथ बीमारी कम होने के बजाय ओर अधिक बढ़ती गई।डिजायर संस्कृति का सार यह था कि स्थानीय विधायक या उस क्षेत्र के अन्य प्रभावशाली नेता जो सत्तासीन समूह के मर्जीदान थे उन्हें उनके क्षेत्र में कर्मचारियों के स्थानांतरण,पोस्टिंग करवाने में खुली छूट दे दी गाई। किस नेता के कहने से किस महकमे में ट्रांसफर आदि होते है ,यह गली मोहलों व बाजारों में चर्चा के विषय हो गए। लोकल लेवल के बाद बीमारी ने बड़े स्तर भी फैलना शुरू किया।संवैधानिक व वैधानिक संस्थाओं में शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में सिफारिशें,अपना-पराया और काम का आदमी आदि पैमाने आधार बन गए।

> **अभी तक कि जांच से इतना साफ हो चुका है कि पीएसआई परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक हुए, चयनित व्यक्तियों के लिए परीक्षा डमी लोगों ने दी। एसओजी में जो हेल्पलाइन जारी की थी उस पर हजारों की संख्या में शिकायतें, आपत्तियां आई है। इस भर्ती में फर्जीवाड़े को लेकर वर्तमान सरकार के एक बड़े राजनेता नें शुरू से विरोध किया। उनका ही कथन सही मानें तो उन्होंने बहुत से अहम सबूत सरकार व एसओजी को दिए है। अब इस भर्ती से हुई नियुक्तियों का बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी विरोध कर रही है जिसने इस मुद्दे पर विधानसभा के घेराव की भी चेतावनी दी है। इस मुद्दे का एक अन्य पक्ष भी है। चयनित पीएसआई लोगों से सहानुभूति रखने वाले उनके परिजन व मित्र लोग भी धरना प्रदर्शन कर सरकार से मांग कर रहे हैं कि जो चुने गए है उनमें बहुत से, बिना पेपर लीक का सहारा लिए, अपनी योग्यता के आधार पर चुने गए हैं।**

नियुक्त होने वालों के कार्य कुशलता व क्षमता,उनकी व्यक्तिगत व संस्थागत निष्ठा आदि गौण हो गए।आरपीएससी, सेवा चयन बोर्ड आदि में नियुक्तियों इन्हीं उपरोक्त वर्णित पैमानों के आधार पर होने लगी।कौन सदस्य किस नेता का आदमी है अथवा कौन से ट्रैक से नियुक्त हुआ है,आम चर्चा के विषय हो गए।इस में नीचे से लेकर शीर्ष तक कड़ियां जुड़ गई। इन संस्थाओं के सदस्यों,वरिष्ठ अधिकारियों से मिलीभगत कर पेपर लीक होने लगे।पेपरलीक करने वालों और कुछेक कोचिंग संस्थाओं वालों के गिरोह सक्रिय हो गए। परिणाम यह हुआ कि 2018 से 2023के बीच अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं की सुचिता पर प्रश्न चिन्ह लगे।फेक दस्तावेजों, डमी कैंडिडेट्स के माध्यम से कई लोग सरकारी नौकरियों में नियुक्ति पा गए और सही अभ्यर्थियों को उनकी सज्जनता का दंड मिल गया। पीएसआई भर्ती के अतिरिक्त शारीरिक शिक्षक भर्ती,व्याख्याता भर्ती परीक्षा 2022,वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022,लेवल 1 अध्यापक भर्ती परीक्षा 2018, प्रयोगशाला सहायक परीक्षा2018-19 तथा शिक्षा विभाग की अन्य भर्तियों में व्यापक गड़बड़ियों के आरोप लगे। अब आरोप तो सर्वविदित है। क्या राजनीतिक दलों के बयानवीर नेताओं में बयान भी खूब जारी किए किंतु क्या 2,4 भर्ती परीक्षाएं निरस्त हो जाएं या गहन जांच के बाद 100-50 को नौकरी से बर्खास्त हो जाए तो इस से रोग का अच्छा उपचार हो जाएगा? क्या रोग जड़ों से खत्म हो जाएगा या कम से कम लंबे अरसे तक रिपीट तो नहीं होगा? नहीं ,ऐसा नहीं होगा। जब तक नौकरियों के लिए परीक्षाएं,साक्षात्कार लेने वाली संस्थाओं में योग्य,निष्ठावान अध्यक्ष,सदस्य व वरिष्ठ अधिकारी नहीं लगाएंगे तब तक एक बार जो बीमारी फैली है उसे जड़ों से खत्म करना मुश्किल होगा। सरकार के पास अधिकारियों का बड़ा बेड़ा होता है और उसमें योग्य निष्ठावान अधिकारी भी बहुत है। केवल ध्यान से,निष्पक्षता से चयन करना होगा,सिफारिशें को दर किनार करना होगा। जहां तक अध्यक्ष,सदस्यों की नियुक्तियों का प्रश्न है,इसके लिए सर्वप्रथम एक योग्य अधिकारियों,शिक्षाविदों आदि का सर्च पैनल गठित किया जाए।सर्च पैनल,प्रारंभिक तौर पर 40,50 व्यक्तियों की छंटनी करे।सरकार द्वारा इन के नाम सार्वजनिक किए जाए। जनता का फीडबैक लिया जाए।सर्वथा उचित पर गए व्यक्तियों में से 10,20 नाम शॉर्टलिस्ट कर मंत्रिमंडल के समुख चयन करने के लिए रखे जाएं। अंतिम निर्णय तो चुनी हुई सरकार को ही करना है किंतु स्वच्छ चयन की दिशा में यह प्रयास हो सकता है।सरकार के पास सलाहकारों की कमी नहीं,और बेहतर सुझाव लें और पूर्णतः आर्बिटररी चयन के स्थान पर कोई युक्तियुक्त ,काफी हद तक पारदर्शी,उचित मानदंडों पर आधारित प्रक्रिया अपनाई जाए जिस से जनता को लगे कि चयन योग्यता के आधार पर होता है और पूर्णतः भाई भतीजावाद के अनुसार नहीं। निर्णय तो सरकार को करना है। अनुभव यह बताता है कि कोई भी सरकार अपने स्वैच्छिक अधिकारों पर अंकुश नहीं लगाती बल्कि अपनों को उपकृत करने में उनका उपयोग,दुरुपयोग करती हैं। आरोपों का क्या,पहले यह सत्ताधीश लगाते अब पहले वाले लगाते रहेंगे।जनता धरना प्रदर्शन करती रहेगा--सत्ता वालों के पास पुलिस है दुरुपयोग करने के लिए।

(महावीर सिंह, पूर्व आईएएस)

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर : सुशासन व सांस्कृतिक पुनर्निर्माण को समर्पित साधनामय जीवन

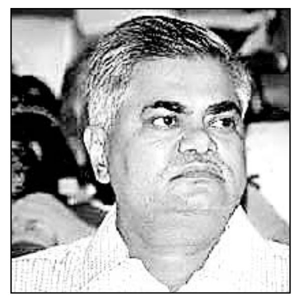

राजेश्वर सिंह

मराठा महासंघ के अंतर्गत इंदौर राज्य की तपस्विनी एवं तेजस्विनी शासिका अहिल्याबाई होल्कर अपने शौर्य, साहस, युद्ध कौशल, न्यायप्रियता, लोक कल्याणकारी प्रशासन, शिव भक्ति, त्याग और तपस्या से परिपूर्ण आध्यात्मिक जीवन तथा घ्वस्त धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार एवं नवनिर्माण की वजह से अपने जीवन काल में ही किंवदंती का रूप धारण कर चुकी थीं। उनकी उदारता, दयालुता ,परदुःख कातरता प्रशासनिक कुशलता व अतुलनीय धर्म निष्ठा के असंख्य किस्से आज भी मालवा व निमाड़ के क्षेत्र में प्रचलित हैं और जन सामान्य को व्यक्तिगत दुखों का साहसपूर्वक सामना करने तथा जीवन को परहित व लोकहित के लिए समर्पित करने की प्रेरणा देते हैं।

अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई को महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर (अब अहिल्या नगर) जिले के ठााम चौंड़ी में हुआ था। उनके पिता गांव के पाटिल थे। वह बाल्यकाल से ही कुशाठा बुद्धि, साहसी व धर्म परायण थीं। इंदौर के सूबेदार मल्हार राव होल्कर के सैन्य अभियान पर जाते समय चौंड़ी गांव के शिव मंदिर में बालिका अहिल्याबाई से उनकी आकस्मिक मुलाकात हुई और उनके नैसर्गिक तेज और ओज से प्रभावित होकर मल्हार राव ने उन्हें अपनी पुत्रवधू बनाने का निर्णय लिया। इस प्रकार 1733 ईस्वी में मात्र 8 वर्ष की आयु में अहिल्याबाई मल्हार राव होल्कर के पुत्र खंडेराव की पत्नी बनकर मालवा में आ गईं। वहां उन्हें अपनी नैसर्गिक प्रतिभा के विकास के लिए अनुकूल वातावरण मिला तथा मल्हार राव होल्कर की सृनेहिल छत्र छाया में न केवल उन्होंने शास्त्रों के पठन-पाठन में प्रवीणता अर्जित की वरन वे युद्ध कौशल एवं राजकीय प्रशासन की बारीकियों में भी निष्णात हो गईं। अहिल्याबाई का व्यक्तिगत जीवन असहनीय दुःख, व्यथा, वेदना और संताप से भरा हुआ था। 24 मार्च 1754 को एक युद्ध के दौरान उनके पति खंडेराव का दुःखद निधन हो गया।कुछ समय बाद 20 मई 1766 को उनके ससुर मल्हार राव होल्कर नहीं रहे। 5 अप्रैल 1767 को उनके एकमात्र पुत्र मालेराव भी चल बसे। इसके बाद होल्कर राज्य की बागडोर औपचारिक रूप से अहिल्याबाई के हाथ में आई जिसका कुशलता व तत्परतापूर्वक निर्वहन उन्होंने अपने सुयोग्य व शूरवीर सेनापति तुकाजी राव होल्कर की सहायता से किया। 13 अगस्त 1795 को 70 वर्ष की आयु में महेश्वर कस्बे में अपनी मृत्यु पर्यंत उन्होंने इस महनीय उत्तरदायित्व का वहन किया तथा व्यक्तिगत जीवन की शुचिता, राज कार्य की प्रबंधपटुता, निर्बल व असहाय के प्रति दया भाव, युद्ध क्षेत्र की वीरता व वैयक्तिक कोष से तीर्थ स्थलों के पुनर्निर्माण के आध्यात्मिक उपक्रम से अभूतपूर्व यश, प्रतिष्ठा व लोकप्रियता का सार्वकालिक मानदंड स्थापित कर दिया।

उनका व्यक्तिगत व प्रशासनिक जीवन वैराग्य ,आध्यात्मिक साधना, निष्काम भाव से राज कार्य संपादन व सर्वतोमुखी लोकमंगल के प्रति पूर्ण समर्पण जैसे उच्चतम जीवन मूल्यों को समर्पित था। वे अप्रतिम शिव भक्त थीं और नित्य नैमित्तिक शिवपूजन के उपरांत ही अन्न-जल ठाहण करती थी।संपूर्ण राज्य उन्होंने अपने आराध्य देव को समर्पित कर रखा था। राजाज्ञाओं पर हस्ताक्षर करते समय वे अपना नाम न लिखकर श्री शंकर ही लिखती थीं। तब से लेकर भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति तक इंदौर राज्य की समस्त राजाज्ञाएं श्री शंकर की आज्ञा से ही पालनार्थ निर्गत होती थीं। उनका रहन-सहन अत्यंत सादगीपूर्ण था। वे श्वेत वस्त्र धारण करती थीं तथा आभूषण व अलंकार इत्यादि का उपयोग नहीं करती थीं। उनकी दिनचर्या पूर्वाह्न में धार्मिक एवं आध्यात्मिक क्रियाकलापों में व अपराह्न में राजकीय कर्तव्यों के निर्वहन व निष्पादन में व्यतीत होती थी। अहिल्याबाई होल्कर ने जब राज्य का शासन सूत्र ठाहण किया तो राज्य में चोर ,डाकुओं का आतंक व्याप्त था जिससे जनसाधारण अत्यंत त्रस्त था। अहिल्याबाई ने यह घोषणा की कि जो वीर पुरुष इन उपद्रवियों को काबू में ले आएगा ,उससे मैं अपनी पुत्री मुक्ताबाई का विवाह कर दूंगी। यशवंत राव फडसे नामक एक साहसी युवक ने यह बीड़ा उठाया और थोड़े समय में ही उन्होंने दस्यु समस्या का उन्मूलन कर राज्य में शांति स्थापित कर दी। इसके उपरांत यशवंत राव व मुक्ताबाई का विवाह समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। राज्य में शांति व्यवस्था स्थापित होते ही व्यापार, वाणिज्य व कला - कौशल में अभिवृद्धि हुई तथा महेश्वर ,जो अहिल्याबाई का मुख्यालय था, वस्त्र व्यवसाय का एक प्रमुख केंद्र बन गया। महेश्वर की यह स्थिति आज तक बदस्तूर बरकरार है। उन्होंने प्रशासन को सुव्यवस्थित कर राज्य को जिला एवं तहसीलों में विभक्त किया ,हर स्तर पर न्यायालय स्थापित किए व विवादों को स्थानीय स्तर पर शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए पंचायतों की स्थापना की। उनके प्रजानन कभी भी फरियाद लेकर सीधे उनके पास भी आ सकते थे। उन्होंने करारोपण की भी अत्यंत सरल पद्धित अपनाई जिसके अंतर्गत कर की दरें अन्य राज्यों की तुलना में अत्यंत कम होती थी ,फलतः कर की वसूली ज्यादा होती थी। उन्होंने विधवा महिलाओं को मृत पति का उत्तराधिकार प्रदान किया तथा शिक्षा एवं विशेष कर महिला शिक्षा की उन्नित के लिए विशेष प्रयास किये। उनकी न्यायप्रियता की ख्याति व प्रतिष्ठा का यह आलम था कि एक बार इंदौर व ग्वालियर राज्य के मध्य स्थित भूमि के विवाद के हल के लिए उन्हें ही न्यायाधीश मनोनीत किया गया जबकि वे स्वयं विवाद में एक पक्षकार थीं। उन्होंने उक्त विवाद का निर्णय भी अत्यंत तटस्थता व निष्पक्षतापूर्वक किया जिससे दोनों ही पक्ष सहमत व संतुष्ट हुए।

संपूर्ण भारतवर्ष में आक्रांताओं द्वारा ध्वस्त किए गए धर्मस्थलों का पुनर्निर्माण, पुरातन देवालयों का जीर्णोद्धार, लगभग सभी पवित्र नदियों व सरोवरों पर घाट तथा धर्मशालाएं एवं स्थान-स्थान पर कुएँ एवं बावड़ियों का निर्माण इस धर्मपरायण शासिका की चिरस्थायी देन है, जिसके लिए धर्म प्रेमी जनता उनकी हमेशा ऋणी व कृतज्ञ रहेगी। उन्होंने सोमनाथ तथा काशी विश्वनाथ के खंडित देवालयों का पुनर्निर्माण किया व उनमें देव विठाह की पुनर्प्रतिष्ठा की। इस संबंध में यह उल्लेखनीय व स्मरणीय है कि यह सब कार्य उन्होंने इंदौर के राजकोष से वहन न कर शासक को जीवन निर्वाह हेतु प्राप्त होने वाली वैयक्तिक धनराशि में से किया था।

अहिल्याबाई होल्कर द्वारा शासित इंदौर कोई बहुत बड़ी रियासत नहीं थी, किंतु अपनी विलक्षण प्रतिभा, पावन चरित्र, अदम्य साहस, अनुपम त्याग, दुःसाध्य संयम, असीम उदारता, अद्भुत लोक निष्ठा व अतुलनीय धर्मपरायणता की वजह से उन्होंने अपने जीवन काल में ही अपरिमित व अकल्पनीय ख्याति, प्रतिष्ठा, श्रद्धा व सम्मान अर्जित कर लिया। इतिहास में संभवतः वह एकमात्र रानी हैं जो अपने व्यक्तित्व व कृतित्व की वजह से लोक- स्मृति में लोकमाता के रूप में प्रतिष्ठित है। अतुलनीय धर्मपरायणता की वज़ह से उन्होंने अपने जीवनकाल में ही अपरिमित व अकल्पनीय ख्याति, प्रतिष्ठा,श्रद्धा व सम्मान अर्जित कर लिया। इतिहास में संभवतः वह एकमात्र रानी हैं जो अपने व्यक्तित्व व कृतित्व की वजह से लोक स्मृति में लोकमाता के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

-राजेश्वर सिंह
आईएएस (सेवानिवृत्त)

एम.एस.पी. घोषणा सकारात्मक पहल तो चाकचौबंद खरीद व्यवस्था भी जरुरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा श्री अन्न को जहां अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास किया गया है।

वहीं देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों में रामतिल के भावों में सर्वाधिक 820 रु. की बढ़ोतरी करते हुए 9537 रु. प्रति क्विंटल एूमएसपी घोषित की गई है। इसी तरह से तिल की एमएसपी में 579 रु., सोयाबीन में 436 रु., सूरजमुखी में 441 रु. और मूंगफली की एमएसपी में 480 रु. की बढ़ोतरी की गई है। ठीक इसी तरह से उड़द में 400 रु. तो मूंग की एमएसपी में 86 रु. और अरहर की एमएसपी में 450 रु. की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह से बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी की गई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जहां तक एमएसपी दरों की घोषणा की बात है सरकार की ईच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रुप से सकारात्मक दिषा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सरकार का यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा है और लागत से कहीं अधिक एमएसपी दर जारी की गई है।

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम् मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। सरकार एक और एमएसपी दरों में बढ़ोतरी और एमएसपी पर खरीद का दावा कर रही है और यह दावा एक हद तक सही भी है पर दूसरी और किसान नेताओं का यह कहना रहा है कि सरकार एमएसपी दरों की घोषणा के साथ ही एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। केन्द्र सरकार की और से एफसीआई और नेफैड एमएसपी खरीद के लिए नोडल संस्था है तो कपास की खरीद सीसीआई द्वारा की जाती है।

राज्यों में एफसीआई व नेफैड के लिए खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती है। खरीद की व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाईन कर दिया गया है और रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था ऑनलाईन की गई है। पर कहीं ना कही व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यों समझा जा सकता है कि एक समय था तब सरकारी खरीद शुरु होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मण्डियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी।

पर आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है। इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार द्वारा किसी ना किसी बहानें टाली ही जाती है क्योंकि बाजरे की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है और सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। वहीं दूसरी और व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलियें इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते देखे जा रहे हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है।

इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आड़तियों पर निर्भरता के कारण भी किसान का लाभ आड़तियां ले जाता है। हांलाकि यह व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार द्वारा की जाती है उन फसलों के तैयार होकर मण्डियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। खरीद के लिए खरीद केन्द्र की स्थापना, तुलाई ढुलाई की व्यवस्था, बारदाना, ट्रांसपोर्टेशन, भण्डारण, भुगतान की आवश्यक व्यवस्था, बैंकों से भुगतान आदि की व्यवस्था, खरीद केन्द्रों पर पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था सहित आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित हो जानी चाहिए। इसके साथ ही आज सरकार के पास उत्पादन के सारे डेटा उपलब्ध होते हैं ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए।

सरकार द्वारा पूर्व में ही यह घोषणा कि इतनी मात्रा में ही खरीद की जाएगी तो इससे राजनीति के अधिक अवसर उत्पन्न हो जाते हैं और अनावश्यक भ्रम के हालात बन जाते हैं। ऐसे हालात से बचा जाना जरुरी हो जाता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को खरीफ श्री अन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी अन्यथा श्री अन्न खासतौर से बाजरा को हम अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म दिला रहे हैं वह जल्दी ही प्रभावित हो सकती है। सरकार को कोई ना कोई ऐसी स्पष्ट रणनीति बनानी होगी जिससे बाजरा उत्पादक किसान एमएसपी दर घोषित होने के बावजूद अपने आपकों ठगा महसूस ना कर सके। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है।

ऐसे में इस और अधिक गंभीरता से ध्यान देना होगा क्योंकि अभी तो बुवाई से फसल पकने तक का तीन से चार माह का समय सरकार के पास होगा। इस क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों को भी ठोस प्रयास करने होंगे ताकि इस समस्या का समाधान खोजा जा सके और अन्नदाता को उसकी मेहनत का पूरा पैसा मिल सके। देर सबेर सरकार को खरीद को सीमा में बांधने के स्थान पर स्थाई हल खोजना होगा ताकि एमएसपी व्यवस्था और अधिक किसान हितेषी हो सकें।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दो पार्थीव देह मेडिकल कॉलेज को सौंपी

बीकानेर, (निसं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के एनाटॉमी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर खत्री ने शुक्रवार को अपने पुत्र दीपक खत्री के निधन पर उनकी पार्थीव देह मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में सुपुर्द की। इस अवसर पर सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज की अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रेखा आचार्य पार्थीव देह पर पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों को ढांढस बंधाया और कहा कि पूर्व विभागाध्यक्ष द्वारा दुःख की इस घड़ी में देहदान का निर्णय सर्वसमाज को प्रेरित करेगा जिससे सर्व समाज को कुशल चिकित्सक प्राप्त होंगे। इस दौरान शरीर रचना विभाग से डॉ. राकेश मणि, डॉ. कविता पाहुजा, डॉ. जसकरण सहित अन्य कार्मिकों एवं परिजनों आदि ने पार्थीव देह को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रंद्धाजलि दी।

समाजसेवी देवानी का निधन, पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज को दान किया :- वहीं शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी, व्यापारी और देहदान आंदोलन के प्रेरक पवन देवानी का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अपने जीवनभर देहदान और अंगदान को समर्पित रहे देवानी ने मृत्यु उपरांत भी अपना पार्थिव शरीर मेडिकल शिक्षा के लिए मेडिकल कॉलेज को दान कर समाज के लिए अंतिम संदेश छोड़ गए। देहदान के इस पुण्य अवसर पर सिंधी समाज के कई प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गुंजन सोनी ने भी इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्वयं देहदान प्रक्रिया में भाग लिया और इसे एक सामाजिक संदेश करार दिया। यह क्षण न केवल पवन देवानी के जीवन मूल्यों का प्रतीक था, बल्कि समाज में देहदान और अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला भी बना।

देवानी का जन्म 26 मार्च 1944 को वर्तमान पाकिस्तान में हुआ था। भारत-पाक विभाजन के दौरान उनका परिवार सब कुछ छोड़कर भारत आ गया। महज 7 वर्ष की आयु में माता को खोने के बाद, उन्होंने चौथी कक्षा तक ही औपचारिक शिक्षा प्राप्त की, लेकिन ज्ञान, सामाजिक जागरूकता और जीवन मूल्य उन्हें विरासत में मिले। उन्होंने न केवल व्यवसाय में पहचान बनाई, बल्कि मानवता, सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान दिया। देवानी के पुत्र महेश देवानी ने बताया कि उनके पिताजी कहते थे, देहदान से मेडिकल छात्रों को मानव शरीर को समझने में मदद मिलती है, और यह एक सच्चा सामाजिक योगदान है। महेश देवानी ने बताया कि वर्षों से उनके पिता अपनी जेब में देहदान कार्ड लेकर चलते थे और लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करते रहे। उनकी यह प्रतिबद्धता अंत तक बनी रही।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 31 मई, 2025

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2082, पुष्य नक्षत्र, रात्रि 9.07 तक, वृद्धि योग दिन 10.43 तक, बवकरण प्रातः 8.49 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरु-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज रवियोग रात्रि 9.07 से आरम्भ होगा। श्रृति पंचमी, महादेव विवाह है महापात्र योग दिन 11.58 से सायं 5.36 तक है। आज शुक्र अश्विनी मेष में दिन 11.33 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7.19 से 9.01 तक, चट 12.24 से 2.06 तक, लाभ-अमृत 2.06 से 5.29 तक

राहूकालः 9.00 से 10.30 तक, सूर्योदय 5.37 सूर्यास्त 7.11

मेष
घर-परिवार में सुख सुविधाऐं बडेगी। परिवार में धार्मिक मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक मामले में संतुलन बनाये रखना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों-रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाऐ बडेगी।

सिंह
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अर्नगल कार्यों में समय खराब होगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है

कन्या
कन्या - आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल उंचा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अडचनें दूर होने लगेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

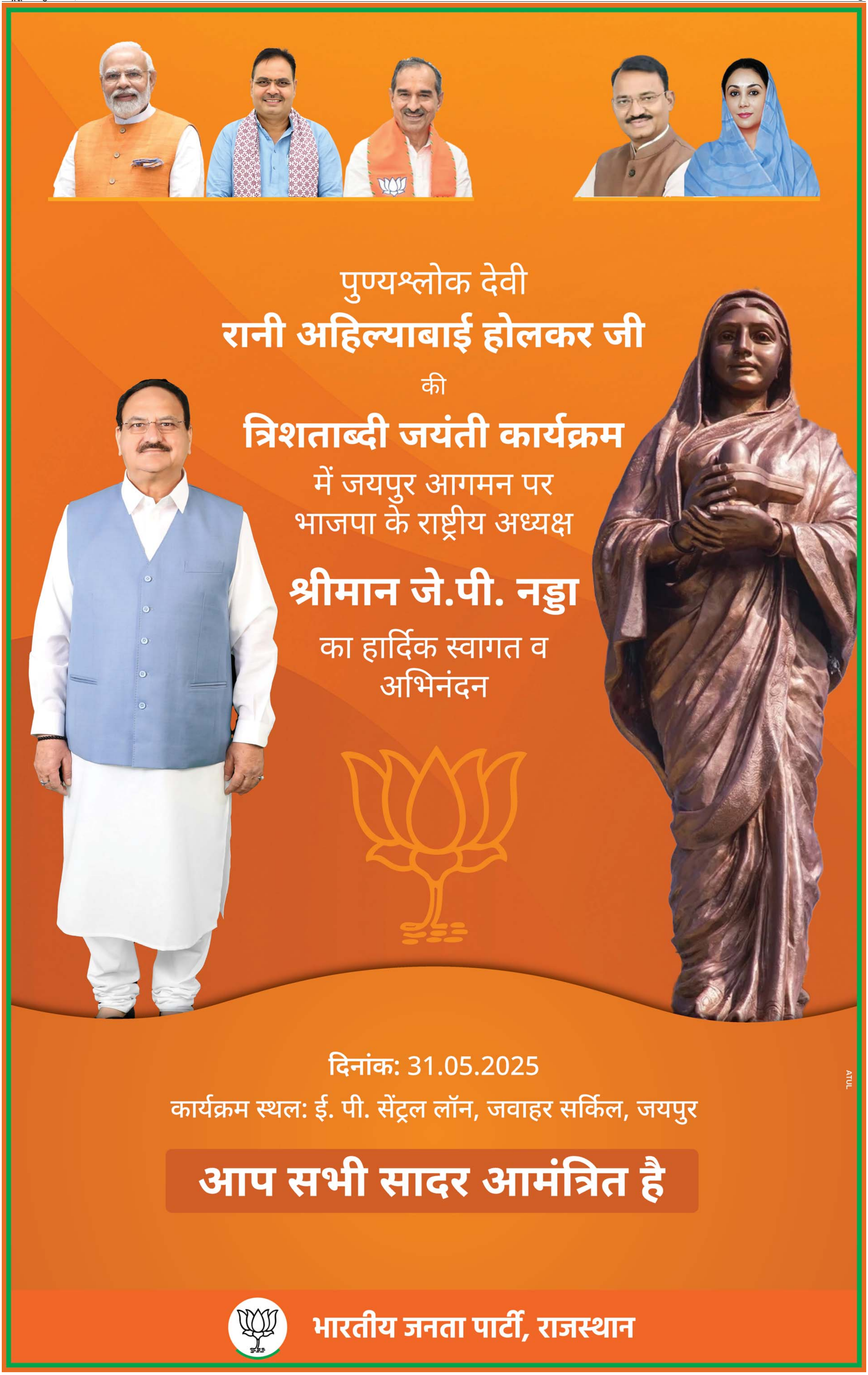

पुण्यश्लोक देवी
रानी अहिल्याबाई होलकर जी
की
त्रिशताब्दी जयंती कार्यक्रम
में जयपुर आगमन पर
भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमान जे.पी. नड्डा
का हार्दिक स्वागत व
अभिनंदन
दिनांक: 31.05.2025
कार्यक्रम स्थल: ई. पी. सेंट्रल लॉन, जवाहर सर्किल, जयपुर
आप सभी सादर आमंत्रित है
भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

योजनाओं का लोगों को जल्दी और समुचित लाभ मिले : हरिभाऊ बागड़े

- जयपुर जिले की समीक्षा बैठक में शिक्षा, कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की
- राजस्थान देव धर्म, गौ सेवा से जुड़ी आध्यात्मिक संस्कृति का सभ्य प्रदेश : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जयपुर जिले की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने केंद्र और राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का लोगों को जल्दी और समुचित लाभ दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद की पहचान कर पूर्ण पारदर्शिता से योजनाओं का लाभ आम जन को मिले। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जयपुर में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ रास्ता खोलने का अभियान, डेयरी और शिक्षा क्षेत्र में महती काम हुए हैं। ये अनुकरणीय हैं। उन्होंने खेती में रसायनों के उपयोग से कैंसर जैसे होने वाले भयावह रोगों के प्रति काश्तकारों को जागरूक करते हुए प्राकृतिक खेती पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता और बढ़ाई जाए। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा सीखने की नींव हैं। इसमें सिखाने की व्यावहारिक पद्धितयों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि लॉर्ड मैकाले द्वारा पारंपरिक भारतीय शिक्षा को बदल कर ऐसी शिक्षा व्यवस्था देश में लागू की गई जिससे हमारे नैतिक मूल्य और प्रामाणिकता पर प्रहार हुआ। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर से ही अब ऐसे प्रयास हों कि बच्चे प्राचीन ज्ञान की हमारी समृद्ध परंपरा से जुड़ सकें।

राज्यपाल शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जिले की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने काश्तकार, गरीब और वंचित वर्ग के लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं का आंकड़ों में ही नहीं व्यावहारिक रूप में क्रियान्वयन किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने दुग्ध संग्रहण के अंतर्गत पशुपालकों के जीवन स्तर में सुधार हेतु और प्रयास किए जाने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल ने पंच गौरव के अंतर्गत जयपुर जिले में कबड्डी के खेल मैदान विकसित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणादायक हैं। दूसरे जिलों में भी स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने किए ऐसे कार्य होने चाहिए। उन्होंने रास्ता खोलो अभियान के तहत ग्रेवल सड़कों के निर्माण और वहां गांव की प्रतिभाशाली बेटियों के नाम से पिलर बनाने को महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2023-2024 तक जिले में 12789 आवासों की निर्माण किया गया है। राज्यपाल ने निर्मित आवासों की समीक्षा करते हुए इनमें अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को इस योजना से अधिकाधिक लाभान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वामित्व योजना के तहत पट्टे वितरण, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, बायोगैस प्लांट निर्माण और गांवों में स्वच्छता के लिए हो रहे कार्यों की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए योजनागत कार्य किए जाने के साथ आम जन को स्व प्रेरणा से स्वच्छता की आदत डालने हेतु जागरूक भी किया जाए।

बागडे ने पीएम स्वनिधि के तहत रेडी वालों, कमजोर आय वर्ग के लोगों को स्व उद्योग के लिए प्रोत्साहित करने, कौशल विकास के तहत युवाओं को अधिकाधिक प्रशिक्षित कर उनकी विकास में सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी इस दौरान उपस्थित रहे। आरंभ में जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से बताया।

प्रदेश में कोविड के 15 नए केस सामने आये

जयपुर। प्रदेश में कोरोना वायरस एक बार फिर चिंता का कारण बनता रहा है। शुक्रवार को प्रदेश में कोविड-19 के 15 नए मामले सामने आए हैं। विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर एक बार फिर हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में 13 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से अधिकतर जयपुर के साकेत, जेके लोन, राजस्थान, गुप्ता अस्पताल और एम्स जोधपुर में इलाज चल रहा हैं।

प्रदेश में कोविड-19 के केसों की बात की जाए तो सबसे अधिक मामले जयपुर में है, शुक्रवार को 8 नए मरीज मिले हैं। इनमें 64, 56, 33, 27, 36, 58, 21, और 57 वर्षीय पुरुष व महिलाएं शामिल हैं। वहीं बीकानेर से 3 मरीजों में 12 वर्षीय बालक, 74 वर्षीय महिला, और 50 वर्षीय पुरुष शामिल है। इसी प्रकार से उदयपुर से 2 मरीज, 78 और 25 वर्षीय पुरुष, बालोतरा से 7 वर्षीय बालक की पुष्टि हुई है। इस प्रकार कुल 15 मामलों में से अधिकांश बी-लाल लैब (5) व एसपीएमसी बीकानेर (3) से रिपोर्ट हुए हैं। अन्य रिपोर्टिंग संस्थानों में एम्स जोधपुर, आरएनटी, एसएमएस, आरयूएचएस, जीएमसी उदयपुर, आणविक शामिल हैं।

मेडिकल कॉलेजों के अस्पतालों का सघन निरीक्षण

जयपुर। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध 81 अस्पतालों का शुक्रवार को सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अस्पतालों में साफ सफाई, बिजली उपकरणों की स्थिति और भवनों की स्थिति जांची गई। इसके लिए कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय की ओर से 5-5 अधिकारियों की 33 टीमों का गठन किया गया था। सभी टीमों ने आज निरीक्षण कर तय फॉर्मेट के अनुसार जांच रिपोर्ट बनाई। अब इस रिपोर्ट के आधार पर मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सुधार करवाए जाएंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

भाजपा के डेढ साल कांग्रेस के पांच सालों पर भारी : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान पर पलटवार किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिल्ली प्रवास पर की गई टिप्पणी का वन मंत्री ने कड़ा जवाब दिया है। संजय शर्मा ने कहा कि टीकाराम जूली ही नहीं, पूरी कांग्रेस राजस्थान के विकास से घबरा गई है। जो लोग पांच साल तक आपस में लडते रहे, एक दूसरे को नीचा दिखाते रहे, महीनों तक होटलों में रहे, उन्हें डबल इंजन सरकार का महत्व कैसे पता होगा। दरअसल राज्य के उपचुनावों में हुई करारी हार से कांग्रेस उबर नहीं पाई है। हताशा के साथ ही कांग्रेस के नेता आपसी होड में अनर्गल बयान जारी कर रहे हैं।

'शेल्टर होम से बाहर निकले युवाओं को पहचान का संकट'

- हाईकोर्ट ने लिया प्रसंज्ञान, केन्द्र सरकार, मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, अलवर कलेक्टर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर और यूनिसेफ के प्रदेश कार्यालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वयस्क होने के बाद शेल्टर होम को छोडने वाले युवाओं के लिए कोई प्रावधान नहीं होने पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने केन्द्र सरकार, मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, अलवर कलेक्टर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर और यूनिसेफ के प्रदेश कार्यालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने केन्द्र सरकार के बाल विकास विभाग और राज्य के मुख्य सचिव से रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा है कि ऐसे युवाओं के कल्याण के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने अलवर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और कलेक्टर को स्थानीय बालिका गृह का दौरा कर जांच करने को कहा है कि वहां अनुदान क्यों रोका गया है। अदालत ने कहा कि सही नीतियों से न केवल इन युवाओं को जीवित रहने, बल्कि फलने-फूलने के लिए सशक्त बनाया जा सकता है। आज हम इन्हें राहत देकर न केवल अपनी सामाजिक जिम्मेदारी पूरी करेंगे, बल्कि इनके भविष्य का भी निर्माण करेंगे।

अंजन कुमार का नाम एकल सेवारत महंत के तौर पर अंकित करने पर स्टे

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-4 महानगर द्वितीय के उस आदेश पर यथास्थिति के आदेश दिए हैं, जिसके तहत अदालत ने गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत के रूप में मृतक प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी के स्थान पर गोस्वामी अंजन कुमार का नाम अंकित करने को कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश अंजन कुमार के भाई ओथेश कुमार की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुखदेव सिंह सोलंकी ने अदालत को बताया कि निचली अदालत ने लोक न्यास अधिनियम के प्रावधानों के तहत ज्येष्ठाधिकार के उत्तराधिकार का तरीका होने होने के आधार पर अंजन कुमार का नाम एकल सेवायत महंत के रूप में उनके स्वर्गवासी पिता के स्थान पर अंकित करने को कहा था। अंजन कुमार ने निचली अदालत में यह प्रार्थना पत्र लोक न्यास अधिनियम की धारा 41 व 43 के तहत पेश किया था। जबकि इन धाराओं में कार्यवाहक प्रन्यासी नियुक्त करने का प्रावधान है ना की एकल सेवायत महंत। इसके अलावा याचिकाकर्ता के पिता प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी ज्येष्ठाधिकार के आधार पर एकल सेवायत महंत बने थे। वहीं बाद में उत्तराधिकार अधिनियम लागू हो गया था। ऐसे में ज्येष्ठाधिकार परम्परा समाप्त हो गई और उत्तराधिकार अधिनियम के तहत प्रद्युम्न कुमार के तीनों उत्तराधिकारी समान रूप से सेवायत महंत के हकदार को गए।

देवनानी आज हनुमानगढ़ और बीकानेर जाएंगे

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी 31 मई से 2 जून तक हनुमानगढ़ और बीकानेर की यात्रा पर रहेंगे। देवनानी दोनों जिलों में अनेक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। देवनानी हनुमानगढ में 31 मई को खुशालदास विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। हनुमानगढ के नोहर के सिंधी बाजार में 1 जून को शहीद हेमू कालानी की मूर्ति का अनावरण करने के साथ ही शहीद हेमू कालानी चौक का उद्घाटन करेंगे।

34 गीगावाट सौर क्षमता स्थापित करके राजस्थान की पूरे देश में सर्वाधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता : हीरालाल नागर

- राजस्थान को बैटरी ऊर्जा भंडारण के लिए राष्ट्रीय केंद्र बनाया जायेगा

जयपुर के क्लार्क्स आमेर होटल में एनर्जेटिका इंडिया पत्रिका द्वारा आयोजित रीकनेक्ट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने संबोधित किया।

जयपुर। जयपुर के क्लार्क्स आमेर होटल में एनर्जेटिका इंडिया पत्रिका द्वारा आयोजित रीकनेक्ट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राजस्थान वर्तमान में स्थापित सौर क्षमता के मामले में भारत में सबसे आगे है, जिसमें 34 गीगावाट पहले से ही चालू है। राज्य में देश में सबसे अधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता है, जिसमें सौर ऊर्जा में 142 गीगावाट और पवन ऊर्जा में 284 गीगावाट तक की क्षमता है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में ही हमने 10,772 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। एकीकृत ऊर्जा नीति के तहत हमारा लक्ष्य 2030 तक 125 गीगावाट हासिल करना है। यह 500 गीगावाट के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें राजस्थान प्रमुख भूमिका निभा रहा है। राजस्थान भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति के केंद्र में है। आज, देश भर के निवेशक सौर और अन्य स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में अवसरों के लिए राजस्थान की ओर देख रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं जिसमें एक समर्पित ऊर्जा नीति शुरू करना भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में भूमि है, हमने भूमि आवंटन नीति को सरल बनाया है ताकि निवेशक आ सकें, निवेश कर सकें और राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। इससे हमें अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में अन्य राज्यों को बिजली देने में मदद मिलेगी।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राजस्थान को बैटरी ऊर्जा भंडारण के लिए राष्ट्रीय केंद्र बनाया जायेगा, इसका लक्ष्य केंद्र सरकार के सहयोग से 5,000 मेगावाट भंडारण क्षमता हासिल करना है। उन्होंने निवेशकों से ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सौर प्रतिष्ठानों के साथ कम से कम 25-30 प्रतिशत बैटरी भंडारण को एकीकृत करने का आग्रह किया। रीकनेक्ट कार्यक्रम में सौर पीवी विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण अपनाने, कृषि को सौर ऊर्जा से जोड़ने, विनियामक सुधार और वाणिज्यिक, औद्योगिक और आवासीय छत विकास पर चर्चा हुई। कार्यक्रम को ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज, गौतम सोलर, ओसवाल सोलर, आनंद ई-बीम केबल्स, आत्मनिर्भर सोलर, पीओएम पावर, स्टैंडर्ड स्काईटॉप राइज, सोलरयान और कॉस्मिक पीवी सहित प्रमुख कम्पनियों से समर्थन मिला है। राजस्थान सोलर एसोसिएशन भी इस आयोजन में भागीदार है। रीकनेक्ट शिखर सम्मेलन के जयपुर संस्करण ने नेटवर्किंग और ज्ञान साझा करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य किया, जिसमें सरकारी अधिकारियों और उद्योगपतियों सहित विभिन्न हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सही जन्म तारीख संबंधित सूचना
मैं, Lt. Col. Dalpat Singh (Retd) दलपत सिंह पुत्र श्री रामसिंह, निवासी- सी-46-ए, सरोजनी मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर राज. का हूं। श्रीमती विना सिंह (Veena Singh) मेरी पत्नी है जिसकी जन्म दिनांक मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में गलती से 14.11.1949 अंकित है, जबकि उसकी सही जन्म दिनांक 14.11.1951 है तथा उसके समस्त अन्य दस्तावेजातों जैसे- जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता, आधार कार्ड व पासपोर्ट इत्यादि में भी उसकी जन्म दिनांक 14.11.1951 अंकित है जो कि सही एवं सत्य है एवं मेरे विभाग द्वारा उक्त संबंध में इश्तिहार पत्रिका के प्रकाशन चाहने पर मेरे द्वारा जरिए उक्त स्पष्टीकरण मेरी पत्नी की सही जन्म तारीख के संदर्भ में दिया जा रहा है।

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक सम्पत्ति मकान एम.आई.जी. प्रथम नम्बर 2/105, राजस्थान आवासन मण्डल की स्काउट फिल्ड योजना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आलनपुर सवाई माधोपुर मे स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 90.00 वर्गमीटर है, जिस पर मेरी अभिभाष्य इन्द्रा शर्मा के पति अशोक कुमार शर्मा ने एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेज एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड में रहन (Martgage) कर रखे है। यह कि इन्द्रा शर्मा के पति अशोक कुमार शर्मा का दिनांक 20.12.2024 को स्वर्गवास हो गया तथा उक्त सम्पत्ति के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड को की जा चुकी है, इसलिये अब मेरी अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहती है तथा उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज मेरी अभिभाष्य इन्द्रा शर्मा को दिए जाते है, यदि इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथी से सात दिवास तक की अवधि मे मेरे कार्यालय में सम्पर्क करे। उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात् किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे, मो- 18002100018/9460943434
केदार राम, एडवोकेट, मो. 9460943434, 9799170016

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 43/2023 6/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम चन्द्र प्रकाश वासवानी पुत्र वादुमल वासवानी जाति सिन्धी
विवाद स्थान बी-18, जे.डी.ए.कॉलोनी, तुलसीदास मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर
मृतक पब्लिक प्रॉविडेन्ट फण्ड अकाउन्ट सं. 51089057783 भारतीय स्टेट बैंक शाखा शासन सचिवालय सी-स्कीम जयपुर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 04/07/2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम चन्द्र प्रकाश वासवानी पुत्र वादुमल वासवानी जाति सिन्धी निवासी बी-18, जे.डी.ए.कॉलोनी, तुलसीदास मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 04 माह 07 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 07 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-11, जयपुर महानगर प्रथम, मुख्यालय सांगानेर
मोहर अदालत

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 44/2023 05/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी वादुमल वासवानी पुत्र हासानन्द वासवानी जाति सिन्धी
विवाद स्थान बी-18, जे.डी.ए.कॉलोनी, तुलसीदास मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर
मृतक बैंक खाता सं. 0113010008774 बैंक ऑफ बडौदा शाखा-बाम्बे हाउस, एम.आई.रोड, जयपुर, बचत खाता सं. 51101503647 भारतीय स्टेट बैंक (पूर्व नाम स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, शाखा मालवीय नगर, जयपुर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 04/07/2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम वादुमल वासवाना पुत्र हासानन्द वासवानी जाति सिन्धी निवासी बी-18, जे.डी.ए.कॉलोनी, तुलसीदास मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 04 माह 07 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 07 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-11, जयपुर महानगर प्रथम, मुख्यालय सांगानेर
मोहर अदालत

नाम परिवर्तन
मेरा नाम प्रकृति कापडी जो कि 10वीं की मार्कशीट में टंडेल प्रकृतिबहेन मोहनभाई हो गया है। सही नाम प्रकृति कापडी जो आधार कार्ड इत्यादि में भी दर्ज है। प्रकृति कापडी व टंडेल प्रकृतिबहेन मोहनभाई मेरे स्वयं के ही नाम हैं। भविष्य में मुझे प्रकृति कापडी नाम से ही जाना जावे।

I Narain Lal Modi S/o Sanwar Lal Modi Add-20,Nareda Colony, Jharkhand mode, Khatipura, Jaipur, Jhotwara, Raj-302012, I Have Changed my Name From Narain Lal Modi to Narayan Lal Modi in Future I Should Be Known By This Name.

I Shushila KANWAR legally wedded spouse of Army no 2876160- 15 Raj Rif Sepoy Late Vikram pal singh S/O Aditya pal Singh resident of plot no 5 Jai Vihar colony Jaipur that I have changed my name which is wrongly entered my husband service record from SHUSHILA KANWAR To SUSHILA SINGH vide affidavit dated 28 may 2025 before district notary tunga bassi Jaipur

खोया पाया
मेरे मकान नम्बर- 80/212 , सैक्टर - 8, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का ग्रीन स्लीप+डिमांड लेटर+पैसों की जमा रसीद +NOC और आवंटन पत्र कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें धर्म दास- 9269999309

प्लॉट नंबर A-725, स्कीम- सूर्य नगर -A, सूरजपुरा-टिटोली, तहसील चाकसू, जिला जयपुर का ओरिजिनल पजेशन लेटर बड़ी चौपड़ के पास कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें अजय शर्मा 8107987070

जे.डी.ए की योजना ट्रांसपोर्ट नगर के प्लाट नं- B2/591 का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र जयपुर मे कही गुम हो गया है सूचित करे अनीता ओला मो. 9468722132

खुदाबादी सोनार को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि. की आवासीय योजना-विवेक विहार, जयपुर के भूखण्ड संख्या 133 का सोसायटी द्वारा जारी मूल रसीद कहीं गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करें। उर्मिला सिंह मीणा-मोबाईल नम्बर 9460593040

उत्तर पश्चिम रेलवे
आवश्यक सूचना
सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि कानोता-खातीपुरा स्टेशनों के मध्य फाटक संख्या- 209 (भटेशरी फाटक) KM 220/5-6 व फाटक संख्या - 210 (भूरतल फाटक) KM 221/7-8 को दिनांक 31.05.2025 से दिनांक 30.06.2025 तक LHS निर्माण कार्य हेतु रोड यातायात के लिऐ पूर्णरुप से बन्द रहेगा। फाटक 209 के रोड यूजर LHS-208 व फाटक 210 के रोड यूजर गोनेर ROB का उपयोग कर सकते है। असुविधा के लिए खेद हैं।
636/CR-25 वरि. मं. इन्जी. (मुख्या.) जयपुर
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका चाकसू जिला जयपुर
नियम 6(7) देखिए
क्रमांक : 1634 दिनांक : 30.5.2025
लोक सूचना
APNATVE FUTURE ZONE SHIKSHAN SANSTHAN THROUGH SURGYAN SINGH S/O GUMAN SINGH निवासी ग्राम बडोदिया तह. कोटखावदा जिलया जपुर राज. ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (शैक्षणिक प्रयोजन) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिला सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	रकबा हैक्टर	क्षेत्र
तहसील चाकसू	ग्राम भगवानपुरा	516	0.0400	कुल किता 03
	पटवार हल्का	518	0.2400	कुल रकबा 0.3800
	रामनिवास	522/1	0.1000	हैक्टर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थख दस्तावेजों के साथ अपने अक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 30.5.2025 को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी, नगरीय क्षेत्र चाकसू

कार्यालय नगर निगम, कोटा उत्तर (राज0)
क्रमांकः-ननिको(उ.)/जन0स्वा0/2025/340-352 दिनांक : 26.05.2025
-: ई-निविदा सूचना :-
नगर निगम कोटा उत्तर क्षेत्र के नवीन सम्मिलित कैथून एवं उसके साथ सम्मिलित गांव खेडारामपुरा व भीमपुरा आदि गांव की आबादी एवं विकसित कॉलोनियों तथा उनको जोडने वाले मुख्य मार्गो एवं अन्य मुख्य मार्गो हेतु आवश्यकतानुसार संवेदक के माध्यम से सफाई कार्य हेतु 50 बीट अकुशल श्रमिक की सेवाओं के उपापन के लिए ऑनलाइन बोली। दर संविदा वार्षिक अनुबंध करने वाले पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा पद्धति द्वारा ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का प्रकार कार्य की अनुमानित राशि निविदा बेचे जाने, प्राप्त करने, अन्य शर्ते एवं जानकारी निगम वेबसाईट www.kotamc.org, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
अनुमानित राशि 54 लाख
1. UBN No. DLB2526WSRC06125
2. NIB No. DLB2526A1813
अति० आयुक्त नगर निगम, कोटा उत्तर
राज.संवाद/सी/25/3338

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
सेक्टर-9 गोखले मार्ग, शिप्रा पथ रोड मानसरोवर जयपुर
क्रमांक :- जसअ/2025/81 दिनांकः 30.05.2025
सार्वजनिक सूचना
राजस्थान मृत सरकारी कर्मचारियो के आश्रितो को अनुकम्पात्मक नियुक्ति नियम 1996 के अनुसार नगर निगम की सेवा मे सेवारत रहते हुए मृतक हुए उनके आश्रित को नियुक्ति देने की कार्यवाही की जानी है। विवरण निम्न प्रकार है :-

क्रं. सं.	मृतक का नाम	पद	मृत्यु दिनांक	मृतक आश्रित के रूप मे नियुक्ति चाहने वाले का नाम	मृतक से सम्बन्ध आश्रित	पता
1	कजोड पुत्र श्री नारायण	सफाई कर्मचारी	03.10.2024	निखिल	पुत्र	रैगरो का मौहल्ला तितरिया रोड चन्दलाई जयपुर

इस सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी जन सामान्य को मृतक के स्थान पर नियुक्ति चाहने वाले व्यक्ति के सम्बन्ध मे किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के सात दिवस के अन्दर-अन्दर कार्यालय मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी-अपनी आपत्ति लिखित मे प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि मे आपत्ति प्राप्त न होने की दशा मे नियमानुसार नियुक्ति सम्बन्धी कार्यवाही अमल मे लाई जावेगी।
उपायुक्त मानसरोवर जोन नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद/सी/25/3350

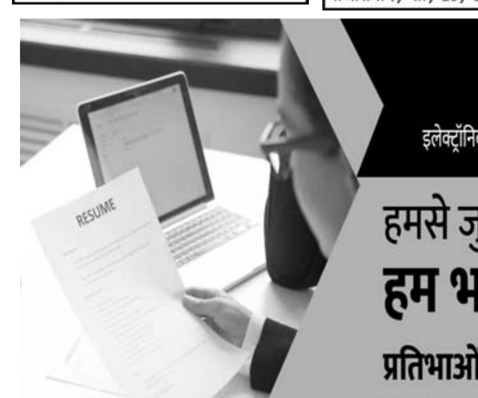

प्रगत संगणन विकास केंद्र
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
हमसे जुडें
हम भर्ती कर रहें हैं
प्रतिभाओं की खोज
रोमांचक और चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए

वैज्ञानिक और तकनीकी पद
परियोजना सहयोगी (नवागत / अनुभवी)
परियोजना अभियंता (नवागत / अनुभवी)
वरिष्ठ परियोजना अभियंता
परियोजना नेतृत्वकर्ता
मॉड्यूल नेतृत्वकर्ता
(न्यूनतम 4 वर्षों का अनुभव)
परियोजना प्रबंधक
परियोजना वितरण प्रबंधक
प्रोग्राम प्रबंधक
ज्ञान सहभागी(नॉलेज पार्टनर)
(न्यूनतम 9 वर्षों का अनुभव)
योग्यता
1. बीई/बीटेक या समकक्ष डिग्री
2. विज्ञान/ कंप्यूटर अनुप्रयोग या प्रासंगिक डोमेन में स्नातकोत्तर डिग्री/एमबीए
3. एम.ई./एम.टेक या समकक्ष डिग्री
4. पीएच.डी.

गैर-तकनीकी पद
परियोजना सहायता स्टाफ / परियोजना अधिकारी
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम 0 - 3 वर्ष का अनुभव)
योग्यता
1. स्नातक
2. पोस्ट ग्रेजुएट
3. सीए / एलएलएम/ सीएमए / इंटर सीए
4. प्रासंगिक क्षेत्र में दो साल का पूर्णकालिक एमबीए / प्रासंगिक क्षेत्र में स्नातकोत्तर पेशेवर योग्यता
भारत में विभिन्न स्थलों के लिए
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि – 20 जून 2025
विस्तृत विज्ञापन और आवेदन करने के लिए www.cdac.in के CAREERS पृष्ठ पर जाएं।
ADVT.NO.CORP/JIT/03/2025 Advancing Technology for National Development CORPORATE HRD
Branding & Communication/CorpHR/C-DAC Pune 2025
CBC 06132/12/0001/2526

ई मेल से फिर आई मेट्रो स्टेशन और दो कोर्ट में बम से उड़ाने की धमकी

■ **मेल में लिखा कि तीन आईईडी से होंगे धमाके, कोर्ट परिसर खाली कराए**

जयपुर। मानसरोवर मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद बम और डॉग स्क्वॉयड मौके पर पहुंचे। इससे पहले शुक्रवार सुबह दो कोर्ट में बम ब्लास्ट की धमकी मिली थी। इनमें एक जयपुर मेट्रो कोर्ट और एक फैमिली कोर्ट है। धमकी भरे ई-मेल के बाद हड़कंप मच गया था।

मेल में शुक्रवार दोपहर दो बजे तक तीन आईईडी से दो कोर्ट में धमाके करने की जानकारी थी। मेल भेजने वाले ने खुद को पूर्व नक्सली बताया था। सुबह मेल मिलने के बाद पूरे परिसर को खाली कराया गया था। मौके पर पहुंचे बम और डॉग स्क्वॉयड ने फैमिली कोर्ट में करीब चार घंटे सर्च किया था। वहीं, जयपुर मेट्रो कोर्ट में करीब एक घंटे तक सर्च करने के बाद परिसर को सेफ बताया था।एंटी टेररिस्ट स्क्वाड की टीम भी ज्योति नगर के फैमिली कोर्ट में जांच के लिए पहुंची । जयपुर मेट्रो कोर्ट (प्रथम) के जज पवन कुमार ने पुलिस कमिश्नर को धमकी भरे ई-मेल की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि ई-मेल 29 मई को सुबह 4.49 बजे मिला था। कोर्ट बंद होने के कारण 30 मई को सुबह करीब 8.15 बजे ई-मेल देखा था। इसी ई-मेल में ज्योति नगर फैमिली कोर्ट में में भी ब्लास्ट की जानकारी थी।मेल में लिखा मैं पूर्व नक्सली हूं। इस हफ्ते से पहले तक कोर्ट आईईडी ऑपरेशन का हिस्सा भी रह चुका हूं। ध्यान से इस ऑपरेशन के बारे में पढ़ लीजिए, जिसे सीपीआई (माऊ) ने सिंगर कोवान नाम दिया है। सिंगर कोवान उर्फ एस शिवदास का इस्तेमाल अगले सप्ताह एडैपडी के.पलानीसामी के खिलाफ होने वाले अभियान के लिए किया जा रहा है। यह अभियान सवुक्कु शंकर के साथ गलत तरीके से किए गए व्यवहार और डीएमके के 2 जी सादिक बाचा की हिरासत में मौत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए है। हमारे हाई कमांड से क्रिटिकल सिक्योरिटी अलर्ट आया है। कल तीन बम कोर्ट की बिल्डिंग में प्लांट किए गए हैं। वहीं, मेल के सब्जेक्ट में लिखा कि तीन आईईडी फैमिली कोर्ट की बिल्डिंग में रखें हैं। 2 बजे से पहले खाली करवा लें।

गौरतलब है कि इससे पहले 13 मई, 12 मई और 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसमें 13 मई को मिले मेल में बम से उड़ाने की धमकी के साथ ही रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की गई थी। 9 मई को जयपुर मेट्रो को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जयपुर मेट्रो की मेल आईडी पर ईमेल मिला था। इसमें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जयपुर मेट्रो स्टेशन और ट्रेन दोनों को उड़ाने की धमकी दी गई थी। लेकिन जांच में कुछ नहीं मिला था।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे जेपी नड्डा : मदन राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर शनिवार को जयपुर स्थित सेंट्रल लॉन में आयोजन किया जाएगा। राजधानी में होने वाले इस भव्य आयोजन में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की गरिमायम उपस्थिति रहेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, पूर्व अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल का जाजया लिया और व्यवस्था टोली को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राठौड़ ने बताया कि धर्मपरायण, कुशल प्रशासक, प्रजावत्सला पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर भाजपा की ओर से देशभर में विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोपाल में रानी अहिल्याबाई होल्कर के महासम्मेलन में भाग लेंगे। इसी कड़ी में जयपुर के एंटरटेनमेंट पैराडाइज में आयोजित कार्यक्रम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा संबोधित करेंगे। इससे पूर्व वे जवाहर सर्किल से एंटरटेनमेंट पैराडाइज तक निकलने वाली तिरंगा यात्रा में सम्मलित होंगे। सम्मेलन में जयपुर संभाग के मंडल अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की बहनें उपस्थिति रहेंगी। शुक्रवार को कार्यक्रम निरीक्षण के दौरान पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, डॉ अपूर्वा सिंह, उप महापौर पुनिट कर्णावत, भाजपा नेता रवि नैय्यर सहित कई भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

प्रकृति संरक्षण के लिये विशेष ग्रीष्मकालीन शिविर

जयपुर। गर्मी की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रिवेंस (एसपीजी), इंडिया ने विभिन्न विशेष कार्यक्रमों एवं ग्रीष्मकालीन स्कूल शिविरों का आयोजन किया है। संगठन के अध्यक्ष एवं चेयरमैन प्रो. बी. डी. रावत ने जानकारी दी कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों में प्रकृति, जल और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। संगठन के सचिव डॉ. गोविंद रावत (एडवोकेट) ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रकृति बचाओ और वन्यजीव बचाओ विषय पर आधारित एक विशेष शैक्षिक भ्रमण दिल्ली रोड स्थित नरगढ़ जैविक उद्यान में आयोजित किया गया, जिसमें 750 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी को मातृ-शोक

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री रत्ना कुमारी की माताजी प्रभा कुमारी का 29 मई को स्वर्गवास हो गया। उन्होंने अपने परिवारजनों की उपस्थिति में शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। उनके आकस्मिक निधन से चेनैनी राजपरिवार (रियासत जम्मू-कश्मीर), उनके परिवार और समस्त समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रभा कुमारी के निधन का कारण घर में दुर्भाग्यवश गिरने से सिर में लगी गंभीर चोट थी। पिछले दो सप्ताह से उनका जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के सर कर्नल चोपड़ा

नर्सिंग होम में उपचार चल रहा था। प्रभा कुमारी अपने स्नेह, निष्ठा और सेवा भावना के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में न केवल अपने परिवार, बल्कि समाज के लिए भी अमूल्य योगदान दिया। उनका सरल, समर्पित और प्रेमपूर्ण जीवन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। प्रभा कुमारी, भकतगढ़ के स्वर्गीय ठाकुर साहब रणजीत सिंहजी की सुपुत्री थीं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जयपुर के प्रतिष्ठित महारानी गायत्री देवी (एमजीडी) विद्यालय से सीनियर कैम्ब्रिज के रूप में पूर्ण की, जो उनके परिवार द्वारा शिक्षा और परंपरा को दिए गए उच्च महत्व को दर्शाता है।

ड्रग्स लेकर आए युवक को पकड़ा

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को ड्रग्स के साथ पकड़ा है। जहां गिरफ्तार हुए युवक से कस्टम विभाग सहित अन्य एजेंसियां पूछताछ कर रही है। कस्टम विभाग ने इस कार्रवाई को शुक्रवार को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि युवक महंगी ड्रग्स को पेट में छिपाकर लाया था। इसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। यह ड्रग्स कहां और किसे देने के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

बदमाश अवैध हथियार सहित पकड़ा

जयपुर। रामगंज थाना ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को पकड़ा है और उसके पास से एक देसी पिस्टल बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत रामगंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 24 वर्षीय शाहिद शेरानी निवासी ट्रांसपोर्ट जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देसी पिस्टल जब्त की है। पुलिस आरोपित से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

रमेश शर्मा बने पहले डीजीसीए प्रमाणित रिमोट पायलट इंस्ट्रक्टर

जयपुर। इंटेलिजेंस ट्रेनिंग अकादमी (आईटीए), जयपुर में पदस्थापित रमेश शर्मा ने नागर विमानन महानिदेशालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित रिमोट पायलट इंस्ट्रक्टर कोर्स सफलता हासिल की है। इस सफलता के साथ शर्मा राजस्थान पुलिस के प्रथम ड्रोन इंस्ट्रक्टर बन गए हैं। पुलिस महानिदेशक इंटेलीजेंस संजय अग्रवाल के निर्देशों के तहत यह पहल की गई थी। राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ती ड्रोन गतिविधियों को देखते हुए आईटीए जयपुर में एक ड्रोन रिसर्च सेंटर और ड्रोन फोरेंसिक लैब स्थापित करने का उद्देश्य है। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आईटी सेल के प्रभारी रमेश शर्मा को इस विशिष्ट रिमोट पायलट इंस्ट्रक्टर कोर्स के लिए भेजा गया था। डीजीसीए द्वारा आयोजित इस परीक्षा का परिणाम मात्र 22 प्रतिशत रहा है, जो उनकी उपलब्धि को और भी खास बनाता है। यह दिखाता है कि उन्होंने कितनी कुशलता और ज्ञान के साथ यह कोर्स पूरा किया है.

दिया कुमारी ने शिविर में की शिरकत

जयपुर। संस्कृति सोशल क्लब वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह महात्मा गांधी स्कूल, विद्याधर नगर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने शिविर में भाग लेने वाले बच्चों और युवाओं की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

पानी की मोटर चोरी करने वाले शातिर वाले चोर सहित कबाडी गिरफ्तार

मालवीय नगर थाना पुलिस ने घरों से पानी की मोटर चोरी करने वाले शातिर चोर सहित कबाडी को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घरों से पानी की मोटर चोरी करने वाले शातिर चोर सहित कबाडी को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चोरी की चार पानी की मोटर भी जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घरों से पानी की मोटर चोरी करने वाले 19 वर्षीय अजय दिवाकर और 20 वर्षीय कुन्दन जाटव को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपित मालवीय नगर इलाके के रहने वाले है। जिनके पास से चुराई गई चार पानी की मोटर जब्त की गई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित अजय दिवाकर सुबह अंधेरे में घरों में रेकी कर घुसता है और फिर पानी की मोटर चोरी कर ले जाता है। इसके बाद चुराई गई मोटर कबाडी कुन्दन को बेच देता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

दिया कुमारी ने आईआईडीसी 2025 का उद्घाटन किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शुक्रवार को इंडिया इंटरनेशनल डिज़ाइन कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिज़ाइनर्स, जयपुर चैप्टर द्वारा आरआईसी, झालाना में आयोजित किया जा रहा है।

उद्घाटन के बाद उपमुख्यमंत्री ने डिज़ाइन इंस्टॉलेशन, क्राफ्ट प्रदर्शनी और कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने युवाओं की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा : ''राजस्थान की कलात्मक परंपरा और डिज़ाइन क्षमता को ऐसे मंचों के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुँचाना अत्यंत सराहनीय प्रयास है। डिज़ाइन एक ऐसा माध्यम है जो परंपरा को नवाचार से जोड़ता है।'' आईआईडीसी 2025 का उद्देश्य जयपुर और राजस्थान की समृद्ध डिज़ाइन परंपरा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है। इसमें पैनल चर्चा, वर्कशॉप्स, शिल्प प्रदर्शनियां और प्रमुख वक्ताओं के सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन डिज़ाइन, नवाचार और परंपरा का संगम है, जो युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा देने के साथ-साथ राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करता है।

मकान पर घुसे चोर ने की फायरिंग, कंधे पर लगी गोली

जयपुर। करधनी थाना इलाके में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक मकान में घुसे चोर को युवक ने देख लिया। इस पर युवक ने चोर का पीछा करना शुरू कर दिया तो चोर ने पकड़े जाने के डर से युवक पर फायरिंग कर दी। गोली युवक के बाएं बाजू पर लगी। युवक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी

■ **घायल व्यक्ति करता है कैटरिंग का काम, काम से देर रात लौटा तो उसे मकान की छत पर नजर आया चोर**

दे दी गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार लालचंदपुरा जेडीए कॉलोनी निवासी 47 वर्षीय भगवंत सिंह केटरिंग का काम करता है। गुरुवार को वह कैटरिंग का काम कर देर रात घर लौटा था। घर लौटने पर उसे पडोसी के मकान की छत पर चोर नजर आया। यह देखकर वह पडोसी के मकान के नजदीक आ गया। युवक को आता देखकर चोर भागने लगा तो उसने पीछा किया। पकड़े जाने के डर से चोर ने भगवत सिंह पर फायरिंग कर दी। गोली भगवंत सिंह के बाएं बाजू को छूकर निकल गई। इससे भगवंत सिंह घायल हो गया। गोली की आवाज सुनकर स्थानीय लोग जाग गए। तब तक चोर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन के दौरान सीसीटीवी फुटेज मिला है। इसमें पीड़ित चोर का पीछा करता नजर आ रहा है। घटना रात करीब दो बजे की है। व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश की जा रही है। जल्द ही चोर को पकड़ लिया जाएगा। भगवंत सिंह कैटरिंग का काम करता है। गोली उसके हाथ के बाजू को छू कर निकल गई।

एटक की जनरल कॉन्सिल की मीटिंग में स्थानीय व राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा

जयपुर। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन काँग्रेस की जनरल कॉन्सिल की मीटिंग के दूसरे दिन राज्यों की समस्याओं पर चर्चा के साथ ही अनेक प्रस्ताव पारित किए गए। प्रस्तावों में बिजली क्षेत्र के निजीकरण के विरोध में प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया बिजली उत्पादन क्षेत्र को ठेके पर दिया जा रहा है।हल ही गौतम अड़ानी को बिना किसी नियम क़ायदे के 21 हज़ार करोड़ रुपये का ठेका दे दिया गया। सरकार की इस नीति से उपभोक्ताओं पर महंगाई की मार पड़ेगी। साथ ही सरकारी क्षेत्र को भी नुक़सान पहुँचेगा। प्रस्तावों में अंशदायी राष्ट्रीय पेंशन योजना और एकीकृत पेंशन को रद्द कर अंशदायी पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने, स्वास्थ्य सेवाओं को मौलिक अधिकार घोषित करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी का 3 प्रतिशत बजट करने तथा बढ़ती महंगाई के खिलाफ

मजदूर यूनियन एटक की शुक्रवार को जनरल कॉन्सिल की मीटिंग हुई।

न्यूनतम मज़दूरी को मौलिक अधिकार घोषित करने करने और 26 हज़ार करने सम्बन्धी प्रस्ताव पारित किए गए। इन प्रस्तावों के अलावा फ़िलिस्तीन में गाजा पट्टी पर बिना शर्त युद्ध बंद करने और 1967 की सीमा को स्वीकार करने की माँग की गई।प्रस्ताव में कहा कि एटक ने भारत सरकार से माँग की है कि भारत के भवन निर्माण मज़दूरों और अन्य श्रमिकों को इस्त्राइल भेजना बंद किया जाए।इस सम्बन्ध में एटक का एक प्रतिनिधिमंडल भारत के विदेशी मामलात के मंत्री व इस्त्राइल के दूतावास से भी मिलेगा।

तीन महिलाओं ने पार किया सवा दो लाख रुपए का गोल्ड पेंडेंट सेट

जयपुर। गांधी नगर थाना इलाके में एक व्यक्ति के बैग से तीन महिलाओं ने सवा दो लाख रुपए का गोल्ड पेंडेंट सेट पार कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

पुलिस के अनुसार कृष्णा मार्ग बापू नगर निवासी मानसिंह गुर्जर ने मामला दर्ज करवाया कि वह जौहरी बाजार गया था। वह ई रिक्शा में सवार होकर लौट रहा था । महाराजा कॉलेज के पास तीन महिलाएं ई रिक्शा में सवार हो गई। महिलाओं ने उसके बैग की चेन खोलकर उसमें से एक गोल्ड पेंडेंट सेट पार कर लिया। जिसकी कीमत करीब 2 लाख 32 हजार रुपए है। महिला रास्ते में उतर गई। घटना का पता उसे आवास पर पहुंच कर सामान संभालने पर लगा। इस पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयपुर में धाकड़ छात्रावास की मांग फिर हुई बुलंद

जयपुर। श्री धाकड़ समाज समिति जयपुर की ओर से शुक्रवार को मालवीय नगर स्थित त्रिमूर्ति आर्टमेंट में विशेष परिचय व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तरीय पदाधिकारी में शामिल हुए। वहीं, श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व संसदीय सचिव नरेंद्र नागर का समिति की ओर से स्वागत किया गया। नागर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पद लेना महत्वपूर्ण नहीं, इसे एक जिम्मेदारी समझे, इसे पूरी निष्ठा से निभाएं। नागर ने समाज को एक सूत्र में बांधने का मंत्र देते हुए कहा कि संगठित रहेंगे तो एक रहेंगे, और एक रहेंगे तो आगे बढ़ेंगे। इस कार्यक्रम का नेतृत्व समिति अध्यक्ष व श्री धाकड़ महासभा राजस्थान के प्रदेश महामंत्री एडवोकेट महेश धाकड़ ने किया। बैठक में शिक्षा, संगठन विस्तार, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक सामंजस्य जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। गर्मी के बावजूद माहौल जोशपूर्ण रहा और बीच-बीच में हल्के-फुल्के संवादों से वातावरण जीवंत बना रहा।

इस अवसर पर श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय महामंत्री गोविंद सिंह धाकड़, महिला संघ की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रतिभा धाकड़, नगर निगम उपायुक्त ममता नागर, युवा विंग के राष्ट्रीय प्रवक्ता विक्रम सिंह धाकड़, रामप्रसाद धाकड़, युवा संघ इकाई जयपुर जिलाध्यक्ष पवन धाकड़, सहित कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहें।

पान मसाला विनिर्माताओं को सप्लाई के लिए जा रही सुपारी के 4 ट्रक जब्त

जयपुर। राज्य कर विभाग की प्रवर्तन शाखा ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पान मसाला निर्माण में उपयोग होने वाली सुपारी से लदे चार ट्रक जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 5 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई मुख्य आयुक्त कुमारपाल गौतम के निर्देशन में की गई।

■ **राज्य कर विभाग की बड़ी कार्रवाई : अनुमानित मूल्य 5 करोड़ रुपए**

ये ट्रक तेलंगाना और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों से अवैध रूप से राजस्थान लाए जा रहे थे। सुपारी को बिना ई-वे बिल के और फर्जी फर्मों के नाम पर ट्रांसपोर्ट किया जा रहा था। यह माल राजस्थान में स्थित पान मसाला विनिर्माण इकाइयों को सप्लाई किया जाना था। प्रवर्तन शाखा ने इन ट्रकों को सवाई माधोपुर के पास रोका और जब्त किया। इनमें से एक ट्रक के केबिन से 10 अलग-अलग पंजीकरण नंबर की नंबर प्लेटें बरामद हुई हैं। इनका उपयोग विभिन्न राज्यों में ट्रक की पहचान छुपाने और कर चोरी के उद्देश्य से किया जाता था। वाहनों को फिलहाल मुख्यालय में भौतिक सत्यापन के लिए खड़ा किया गया है।

राज्य कर विभाग की प्रवर्तन शाखा ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पान मसाला निर्माण में उपयोग होने वाली सुपारी से लदे चार ट्रक जब्त किए हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्य आयुक्त कुमारपाल गौतम के निर्देश पर कोटा स्थित एक पान मसाला विनिर्माण इकाई पर हुई छापेमारी में लगभग 1500 करोड़ रुपए की कर चोरी उजागर हुई थी, जिसमें दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

उसी मामले से जुड़े इनपुट के आधार पर यह जानकारी सामने आई थी कि राज्य की पान मसाला कंपनियों द्वारा तेलंगाना और कर्नाटक से फर्जी फर्मों के नाम पर सुपारी मंगवाकर उसे अवैध गोदामों में खाली करवाया जाता है, और फिर आवश्यकता अनुसार निर्माण कार्य में उपयोग किया जाता है।

विभाग अब इस पूरे मामले की विस्तृत जांच करेगा। इसके तहत तेलंगाना और कर्नाटक के अधिकारियों से संपर्क कर यह जानकारी जुटाई जाएगी कि ये वाहन पूर्व में कहां-कहां और कितनी मात्रा में सप्लाई कर चुके हैं। साथ ही, उन ट्रांसपोर्ट कंपनियों की पहचान भी की जाएगी, जो इस अवैध परिवहन कार्य में संलिप्त हैं।

राजस्थान एसजीएसटी की इस कार्रवाई से अंतरराज्यीय संगठित कर चोरी गिरोहों और बड़े व्यापारिक समूहों की मिलीभगत से की जा रही सैकड़ों करोड़ रुपए की कर चोरी के नेटवर्क का भंडाफोड़ संभव है।

छायाकार पुष्पेन्द्र व्यास सहित विधानसभा के दो कर्मी सेवानिवृत्त

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राज्य सेवा कार्य किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के जीवन की महत्वपूर्ण और अनमोल पूंजी होती है। अपने जीवनकाल का महत्वपूर्ण समय राज्य सेवा के अधिकारी और कर्मचारी सेवाकाल में पूरा कर लेते है। उन्होंने राजस्थान विधान सभा के कर्मचारियों से कहा है कि वे सभी राजस्थान विधान सभा की गरिमा को बनाये रखने वाले कार्य करें।

अध्यक्ष देवनानी शुक्रवार को यहां विधान सभा में विधान सभा के छायाकार पुष्पेन्द्र व्यास और अनुभाग अधिकारी जुगल किशोर जोशी के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों को श्रेष्ठता से करके संस्थान का नाम रोशन करने का प्रयास करना चाहिए। किसी भी संस्था के कर्मी ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, तो संस्था भी उनके हितों का ध्यान प्राथमिकता से रखेगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारी सौभाग्यशाली होते है। लोकतंत्र के इस मंदिर में काम करने का मौका कुछ लोगों को ही मिल पाता है। लोकतंत्र के इस पवित्र स्थल पर मनोभाव और सकारात्मक दृष्टि से काम करके निष्ठावान होने का परिचय दें।

मदन राठौड़ ने सिंदूर यात्रा में बहनों के जोश और जज्बे को किया सलाम

जयपुर। वाटिका क्षेत्र में गुरुवार को भव्य ''सिंदूर तिरंगा यात्रा'' निकाली गई। यात्रा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शामिल हुए। राठौड़ के साथ पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, सरकार के मंत्री झाबर सिंह खर्रा, बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, स्टेफी चौहान, अपूर्वा सिंह, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां और स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधिगण, मौजूद रहे। सभी ने हाथों में तिरंगा लिए देश की अखंडता, सुरक्षा और एकता का संदेश दिया। महिलाओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ यात्रा निकाली। सिंदूर तिरंगा यात्रा में महिलाओं का उत्साह देखने लायक था। देशभक्ति गीतों और नारों से वातावरण गूंज उठा।वाटिका क्षेत्र में आयोजित इस यात्रा को लेकर स्थानीय जनता में भी उत्साह देखने को मिला।

राठौड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह दिखा दिया है कि भारत की सेना न केवल अपने नागरिकों की रक्षा में सक्षम है, बल्कि आतंक के अड्डों को नेस्तनाबूद करने में भी पूरी तरह सक्षम है। पहलगाम में हमारी बहनों पर हुए हमले का जिस तरह से जवाब भारतीय सेना ने दिया

वाटिका में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

है, वह गर्व की बात है। इसी गौरव और सम्मान को आगे बढ़ाते हुए बहनों ने सिंदूर तिरंगा यात्रा निकाली है, जो राष्ट्रप्रेम और समर्पण का प्रतीक है। वहीं दूसरी ओर कांगेस के नेता डोटासरा है,

■ **राष्ट्र के प्रति डोटासरा का अभी जागृत नहीं हुआ स्वाभिमान, इस घड़ी में राष्ट्र के साथ खड़ा होना चाहिए विपक्ष : मदन राठौड़**

जिनका राष्ट्र के प्रति स्वाभिमान अभी जागृत नहीं हुआ। देश के मामले में राष्ट्र प्रथम की भावना सभी के मन में होनी चाहिए। आतंक के खिलाफ भारत की इस जंग में देश एकजुट है और विपक्ष को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा होना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के खिलाफ ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

पहलगाम में हमारी बहनों पर हमले के जवाब में सेना ने न केवल हमलावरों को मार गिराया, बल्कि उनके आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों को भी ध्वस्त कर दिया। इस साहसिक कार्य को सलाम करते हुए देशभर में सिंदूर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, इसमें सभी लोगों को शामिल होना चाहिए।

World No Tobacco Day: A Global Call to Quit

Observed annually on May 31, World No Tobacco Day is a global initiative led by the World Health Organization (WHO) to raise awareness about the harmful effects of tobacco use and to advocate for effective policies to reduce consumption. The 2025 theme, 'Protecting Children from Tobacco Industry Interference,' highlights the urgent need to shield youth from misleading marketing and addictive products. Tobacco kills over 8 million people each year, making it a leading cause of preventable deaths. The day urges individuals to quit and governments to enforce stricter control measures for a tobacco-free future.

#COOL-DOWN

'You need servicing'

It just gave up, like a resigned bureaucrat on a Friday afternoon!

Salil Dutt

The AC in my bedroom conked out in the middle of the night. Not sputtered. Not whimpered. It just gave up, like a resigned bureaucrat on a Friday afternoon. One moment, I was wrapped in Himalayan bliss, the next, drenched in Sahara sweat.

So, I tossed and turned all night like a chicken being barbecued. By morning, I looked like I'd spent the night dancing in a steam room, and felt like I'd been at war, with a mattress and my melting dignity. The mechanic arrived late morning. Snooty fellow, eyes half shut with indifference and an air of casual brilliance, like he knew the secrets of the universe, or at least the secrets of split ACs.

"It's a good brand," I told him hopefully, pointing at the machine like it was a pedigree dog that had soiled the carpet.

"The best," he nodded solemnly, opening the unit with the reverence of a surgeon unveiling a chest cavity.

"Then what's the problem?" I asked, hoping he wouldn't suggest I replace it with some obscure cousin from a new brand that he'd conveniently be selling on the side.

"Air vents clogged. Filters dirty. Fins choked. All jammed with muck. Sir, there's construction going on next door?" "Yes," I said, "it's been going on for the last two years!" "All the more reason," he replied, with the wisdom of the Himalayas, "that you should have got it serviced regularly." He tinkered for the next hour while I hovered like a parent outside an operation theatre. Then, like Lazarus from the tomb, the AC sprang back to life. Cold, sweet air whooshed out, almost like a sigh of relief, mine, not the AC's.

And as I sat under the newly sanctified breeze, I couldn't help but think: Aren't we a bit like that air-conditioner?

We go through life with dust collecting in our systems, stress, deadlines, family drama, cholesterol, WhatsApp forwards from hatred filled friends. Slowly, our vents get clogged, our filters don't work, and our emotional fins seize up. Then, one day we snap. Tempers flare. Health breaks down. Relationships stall. Spiritual life flattens.

And someone gently tells us, 'You need servicing.'

Not a vacation to Bali, though that sounds lovely. But simple, quiet servicing, like regular walks, fewer gulab jamuns, annual health check-ups, forgiving that ex-friend, meeting close friends and a little conversation with the Divine each morning, not a rant, not a chant, but a chat.

You see, our lives are surrounded by constant construction, of expectations, responsibilities, ambitions. And in all this dust, we forget to clean our vents. My AC's working fine now. Whisper-cool. Just like the soul after a bit of prayer and the body after a morning stretch. Hope your vents aren't clogged. If they are, well, you know what to do. Service due, sir. Service due…!

The Afghan Taliban's vision for their country's future is not aligned with Pakistan's interests. Historically, Pakistan has sought to exert influence over Afghanistan through the backing of Islamists groups. That has now come a cropper after the return of the Taliban.

The latter is motivated by its own success over the Soviets and then over the US and NATO, that reinforces the age-old perception about the undefeatability of the Afghan people. This further adds to Taliban pride in not accepting what is perceived as the 'imposed border' called the Durand Line as the Pakistan-Afghanistan land border.

Who Will Be The Khalifa!! The Pak-Afghan Standoff!!

Lt Gen Syed Ata Hasnain
PVSM, UYSM, AVSM, SM, VSM (Retd)

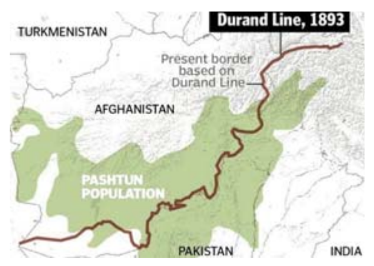

Strangely, on their Eastern and Western flanks respectively, both India and Pakistan are facing developing situations which were completely unexpected. India has the otherwise-friendly Bangladesh all of a sudden in a meltdown situation, resulting in a change of government, the streets taken up by sullen radical elements and no surety which direction this is going. Similarly, Pakistan has Taliban-ruled Afghanistan, once its greatest ally, now in a virtual state of war with it, with heavy military exchanges all along the Durand Line and the death of several Pakistani soldiers. I intend to discuss both situations, but in separate articles. Here, there is focus on the developments on the Pakistan-Afghanistan border, why they came to pass, and which way are they heading.

We need to recall that the Afghan Taliban, in its organised avatar, owes its origins to the Pakistan-US-Saudi alignment during the post-1979 period, when the Soviet Union launched its invasion of Afghanistan. The Taliban movement originated in Pashtun nationalism, which was exploited by these players through enhancement of the passions of resistance against the Soviets. The millions of refugees who came out of Afghanistan in 1979-80 were housed in camps on the Pakistan-Afghan border and with external support were fed and ideologically motivated to fight the Soviets. From them arose the Taliban, who were in the power by 1996, and thereafter, have always controlled the destiny of Afghanistan. Pakistan has held sway over the Taliban through the challenging times and during the period of the occupation by the United States and its allies. The Taliban's resistance to the US occupation for 20

> The Afghan Taliban, in its organised avatar, owes its origins to the Pakistan-US-Saudi alignment during the post-1979 period, when the Soviet Union launched its invasion of Afghanistan. The Taliban movement originated in Pashtun nationalism, which was exploited by these players through enhancement of the passions of resistance against the Soviets.

years could not have been possible without the moral and material support, and the safe heavens provided to the Taliban leadership and fighters, by Pakistan. The US withdrawal from Afghanistan in August 2021 was considered a moment of victory for the Af-Pak combines. By a natural corollary, the results of that should have all gone to the advantage of Pakistan in the post-conflict stage, that is still under way. There are several reasons why they have not.

The Afghan Taliban's vision for their country's future is not aligned with Pakistan's interests. Historically, Pakistan has sought to exert influence over Afghanistan through the backing of Islamists groups. That has now come a cropper after the return of the Taliban. The latter is motivated by its own success over the Soviets and then over the US and NATO, that reinforces the age-old perception about the undefeatability of the Afghan people. This further adds to Taliban pride in not accepting what is perceived as the 'imposed border' called the Durand Line as the Pakistan-Afghanistan land border. This line is viewed as a relic of colonialism and has never been formally recognised.

#STARE-N-DARE

Another point of contention is Pakistan's expectation of a 'pay-back,' with the Taliban taking action against the Pakistani terrorist group Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP). Instead, the Afghan Taliban has provided it safe sanctuary and permission to operate from within Afghan territory. The Afghan Taliban's relationship with Pakistan has deteriorated due to this combination of factors, including disagreements over the Durand Line, ideological differences and a struggle for space and influence. It also aspires to assume the leadership of the Islamic movement towards attainment of the legendary caliphate. Pakistan too is a serious contender for that in the global Islamic movement. This competition isn't good for peace between them.

The Afghan Taliban's ambition is driven by belief in its own ideological legitimacy and sense of history, both of which tend to reinforce its perceived mandate to lead the Islamic world. Its willingness to engage with India is based on some legitimate reasons. First is the necessity to win economic support regionally, before aspiring for a larger ambit for its role; and the current scope of economic support from Pakistan is next to nil.

Also, the perception about India remains positive in the minds of the Afghan population, many of whom make a beeline to India for medical treatment and the general 'feel good' which comes from India's openness and better quality of life. The Taliban probably also assesses that its control over Afghanistan gives it the strategic ability to exert influence over the broader region of Central Asia, Middle East and South Asia. Being at the crossroads of civilizations perhaps evokes a 'Middle Ages' perception of the ability to spread ideology to the length and breadth of these regions. Pakistan has historically viewed itself as the flag-bearer of the Islamic world, with its large army and its nuclear capability. The Afghan Taliban challenge is from unexpected quarters and is damning even for the abiding Pakistani belief in the doctrine of strategic depth. To top it all for Pakistan, the Afghan Taliban has good relations with both China and Russia. Its relations with India are developing well despite the lack of diplomatic recognition. Though India has no truck with the TTP, the combined effect of an active western border between Pakistan and Afghanistan and the deeper involvement of Pakistan's counter-terrorism forces against the TTP create a temporary military advantage for India. Pakistan would need to be conscious of that while formulating its strategy in Jammu and Kashmir. An over-the-top Pakistan sponsored terrorist attack in J and K, with the intent of exhibiting relevance and commitment, could turn into a trigger for a much stronger Indian response than may otherwise be expected.

> Pakistan has historically viewed itself as the flag-bearer of the Islamic world, with its large army and its nuclear capability. The Afghan Taliban challenge is from unexpected quarters and is damning even for the abiding Pakistani belief in the doctrine of strategic depth. To top it all for Pakistan, the Afghan Taliban has good relations with both China and Russia.

Pakistan has often treated the turbulent western border region with a degree of contempt. It has never failed to use heavy weaponry and indulged in large-scale human rights violations through mass evacuation of villages and their full destruction through aerial bombing. The war against the Baloch Liberation Army (BLA) has also been intensifying, but without any major gains. The BLA has been targeting the Chinese workers and staff working on BRI projects. Obviously, Pakistan's security forces are overstretched with issues of their own making. Pakistan's military action inside Afghanistan will fuel anti-Pakistan sentiments among the Afghan population and further alienate Pakistani Pashtuns, adding more fuel to the existing fires.

It's not as if the Afghan fighters will inflict defeat or gain any advantage in a military stand-off with Pakistan, but this kind of disharmony tends to perpetuate problems for Pakistan at a time when it must focus on economic issues and development. The developing India-Afghanistan relationship will probably flower faster, given the situation on the Afghan border. Under the circumstances, should India calibrate a quid pro quo threat against Pakistan if something similar builds up on our eastern borders with Bangladesh? There is room for discussion on this subject.

rajeshsharma1049@gmail.com

#INSIGHT

The Delicious History of Puran Poli

From Sacred Scrolls to Sweet Celebrations, this Maharashtrian Flatbread has travelled through time!

If you've ever bitten into a warm, ghee-drizzled puran poli on a festival morning, you've tasted more than just flour, jaggery, and chana dal, you've tasted history. This humble flatbread has been around for centuries, gracing royal banquets, Vedic rituals, and today's festive thalis with equal reverence. But where did it all begin, and how did it become such an integral part of our cultural and culinary fabric? Let's roll back the dough of time!

A Slice from Ancient Scrolls

Puran poli is no modern invention. Its earliest mention dates back to medieval Sanskrit texts like 'Manasollasa,' a 12th-century encyclopedia compiled by King Someshvara III of the Chalukya dynasty. The text refers to a dish known as 'puranika,' a stuffed flatbread made of sweet lentil paste, bearing uncanny resemblance to what we now call puran poli. Even earlier, some believe that its ancestor appears in Vedic literature, used as an offering to deities. In those days, food was deeply spiritual. Dishes like puran poli weren't just fuel, they were symbols of prosperity, purity, and community.

The Name Game: Puran + Poli

Let's break it down:

Puran = sweetened, mashed lentil stuffing (usually chana dal and jaggery)

Poli = flatbread

Together, they form a golden disc of goodness, cooked on a tawa and often finished with a lavish smear of ghee. Each region has its twist, but the essence remains the same, comfort wrapped in tradition.

Not Just Maharashtrian: A Pan-India Treat

Although Maharashtrians may claim puran poli as their own (especially during Gudi Padwa and Holi), this beloved dish boasts regional cousins across India:

- In Gujarat, it becomes vedmi, often enjoyed with kadhi.
- In Andhra and Telangana, bobbatlu or bakshalu steal the show during Sankranti.
- Karnataka's version, obbattu, is richer with hints of cardamom and coconut.
- In Tamil Nadu, you'll find paruppu poli, a thinner, often drier variant.

Each bite across state lines tells a new story, sometimes spicier, sometimes nuttier, but always rooted in celebration.

Puran Poli and the Festivals of India

No Maharashtrian festival is complete without a stack of puran polis. Whether it's Holi, Gudi Padwa, Ganesh Chaturthi, or Diwali, this dish appears like clockwork, steaming gently beside a dollop of toop (ghee) and a glass of milk. Interestingly, it's also a key player in pre-wedding feasts, baby showers, and even shraddha ceremonies, symbolizing sweetness and sanctity. In some homes, it's believed that the quality of your puran poli reflects your hosting skills!

The Art of Making It Right

Making puran poli is no joke, it's a skill passed down generations. The chana dal must be cooked just right, jaggery perfectly melted in, and the dough rolled thin without tearing. Oh, and don't forget the ghee! There's even a Marathi saying: "साजूकतुपावरचीपुरणपोळी" (A puran poli with homemade ghee), the ultimate symbol of hospitality and abundance. Modern cooks now use food processors and pressure cookers, but many grandmothers will still swear by the slow-simmered, hand-mashed method. And let's be honest, theirs always taste better.

Sweet, Savory, or Stuffed with Surprise?

While the classic version remains undefeated, chefs and home cooks alike are experimenting!

- Dry fruit-stuffed puran polis are trending at weddings.
- Health-conscious folks swap jaggery for dates or even stevia.
- Fusion fans try chocolate-stuffed polis or puran pancakes.

Still, the traditionalists maintain, don't mess with perfection.

A Bite of Nostalgia

Ask anyone who grew up in a Maharashtrian home, and they'll likely describe the same memory: the sweet aroma of dal and jaggery boiling on a festival morning, flour dust floating in the sunlit kitchen, and grandma's expert hands flipping golden discs while humming a bhajan. Puran poli is more than food. It's nostalgia on a plate, a bridge between generations, a recipe whispered between mothers and daughters, and a tradition you don't just taste, you feel.

So, What's the Secret Ingredient?

Some say it's jaggery. Others claim it's the ghee. But those who really know will tell you, it's love and patience. Like any heirloom, puran poli isn't just made, it's crafted, with warmth, intention, and a pinch of magic. So, the next time you bite into that golden flatbread, remember: you're not just eating a sweet, you're part of a legacy that's been unfolding for over a thousand years. Isn't that worth celebrating?

THE WALL

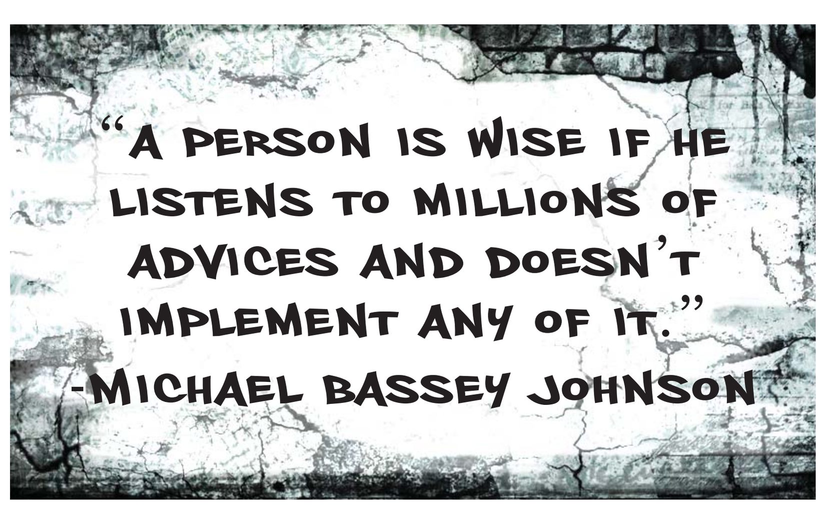

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भीलवाड़ा की नेहरू तलाई में लाखों की तादात में मछलियों व जलीय जीवों की मौत

मछलियों व जलीय जीवों की मौत का कारण नेहरू तलाई में नालों का गंदा पानी आना, गंदगी होना व समय पर सफाई नहीं होना बताया जा रहा है

भीलवाड़ा में नगर विकास न्यास द्वारा निर्मित नेहरू तलाई में लाखों मछलियों एवं जलीय जीवों की मौत हो गई।

- **पानी पर तैर रही है मृत मछलियां, पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त सड़ांध फैल रही है, आसपास रहने वाले लोग परेशान हो रहे हैं**

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर विकास न्यास द्वारा निर्मित नेहरू तलाई में लाखों मछलियों एवं जलीय जीवों की मौत हो गई। इसकी वजह नेहरू तलाई में नालों का गंदा पानी आना, गंदगी होना व समय पर सफाई नहीं होना बताया जा रहा है। मृत मछलियां तलाई के किनारे पानी के ऊपर तैर रही हैं। ये विभिन्न साइज की है। हजारों मछलियों ने तो शैशवावस्था में ही दम तोड़ दिया। पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त सड़ांध फैल रही है। आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं।

इसकी सूचना मिलने पर पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू नेहरू तलाई पहुंचे। उन्होंने यहां के हालात पर नाराजगी जताई। जाजू ने दावा किया कि यहां लाखों मछलियां व जलीय जीव मरे हैं। नेहरू तलाई में चारों ओर पॉलीथिन, डिस्पोजेबल व अन्य कचरा फैला है। तलाई के पास ट्रेन ट्रैक के आसपास भी गंदगी है। तलाई की दीवारें कई जगह से टूट चूकी हैं और तालाब में गिर गई है। इन सब हालात को दर्शाते हुए उन्होंने दस दिन पहले जिला कलेक्टर व यूआईटी सेक्रेट्री को पत्र भी लिखा था, पर नेहरू तलाई की सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यदि समय रहते सफाई हो जाती तो आज ये दिन नहीं देखना पड़ता। जाजू ने मांग की है कि नेहरू तलाई का विकास मानसरोवर झील की तर्ज पर किया जाए। यूआईटी ने मानसरोवर झील के लिए 20 करोड़ रुपए की योजना बनाई है, उसी तरह नेहरू तलाई के चारों ओर विकास कराया जाए, स्वच्छ जल भरा जाए, गंदे नाले बंद किए जाएं, नौका विहार शुरू हो, पानी को साफ करने के लिए ईटीपी प्लांट लगाया जाए ताकि फिर से ऐसी घटना न हो। यूआईटी की पटेल नगर में बनी मानसरोवर झील में पहले भी हजारों मछलियों ने दम तोड़ दिया था। तब भी वे पानी पर तैरती रही। कई दिन तक मृत मछलियों को हटाया नहीं गया था। तब भी मत्स्य विभाग और यूआईटी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहे। आज भी मानसरोवर झील में जलकुंभी जमी है। पानी तो दिखाई ही नहीं देता। ऐसे में जलीय जीवों का जीवन संकट में होना तय है।

ट्रेन की चपेट में आई दो सगी बहनें, दोनों की मौत

- **रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से हादसा हुआ**
- **दोनों बहनें किसी काम से घर से निकली थी और रेलवे ट्रैक पार कर रही थी**

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के सुभाष नगर रेलवे फाटक और दौराई रेलवे स्टेशन के बीच शुक्रवार को दो सगी बहनें रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। मौके पर पहुंची जीआरपी और रामगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिए।

रामगंज थाने के हैडकांस्टेबल विजेंद्र सिंह ने बताया कि चन्द्रवरदायी नगर निवासी कौशल्या देवी और मलूसर रोड निवासी उनकी बहन माया देवी दोनों बहनें किसी काम से घर से निकली थीं और रेलवे ट्रैक पार कर रही थीं। उसी दौरान तेज गति से ट्रेन आ गई। दोनों बहनें घबरा गईं और पटरी पार नहीं कर सकीं, जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। दौराई रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को हादसे की जानकारी दी। साथ ही रामगंज थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों बहनों के शवों को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल के चीरघर में रखवाया। मृतक कौशल्या के पति भीखाराम ने दोनों की शिनाख्त की। इधर पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में दो नवजात बच्चों के शव मिले

- **महिला सफाईकर्मी ने हॉस्पिटल परिसर में स्थित कचरे के ढेर में दो नवजात बच्चों के शव पड़े देखे**
- **अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है पुलिस**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब दो नवजात बच्चों के शव परिसर में पड़े मिले।

जानकारी के अनुसार, अस्पताल में कार्यरत एक महिला सफाईकर्मी ने हॉस्पिटल परिसर में स्थित कचरे के ढेर में दो नवजात बच्चों के शव पड़े देखे तो अस्पताल में तैनात होमगार्ड के जवान को सुचित किया। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और दोनों नवजात बच्चों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। यह घटना पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

पीएमओ डॉक्टर अरुण गौड़ ने बताया कि महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में अग्रवाल भवन वाले गेट के पास कचरे के ढेर में दो मासूम बच्चों के भ्रूण मिले हैं। उन्होंने बताया कि भीमगंज पुलिस और मेडिकल जूरिस्ट को सूचित कर दिया गया है और अस्पताल प्रशासन द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन भ्रूणों को वहां किसने और क्यों फेंका। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

प्रदेश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो जोधपुर में आकार लेने लगा

जोधपुर, (कासं)। देश में बिजली की रफ्तार से बेहतर कनेक्टिविटी दे रही सेमी हाईस्पीड वंदे भारत सुपरफास्ट ट्रेनों के रखरखाव के लिए प्रदेश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के उपनगरीय भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के पास अब आकार लेने लगा है। रेलवे ने 167 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले अत्यंत महत्वाकांक्षी वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है तथा इसके लिए भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार और वॉशिंग लाइन के बीच करीब 600 मीटर लंबे क्षेत्र में इसका निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर करवाया जा रहा है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि 167 करोड़ रुपए की लागत वाली यह महत्वपूर्ण परियोजना प्रदेश में अपने तरह की पहली सुविधा होगी और इससे जोधपुर को समूचे भारतीय रेलवे में वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने बताया कि देश में चार वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो बन रहे हैं जिसमें से एक जोधपुर में स्थापित किया जा रहा है जो ढांचागत दृष्टि से काफी आकार ले चुका है तथा इसमें 600 मीटर लंबी 3 पिट लाइनों का निर्माण कराया जा रहा है जिससे एक साथ तीन वंदे भारत ट्रेनों का मेंटेनेंस एक साथ किया जा सकेगा। इसके साथ ही 900 मीटर लंबी एक व्हील लैथ व ड्राप पिट लाइन का निर्माण भी प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि यात्री सुविधाओं में विस्तार और रेलवे के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से जिस तरह से देश में वंदे भारत ट्रेनों का तेजी से संचालन प्रारंभ किया जा रहा है, उनके मेंटेनेंस संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए जोधपुर में बनने वाले इस वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण भी तेजी से पूरा करने के निर्देश मिले हैं तथा इस लिहाज से इसे इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस संबंध में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता मेजर अमित स्वामी ने बताया कि वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो एक ही समय में तीन वंदे भारत ट्रेनों का निरीक्षण करने में सक्षम होगा तथा इसमें संपूर्ण ट्रेन रैक को उठाने, ड्राप पिट टेबल का उपयोग कर बोगियों को स्थानांतरित करने और व्हील टर्निंग सिस्टम के लिए उन्नत व आधुनिक मशीनरी स्थापित होगी जो वंदे भारत ट्रेनों का निर्बाध रखरखाव और मेंटेनेंस सुनिश्चित करेगी।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा मेंटेनेंस डिपो :- डिपो में उन्नत व्हील टर्निंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। ड्राप पिट टेबल के उपयोग से बोगियां स्थानांतरित होगी। रखरखाव उपकरणों के लिए एक उन्नत परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रावधान शामिल है। वंदे भारत ट्रेन के बाहरी हिस्सों की धुलाई के लिए अत्याधुनिक व स्वचालित वाशिंग प्लांट की स्थापना की जाएगी। संपूर्ण वंदे भारत ट्रेन के ट्रैक के लिए सिंक्रोनाइज्ड लिफ्टिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। डिपो में वंदे भारत ट्रेन की बोगी व्हील और एयर ब्रेक सिस्टम का रखरखाव होगा।

शिकारी पक्षी "स्टेपी ईगल" को बचाने के लिए ग्लोबल एक्शन प्लान बनेगा

प्रवासी प्रजातियों पर कजाकिस्तान में हुए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में सूचीबद्ध किया गया

- **रैप्टर्स एमओयू के तकनीकी सलाहकार समूह ने इस प्रजाति की तेजी से घटती संख्या को थामने के लिए वैश्विक कार्य योजना के निर्माण को प्राथमिकता दी**

बीकानेर, (निसं)। विश्व के सबसे बड़े शिकारी पक्षी स्टेपी ईगल के संरक्षण को लेकर ग्लोबल एक्शन प्लान बनाया जाएगा। प्रवासी प्रजातियों पर कजाकिस्तान में हुए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (सीएमएस) में इसे सूचीबद्ध किया गया है। आईयूसीएन रेड लिस्ट में स्टेपी ईगल की 'लुप्तप्राय' स्थिति को स्वीकार करते हुए, रैप्टर्स एमओयू के तकनीकी सलाहकार समूह ने इस प्रजाति की तेजी से घटती संख्या को थामने के लिए एक वैश्विक कार्य योजना के निर्माण को प्राथमिकता दी है।

गिद्ध के बाद स्टेपी ईगल ही सबसे बड़ा पक्षी है, जिसे बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। कजाकिस्तान की राजधानी अस्थाना में पिछले दिनों हुई एक कार्यशाला में स्टेपी ईगल के मुद्दे पर गहन चिंतन और मनन किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भारत का प्रतिनिधित्व बीकानेर के पक्षी विशेषज्ञ डॉ. दाऊ लाल बोहरा ने किया। उन्होंने भारत में स्टेपी ईगल के वितरण क्षेत्र और प्रवास के दौरान इन पक्षियों को होने वाले खतरों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। भारत के साथ-साथ नेपाल, रूस, कज़ाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, इज़राइल, यूरोप, अर्मेनिया, अमेरिका और अफ्रीका जैसे देशों के रैप्टर विशेषज्ञों ने भी अपने सुझाव और अनुभव साझा किए। इस वैश्विक स्तर की योजना का मुख्य उद्देश्य स्टेपी ईगल की पूरी प्रवासी सीमा में लागू किए जाने वाले प्राथमिक संरक्षण उपायों की रूपरेखा तैयार करना था। इन उपायों में प्रभावी कानूनी संरक्षण, प्रमुख आवासों का संरक्षण, मौजूदा खतरों का समाधान और क्षमता निर्माण की पहल जैसी महत्वपूर्ण जरूरतों को शामिल किया गया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य स्टेपी ईगल के वितरण क्षेत्र में इसके संरक्षण की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाने हेतु सहयोगात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था।

डॉ. बोहरा ने बताया कि 23-29 मार्च 2026 को होने वाले कॉप 15 में अनुमोदन के लिए एक एकल प्रजाति कार्य योजना प्रस्तुत की जाएगी। इस वैश्विक कार्य योजना का समन्वय वैज्ञानिक जेनी वेस्टन और अम्बर्टो गैलो ओरसी, सीएमएस रैप्टर्स एमओयू की समन्वय इकाई में कार्यक्रम प्रबंधन अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। स्टेपी ईगल और इस कार्य योजना के लिए चयनित विशेषज्ञों के एक नेटवर्क के साथ-साथ एक समर्पित कार्य समूह की स्थापना की जा रही है, जो इस संकटग्रस्त प्रजाति के संरक्षण को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करेगा। ठंडे स्थानों पर खतरे ज्यादा रूस, मध्य एशिया और मंगोलिया के प्रजनन स्थलों से शीतकालीन प्रवास के दौरान स्टेपी ईगल को भारत और अफ्रीका के उनके शीतकालीन क्षेत्रों में कई गंभीर खतरों का सामना करना पड़ता है। बिजली की लाइनों से करंट लगना और बुनियादी ढांचे से टकराना इनकी मृत्यु दर के प्रमुख कारण हैं।

डॉ. बोहरा के अनुसार पशु चिकित्सा में प्रयुक्त दर्द निवारक दवाओं से उपचारित जानवरों के शवों को खाने से होने वाली विषाक्तता भी एक गंभीर खतरा बनी हुई है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं जैसे विकास कार्यों के चलते आवास की हानि भी इनके लिए खतरा है, जिससे महत्वपूर्ण शीतकालीन क्षेत्र घटते जा रहे हैं। साथ ही, कृषि में प्रयुक्त कृंतक नाशकों के जरिए अप्रत्यक्ष विषाक्तता भी मृत्यु दर को बढ़ाती है, क्योंकि ईगल प्रदूषित भोजन का सेवन कर लेते हैं। इन शीतकालीन खतरों के साथ-साथ प्रजनन और प्रवास के समय आने वाले दबाव, इस संकटग्रस्त प्रजाति की सुरक्षा के लिए समन्वित वैश्विक संरक्षण रणनीतियों की अत्यंत आवश्यकता को उजागर करते हैं।

खड़े ट्रेलर में घुसे ट्रेलर में आग में लगी, चालक जिंदा जला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में गुरूवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि दर्दनाक हादसे में ट्रेलर ड्राइवर की जलने से मौत हो गई। हादसा अजमेर-दिल्ली हाईवे पर दौलतपुरा टोल के पास हुआ। यहां सड़क पर खड़े ट्रेलर को पीछे से दूसरे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे से आ रहे ट्रेलर में धमाके के साथ आग लग गई। आग में ट्रेलर जलकर खाक हो गया। हादसे के दौरान ड्राइवर को इतना भी समय नहीं मिला की वह ट्रेलर से निकल सके। ड्राइवर मौके पर जिंदा जल गया। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर दौलतपुरा, वीकेआई, बनीपार्क से दमकल पहुंची। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग को कंट्रोल किया गया।

पुलिस ने बताया कि एक ट्रेलर खाली था, जो मुख्य रोड़ पर खड़ा था। दिल्ली से अजमेर की ओर जा रहे ट्रेलर ने पीछे से खड़े ट्रेलर को टक्कर मारी। इस ट्रेलर में कोयला भरा हुआ था। सम्भवतया भिड़ंत ने ट्रेलर का डीजल टैंक फट गया। इसके बाद ट्रेलर ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते पूरा ट्रेलर जल कर राख हो गया। ट्रेलर में मौजूद चालक भी जिंदा चल गया। ट्रेलर के चेचिस नम्बर के आधार पर ट्रेलर मालिक की तलाश की जा रही हैं। जिसके बाद ही मृतक की पहचान हो पाएगी।

कटक गैंग सक्रिय

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में टकटक गैंग ने कार चालक का ध्यान भटका कर आईफोन पार कर लिया। लक्ष्य अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया कि वह 28 मई को बाजार से घर जा रहा था इसी दौरान ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के पास कार के आगे एक युवक आया गया। युवक ने दूसरी साइड में आकर बोला कि अभी तो वह उसे टक्कर मार देता। इसी दौरान चालक की तरफ आए युवक ने शीशा खटखटाया। इस पर चालक ने शीशा नीचे कर उससे बात करना शुरू ही कि थी कि कंडक्डर साइड में खड़ा युवक मोबाइल लेकर भाग गया।

अजमेर प्रशासन ने आनासागर झील के तीन गेट खोले

- **शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने पहल की**

अजमेर, (कासं)। मानसून के दस्तक देने से पहले ही अजमेर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने पहल करते हुए आनासागर झील के तीन गेट खोल दिए हैं। हर साल आनासागर झील के ओवरफ्लो होने से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने समय रहते कदम उठाया है।

जिला प्रशासन का लक्ष्य आनासागर झील को तीन फीट तक खाली करना है, जिससे बारिश के दौरान झील में पानी भरने की पर्याप्त जगह रहे और ओवरफ्लो की स्थिति से बचा जा सके। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह और सिंचाई विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने गेट खोलने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि इस बार बारिश से पहले ही आनासागर झील के गेट खोल दिए गए हैं ताकि शहर में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि झील को तीन फीट तक खाली करने का लक्ष्य रखा गया है और सिंचाई विभाग के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में आनासागर झील के ओवरफ्लो होने से शहर के निचले इलाकों में पानी भर जाता है, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। इस समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने इस बार पहले से ही तैयारी कर ली है। इसके अलावा, नगर निगम ने भी शहर के नालों की सफाई का काम इस बार अपने हाथों में लिया है। निगम कर्मचारियों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में नालों की सफाई की है ताकि बारिश के पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके और जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। इस दौरान केएम जायसवाल, नगर निगम एसई मनोहर सोनगरा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पृथ्वी सिंह जोधा उपस्थित रहे।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 10 से अधिक वारदातें कबूली

सरवाड़ पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

- **चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए पुलिस ने जांच शुरु की**

सरवाड़, (निसं)। शहर में पुलिस ने चोरी की विभिन्न वारदातों के आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वहीं पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की एक दर्जन वारदातें करना कबूल किया है।

सरवाड़ थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी के अनुसार गत दिनों ग्राम सापुंदा निवासी मनोहर सिंह ने उसकी खातेदारी भूमि पर लगी सौर ऊर्जा की मोटर स्टार्टर तथा लाइट की मोटर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। मुखबिर की सूचना और अन्य जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने टोडारायसिंह थाना अंतर्गत ग्राम खेडुल्या निवासी प्रहलाद बावरी को गिरफ्तार किया गया। वहीं पूछताछ में उसने चोरी की विभिन्न वारदातें करना कबूल किया है। आरोपी ने बताया कि 21 अक्टूबर 2024 की रात्रि साथी धनराज मोग्या बनवारी व किशोर मोग्या के साथ मिलकर सापुंदा में एक कुएं से सौर ऊर्जा की डोरी काट कर ले जाना और तांबे के तार निकालकर टोडारायसिंह में कबड्डी की दुकान को बेचा व 22 अक्टूबर 2024 को ग्राम लल्लाई में पांच कुएं से धनराज बनवारी व किशोर के साथ मिलकर सौर ऊर्जा की प्लेट से लेकर मोटर की डोरी को काटकर तांबा निकालकर कबाड़ी को बेचा। वहीं सात-आठ माह पूर्व तीनों साथियों के साथ मिलकर ग्राम बरवास में सौर ऊर्जा के प्लेटों की चोरी कर कबाड़ी को बेचा, ऐसे अनेक वारदातें को अंजाम दिया है।

थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी ने बताया कि इन सभी वारदातों में चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए पुलिस गहनता से पड़ताल कर रही है। इस दौरान पुलिस टीम में थाना मोहनलाल कांस्टेबल जितेन्द्र व कमलेश शामिल रहे।

कक्षा पांच का परीक्षा परिणाम जारी, छात्राओं ने बाजी मारी

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर के पंचायत समिति कार्यालय में बैठक ली।

- **शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर पंचायत समिति कार्यालय से परीक्षा परिणाम जारी किया**
- **कुल उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम में छात्रों का उत्तीर्णता का प्रतिशत 97.29 प्रतिशत, जबकि छात्राओं का 97.66 प्रतिशत रहा**

भीलवाड़ा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शुक्रवार को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर के पंचायत समिति कार्यालय से प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन कक्षा पांच का परीक्षा परिणाम जारी किया। मंत्री दिलावर ने परीक्षा परिणाम जारी करने के पश्चात कहा कि राजस्थान प्रदेश में शिक्षा में नित नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने बेहतर परीक्षा परिणाम वाले समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की, साथ ही परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने में अहम योगदान देने वाले अध्यापकों व अन्य स्टाफ की भी सराहना की।

शिक्षा मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 5 की वर्ष 2025 की परीक्षा का आयोजन 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक राज्य के निर्धारित 18,598 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया। इस परीक्षा में कुल 13,30,190 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 12,96,495 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। कुल परीक्षा परिणाम 97.47 प्रतिशत रहा, जिसमें गत वर्ष की तुलना में लगभग 0.41 प्रतिशत की वृद्धि उपलब्धि रही है। कुल उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम में छात्रों का उत्तीर्णता का प्रतिशत 97.29 प्रतिशत रहा जबकि छात्राओं का 97.66 प्रतिशत रहा है। शिक्षा मंत्री दिलावर ने बताया कि छात्रों की तुलना में छात्राओं का परीक्षा परिणाम 0.37 प्रतिशत श्रेष्ठतर रहा है। प्रविष्ट समस्त परीक्षार्थियों में से कुल 2145 परीक्षार्थियों का परिणाम विभिन्न कारणों से रोका गया है, जिनका परिणाम पृथक से जारी किया जायेगा। कुल 31550 परीक्षार्थी एक या अधिक विषयों में पूरक श्रेणी में वर्गीकृत हुए हैं, जिनके लिए पूरक परीक्षा का आयोजन अगस्त माह में किया जायेगा। इस परीक्षा के परिणाम में परीक्षार्थियों की अंकतालिका में अंकों का अंकन न किया जाकर ग्रेड अनुसार ग्रेड तालिका जारी की जाती है।

विकास अधिकारियों की ली बैठक : शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री दिलावर ने कार्यक्रम के पश्चात पंचायत समिति कार्यालय में ही जिले के समस्त विकास अधिकारियों की बैठक ली। मंत्री दिलावर ने विकास अधिकारियों से पूर्णतया साफ एवं स्वच्छता वाली ग्राम पंचायतों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी समय में भीलवाड़ा जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन साफ-सफाई हो, पॉलिथीन या कचरा सार्वजनिक जगहों पर ना रहे एवं व्यर्थ में गंदा पानी रास्ते में ना भरा रहना सुनिश्चित करें।

कृषि मंत्री ने दूसरे दिन भी नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों में कार्रवाई की

इन फैक्ट्रियों में तत्कालीन गहलोत सरकार के समय भी नकली खाद तैयार की जा रही थी, उस समय कार्रवाई क्यों नहीं की गई : कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा

मदनगंज-किशनगढ़/अजमेर, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने दूसरे दिन शुक्रवार को भी किशनगढ़ क्षेत्र में नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में नकली खाद जब्त कराया। कृषि मंत्री ने कहा किसानों के साथ धोखा करने वालों को किसी भी हालात में बक्शा नहीं जायेगा। बड़े प्लांट में मार्बल पाउडर, बजरी, मूरड व केमिकल से तैयार की जा रही नकली खाद ब्रांडेड कंपनी के कट्टों में भरकर राजस्थान, बिहार, हरियाणा सहित कई राज्यों में सप्लाई की जा रही है। वहीं कृषि मंत्री ने केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी से मुलाकात कर विपक्ष के आरोपों को खारिज हुए कहा कि इन फैक्ट्रियों में तत्कालीन गहलोत सरकार के समय भी नकली खाद तैयार की जा रही थी, उस समय कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

कृषि मंत्री ने कहा कि किशनगढ़ क्षेत्र में नकली खाद बनाने वाली 34 फैक्ट्रियों को चिन्हित कर लिया है, इनमे से 12 फैक्ट्रियों को सीज कर मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कृषि विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि किसानों के साथ किया जा रहा धोखा बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं होगा। मंत्री ने फैक्ट्री में प्लांट का अवलोकन किया और वहां रखे हुए खाद के कट्टे भी देखे। कार्रवाई की भनक लगते ही नकली खाद बनाने वाले फैक्टरी मालिकों ने गुपचुप रूप से खाद को सड़कों पर फेंकना शुरू कर दिया, ताकि कार्रवाई से बच सके, किंतु काले कारोबार का भंडाफोड़ होने से इनके मंसूबों पर पानी फिरता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रथम दिवस कई फैक्ट्रियों में शुरू छापामार कार्रवाई देर रात तक चलती रही। देर रात पाटन स्थित अतिशय बायोटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड सहित एक दर्जन फैक्ट्रियों पर कार्रवाई के दौरान सैम्पल लिये। आर के मार्बल गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करने के बाद कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा विभागीय टीम के साथ बांदरसिंदरी स्थित राधिका एग्रो इंडस्ट्रीज नामक फैक्ट्री पहुंच गये और खाद की जांच पड़ताल की।

उन्होंने छापामार अभियान के अंतर्गत अंराई, डिंडवाड़ा व बांदरसिंदरी में जांच के बाद गांव चौसला पहुंचकर संदिग्ध खाद फैक्ट्रियों की जांच कर सैम्पल लिये। कार्रवाई की भनक लगते ही नकली खाद तैयार करने वाले व्यापारी फैक्ट्रियों के ताले लगाकर भूमिगत हो गये। कृषि मंत्री ने कहा कि पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि फर्टिलाइजर एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और यह भी जांच की जाए कि इन फैक्ट्रियों के असली मालिक कौन है।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को भी नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में नकली खाद जब्त कराया।

- **कृषि मंत्री ने अंराई, बांदरसिंदरी व डिंडवाड़ा में जांच के बाद गांव चौसला पहुंचकर संदिग्ध खाद फैक्ट्रियों की जांच कर सैम्पल लिये**
- **कार्रवाई की भनक लगते ही नकली खाद तैयार करने वाले व्यापारी फैक्ट्रियों के ताले लगा भूमिगत हो गये**
- **नकली खाद की 34 फैक्ट्रियां चिन्हित, 12 फैक्ट्रियों को सीज कर मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है**

पांच हजार रु. की रिश्वत लेते सहायक लेखाधिकारी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर ने सहायक लेखा अधिकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी वृत्त गोगुंदा महिला एवं बाल विकास विभाग उदयपुर को पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि 21 मई को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर को एक शिकायत मिली थी जिसमें परिवादिया एवं सहपरिवादिया महिला एवं बाल विकास विभाग तहसील गोगुंदा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है एवं उन्हें माह अक्टूबर 24 से अब तक उनका वेतन/मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है। उनके द्वारा इस संबंध में निरंतर नूतन शाह सहायक लेखाधिकारी कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी वृत्त गोगुन्दा से संपर्क किया जा रहा है परन्तु बिना कारण बताए वेतन का उनके द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा है। तीन चार दिनों से नूतन शाह परिवादिया एवं सह परिवादिया से 4500-4500 रूपये प्रत्येक से कुल 9 हजार रूपये रिश्वत की राशि के रूप में देने का दबाव डाल कर गोगुन्दा कार्यालय पर बुलाया जा रहा है। इस पर उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा रेंज शिवराज मीणा के पर्यवेक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर अनन्त कुमार के निर्देशानुसार ब्यूरो के पुलिस निरीक्षक नरपतसिंह मय टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए नूतन शाह सहायक लेखाधिकारी कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी वृत्त गोगुन्दा, महिला एवं बाल विकास विभाग उदयपुर को स्वयं के कार्यालय में पांच हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

1500 रु. की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाड़ा की टीम ने शुक्रवार को शाहपुरा तहसील कार्यालय में 1500 रुपए की रिश्वत लेते लसाड़िया में पदस्थापित पटवारी बबलू धोबी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार परिवादी कालू माली ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि पटवारी बबलू धोबी उनके पिता के इंतकाल (मृत्यु) का मामला खोलने के नाम पर दो हजार रुपये की रिश्वत मांगी है।

शिकायत के सत्यापन के दौरान पांच सौ रुपए की रिश्वत ली और बाकी रिश्वत के 1500 रुपये शुक्रवार को लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

आरोपी पटवारी बबलू धोबी

- **पटवारी बबलू धोबी ने शिकायत के सत्यापन के दौरान पांच सौ रुपए की रिश्वत ली**

एसीबी टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद शाहपुरा तहसील कार्यालय में ट्रैप की योजना बनाई और पटवारी धोबी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से तहसील कार्यालय में हड़कंप मच गया और कई कर्मचारी मौके से गायब हो गए।

हादसे में तीन घायल

मालपुरा, (निसं)। जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाइवे पर शुक्रवार की दोपहर मालपुरा की और से जा रहे टैंकर व जयपुर की और से आ रही कार में एमिनेन्ट कॉलेज के पास आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दिल्ली निवासी शशि बक्सी पत्नी सुशील कुमार गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जयपुर रैफर किया तथा घायल विशाल बक्सी व वैभव का डिग्गी अस्पताल में उपचार शुरू किया। डिग्गी पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार व टैंकर को पुलिस सुरक्षा में लिया।

अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित आस्था कॉलोनी के पास नहर की पुलिया के नीचे शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की शिनाख्त करने और वारदात का पता लगाने की कोशिश कर रही है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद वि.वि. तक पहुंची नीट यूजी की जांच

केंद्रीय जांच ब्यूरो की टीम ने कई स्टूडेंट्स से पूछताछ की, डमी कैंडिडेट बन एग्जाम देने का शक

जोधपुर, (कासं)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में डमी अभ्यर्थियों, पेपर लीक व फर्जीवाड़े के आरोपों की जांच अब राजस्थान के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों तक पहुंच गई है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम पिछले तीन-चार दिनों से जोधपुर स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में जांच कर रही है। सीबीआई की पकड़ में आए गिरोह से पूछताछ में यहां के कुछ स्टूडेंट्स द्वारा नीट परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बनने की जानकारी सामने आई थी। इसको लेकर सीबीआई टीम ने आयुर्वेद वि.वि. के द्वितीय व तृतीय वर्ष के अनेक स्टूडेंट्स से पूछताछ की। इन स्टूडेंट्स पर नीट में डमी अभ्यर्थी बनने का संदेह जताया जा रहा है।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों पर नीट परीक्षा में अन्य अभ्यर्थियों के स्थान पर डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने की पुष्टि करने के लिए जोधपुर पहुंची दिल्ली सीबीआई टीम आयुर्वेद विवि के द्वितीय व तृतीय वर्ष के 10-12 छात्रों के फोटो और हस्ताक्षरों का मिलान करने के साथ ही विभिन्न संदिग्ध बिंदुओं पर तकनीकी जांच करने में जुटी है।

सीबीआई की जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया था कि जोधपुर एम्स के तृतीय वर्ष के एमबीबीएस छात्र हुकमाराम गोदारा ने चार लाख रुपए लेकर बिहार के मुज्जफरनगर स्थित डीएवी स्कूल (मालीघाट) परीक्षा केंद्र में डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने का प्रयास किया था। बाड़मेर निवासी हुकमाराम प्रयागराज के नामी डॉक्टर आरके पांडे के बेटे राज पांडे के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचा था, परंतु बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान पकड़ा गया। जोधपुर का संबंध सीबीआई की पटना स्थित शास्त्री नगर पुलिस स्टेशन में जून-2024 में दर्ज एफआईआर से जुड़ा था। उसी की जांच में जुटी सीबीआई टीम को राजस्थान के कई छात्रों और संस्थानों की संदिग्ध भूमिका होने के संकेत मिले थे। तब से दिल्ली सीबीआई की स्पेशल यूनिट की टीम संदिग्ध छात्रों के एकेडेमिक रिकॉर्ड, परीक्षा केंद्रों के दस्तावेज और बायोमेट्रिक डेटा का विश्लेषण कर रही है।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि सीबीआई की टीम नीट यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर जांच के सिलसिले में जोधपुर आई है। उस जांच के दौरान सीबीआई की पकड़ में आई गैंग से ऐसे सुराग मिले, जिसमें जोधपुर आयुर्वेद विवि के कुछ स्टूडेंट्स द्वारा दूसरे राज्य में जाकर डमी के रूप में परीक्षा देने की बात सामने आई थी। उसी की पुष्टि के लिए सीबीआई टीम जांच में जुटी है।

बीकानेर में करोना के तीन पॉजीटिव केस मिले

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में करोना के 3 पॉजीटिव केस सामने आए है। तीनों में एक 12 साल का बच्चा भी शामिल है। पीबीएम हॉस्पिटल में तीनों के सैंपल लेने के बाद सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में कोविड जांच की गई थी। रिपोर्ट पॉजीटिव आने पर मेडिकल कॉलेज से पीबीएम हॉस्पिटल और सीएचएचओ को रिपोर्ट दी गई है।

सीएमएचओ डॉ. पुखराज साध ने बताया कि कोविड पॉजीटिव में गंगाशहर, जयपुर और पवनपुरी क्षेत्र के रहने वाले हैं। तीनों ने पीबीएम हॉस्पिटल में जांच करवाई थी। इसके बाद कोविड सैंपल लिए गए थे। जांच करोना पॉजीटिव होना सामने आया है। इसके साथ ही हेल्थ डिपार्टमेंट एक्टिव मोड पर आ गया है। तीनों कोविड पॉजीटिव के घर और आस-पास के क्षेत्रों से भी सैंपल लिए जा सकते हैं। अभी ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि तीनों को पहले वैक्सीन लगी है या नहीं? नए वेरियेंट में वैक्सीनेट भी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में सभी को लक्षण मिलने पर कोविड जांच कराने की सलाह दी जा रही है। सीएमएचओ ने बताया कि जोधपुर में भर्ती बीकानेर के एक व्यक्ति को भी कोरोना हुआ है।

OFFICE OF MUNICIPAL BOARD NAWA CITY (DIDWANA-KUCHAMAN)

SR.NO. :MBN/DEV/2025-26/354 DATE : 29-05-2025

NOTICE INVITING BID

15 Bids for Civil Works (cost 251.64 lacs) are invited from interested bidders up-to 12.00 PM (time) 06.06.2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. NIB NO. DLB2526A1857 UBN No. DLB2425WSOB06200, 06208, 06221, 06223,06224,06231 06233,06235,06238,06239,06241,06242,06243,06244,06245 EPROC TENDER ID : 2025_DLB_474201_1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15

Raj.Samwad/C/25/3312 Chairman Executive Officer

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड धौलपुर

मचकुण्ड चौराहा जी.टी. रोड धौलपुर

फोन नं. 05642-220728 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 593-599 **ई-निविदा सूचना संख्या 30/2025-26** दिनांक :- 20.5.25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खंड के अधीन विभिन्न कार्यों की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्न यू.बी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकते है।

एन.आई.बी. नं.	PHE2526A1240
यू.बी.एन.	PHE2526WSOB02587

(आशाराम मीणा)

DIPR /C/6895/2025 अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, खंड धौलपुर

कार्यालय नगर परिषद् बांसवाडा (राज.)

फोन : 02962-243714, 247201, फैक्स : 02962-243714 Email Id :palika.bsw@gmail.com

क्रमांक : एफ 5( )निर्माण/न.प.बा./2025-2026/1222-24 दिनांक : 27.05.2025

निविदा सूचना स.02/2025-26

(NIB NO. DLB2526A1824)

सक्षम स्तर पर पंजीकृत संवेदक से 05 कार्य निर्माण कार्य जिसकी कुल लागत 93.09 लाख हेतु ऑनलाईन निविदा डाउनलोड की अवधि दिनांक 29/05/2025. प्रातः 9 बजे एवं दिनांक 07/06/2025 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित अन्य शर्ते एवं विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajsthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. DLB2526WSOB06131, DLB2526WSOB06135, DLB2526WSOB06137 DLB2526WSOB06141, DLB2526WSOB06145

आयुक्त

राज.संवाद/सी/25/3278 नगर परिषद्, बाँसवाड़ा

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत सवाई माधोपुर

क्रमांक : 238 **निविदा सूचना संख्या : 01/2025-26** दिनांक : 20.5.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला सवाई माधोपुर में मलारना चौड़, भगवतगढ़, पीपलाई एवं उदेई कलां में अटल प्रगति पथ निर्माण कार्य हेतु मय नियमानुसार दोष निवारण अवधि के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के 'ए' एवं 'एए' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माद्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.inएवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. :- PWD 2526A0703

UBN No. :- 1. PWD2526WSOB02126, 2. PWD2526WSOB02127 3. PWD2526WSOB02128, 4. PWD2526WSOB02129

(हरि सिंह मीना)

DIPR/C/6812/2025 अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत्त सवाई माधोपुर

ऑपरेशन शील्ड : आज फिर गूंजेगा सायरन, मॉक ड्रिल होगी

जोधपुर, (कासं)। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद प्रदेश में 31 मई को एक बार फिर ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल होगी। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बजेंगे। इसके साथ ही इमरजेंसी व्यवस्थाओं को भी जांचा जाएगा। सिविल डिफेंस ने मॉक ड्रिल की तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए सभी जिलों को निर्देश जारी किए जा रहे हैं। पाकिस्तानी बॉर्डर से लगते जिलों में मॉक ड्रिल के लिए खास तैयारियां की जा रही है।

जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को जोधपुर में भी मॉक ड्रिल होगी। मॉक ड्रिल शाम पांच बजे होगी। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल को लेकर निर्देश मिले हैं। इस दौरान चेतावनी भरे सायरन बजने के साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा। युद्ध जैसे हालात और हमले की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्य का अभ्यास भी इस मॉक ड्रिल में किया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा इंतजामों और बचाव कार्यों की तैयारियों को भी जांचा जाएगा।

जानकारी के अनुसार पहले राजस्थान सहित चार राज्यों और एक केंद्र शसित प्रदेश में 29 मई को मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट रिहर्सल होनी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से इसे स्थगित किया गया। अब 31 मई को मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट रिहर्सल होगी। इससे पहले 7 मई को प्रदेशभर में मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट रिहर्सल की गई थी। तब कई खामियां सामने आई थी। इन खामियों को भी शनिवार को प्रस्तावित मॉक ड्रिल में जांचा जाएगा। मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट रिहर्सल को लेकर सभी जिला कलेक्टर को निर्देश जारी किए गए हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार पश्चिमी सीमा से लगे राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सभी जिलों में 31 मई को सिविल डिफेंस अभ्यास आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में राजस्थान के सभी 7 संभागों के 41 जिलों में द्वितीय सिविल डिफेंस अभ्यास (ऑपरेशन शील्ड) का आयोजन होना है।

हत्या के मामले में वांछित इनामी बदमाश नागौर से गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। बीछवाला थाना क्षेत्र में हत्या के एक मामले में वांछित बदमाश प्रकाश चांगरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के अलावा मारपीट और आर्म्स एक्ट के कई मामलों में भी पुलिस को उसकी तलाश थी। दस हजार रुपए का इनाम भी इस पर घोषित था। फरारी के दौरान छह राज्यों में भागता फिरा, हालांकि बाद में पुलिस ने इसे दबोच लिया।

थानाधिकारी गोविन्द सिंह चारण के अनुसार 3 जुलाई 2024 को सदाम व मृतक शाहरूख परिवार के साथ शोभासर में बारात में शामिल होकर वापस बीकानेर लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने सद्दाम की गाड़ी को टक्कर मारी। बदमाशों की गाड़ियों से 20-30 व्यक्ति उतरे जिनमें से सिकंदर, साजिद, सीताराम, प्रकाश ने अपने हाथों में पिस्तौल ले रखी थी। सद्दाम को जान से मारने के लिए फायर किया और मारने की नियत से सद्दाम एवं उसके भाई पर हमला कर दिया। इस हमले मे परिवादी के भाई शाहरूख की मौत हो गई। हत्या का मामला दर्ज होने के साथ ही पुलिस ने धरपकड़ शुरू कर दी लेकिन बदमाश भागने में सफल हो गए। आरोपी प्रकाश चांगरा पुत्र लालचंद चागरा निवासी हरिजन बस्ती बड़ी गुवाड पर 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया। टीम ने पिछले कई दिनों से लगातार प्रयास करते हुए कड़ी से कड़ी जोड़कर संदिग्ध स्थानों पर लगातार निगरानी रखी। सायबर सैल ने मुल्जिम प्रकाश चांगरा से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों पर प्रतिदिन मॉनिटरिंग की। प्रकाश चांगरा के बारे में पुख्ता सूचना मिलते ही उसे नागौर से पकड़ लिया गया। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार होकर प्रकाश मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व पंजाब में फरारी काटता रहा। आरोपी कोटगेट थाने में 3 गिरफ्तारी वारंटों में वांछित था।

- **हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट के संगीन मामलों में फरार था आरोपी, छह राज्यों में काटी फरारी**

कार्यालय अधीशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-बस्सी

क्रमांक :- 281 दिनांक :- 20.5.2025

ई-टेण्डरिंग सूचना संख्या 03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

FINANCE (G&T) DEPARTMENT NOTIFICATION Jaipur, October 22, 2021 (75A. Additional Performance Security.- (1) In addition to Performance Security as specified in rule 75,an Additional Performance Security shall also be taken from the successful bidder in case fo unbalanced bid. The Additional Performance Security shall be equal to fifty percent of Unbalanced Bid Amount. The Additional Performance Security shall be deposited in lump sum by the successful bidder before execution of Agreement. The Additional Performance Security shall be deposited through e-Grass, Demand Draft, Banker's Cheque, Goverment Securities or Bank Guarantee.)

निविदा का कार्य	:	Various Work for VVIP Visit in PWD Division-Bassi, Jaipur (2 Nos)
कुल धरोहर राशि (रुपयों में)	:	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	:	बुधवार 21 मई, 2025 प्रात: 9.30 बजे से सोमवार 02 जून, 2025, सायं 6.00 बजे तक।
निविदा जमा कराने की तारीख	:	बुधवार 21 मई, 2025 प्रात: 9.30 बजे से सोमवार 02 जून, 2025, सायं 6.00 बजे तक।
निविदा खोलने की तारीख	:	मंगलवार 03 जून, 2025 को प्रात: 11.00 बजे तक।
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	:	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.4.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क - 8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क - 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि - 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 4533

UBN No. : PWD2526WSOB02160, PWD2526WSOB02161

(दिनेश कुमार मीणा)
अधिशाषी अभियंता

DIPR./C/6840/2025 सा.नि.वि. खंड-बस्सी (जयपुर

झोलाछाप के क्लीनिक पर कार्रवाई

पावटा, (निसं)। ग्राम पांछूडाला में झोलाछाप डॉक्टर सुनील कुमार सैनी जिसके पास ना कोई डिग्री ना कोई डिप्लोमा फिर भी 7-8 साल से प्रैक्टिस करते हुए अपना क्लीनिक खोलकर रोग से पीड़ित मरीजों का उपचार के नाम पर शोषण करने व मरीजों की जान से खिलवाड़ करने की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत के आदेशानुसार बीसीएमओ डॉ. कृष्ण सिंह शेखावत, ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर अरुणा मीणा, पावटा तहसीलदार संजय खेडद के नेतृत्व में प्रागपुरा थाना पुलिस एएसआई कंवर सिंह की टीम के द्वारा झोलाछाप डॉक्टर पर छापामार कार्रवाई अभियान चलाया गया। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम पांछूडाला पहुंचकर मरीजों का उपचार करते पाए जाने पर डॉक्टर के क्लीनिक को सीज कर नोटिस चस्पा किया।

अनियंत्रित होने से बस पलटी, 15 घायल

भीम, (निसं)। पुलिस थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर जस्साखेड़ा के समीप शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल्स बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 15 यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को एंबुलेंस एवं ग्रामीणों की सहायता से भीम उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने घायलों का इलाज किया तथा गंभीर अवस्था में चार यात्रियों को रेफर किया गया।

हादसे की सूचना पर भीम उपखंड अधिकारी दुदाराम हुडा एवं खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार सैनी, उपजिला चिकित्सालय पीएमओ डॉक्टर सुरेश मीणा आदि अस्पताल पहुंचे तथा घायलों के इलाज एवं यात्रियों को गंतव्य स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था देखी। सड़क हादसे में गंभीर घायलों का भीम चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कर हंसराज गणेश धापू देवी एवं गोपाल सिंह आदि को ब्यावर रैफर किया गया। उंडावासांन ताल देवगढ़ निवासी पन्नासिंह पुत्र भेरूसिंह तथा भैरूसिंह पुत्र लालसिंह, नागफनी अजमेर निवासी गणेश पिता पवन बंजारा, रितिका पुत्री पवन बंजारा, दिनेश पुत्र पवन बंजारा, बानसूर अलवर निवासी कमल पुत्र राम अवतार, हंसराज पिता अशोक, पिंकी पत्नी हंसराज नाथी पत्नी गोपाल, रेखा पत्नी सोनू, गोपाल सिंह पिता विजय सिंह, धापू देवी रामसिंह सांडला जयपुर निवासी गोविंद पुत्र उमराव, विक्रम पुत्र गोविंद, बर निवासी उषा पत्नी दयालु, राम सिंह पुत्र कंगाल सिंह एवं मियाला निवासी भगवान सिंह पुत्र केसर सिंह घायल हो गए। बस पलटने से बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन एक दूसरे को आपस में ढूंढते नजर आए तथा अपने सामान को बस से बाहर निकालने के लिए आसपास के ग्रामीणों से गुजारिश करते रहे। पुलिस प्रशासन एवं ग्रामीणों ने घायल यात्रियों को बस से बाहर निकाला तथा एंबुलेंस की सहायता से उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। पुलिस ने वाहन दुर्घटना का मामला पंजीकृत कर अनुसंधान प्रारंभ किया है।

भीम उपजिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की टीम ने घायलों का इलाज किया।

दो गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण व छेड़छाड़ के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि परिवादी ने चार अप्रेल को दी रिपोर्ट में बताया कि 14 मार्च की दोपहर मुकेश व सुरेश बावरी ने उसकी पत्नी व बहिन के साथ मारपीट कर लज्जाभंग कर एवं अपहरण कर ले जाने का प्रयास किया।

Rural Non Farm Development Agency

3rd Floor, B-Block, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur) Ph: +91-0141-2226861, 2225619, Fax: +91-0141-5104844 Website : www.ruda.rajasthan.gov.in, Email: rudaraj@ rajasthan.gov.in

F02(1)RUDA/store/NGO/2025-26/1428 दिनांक :- 28/05/2025

अभिरूचि प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

ग्रामीण गैर कृषि विकास अभिकरण (रूडा) कार्यालय द्वारा सूचीबद्ध किये जाने की दिनांक से एक वर्ष के लिए राज्य में गैर कृषि क्षेत्र के दस्तकारों के उन्नयन हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला एवं एक्सपोजर विजिट इत्यादि के आयोजनों में रुचि रखने वाले प्रतिष्ठित पंजीकृत गैर सरकारी संगठन/ट्रस्ट को सूचीबद्ध करने हेतु ई-उपापन के माध्यम से अभिरुचि प्रस्ताव आंमत्रित किये जाते हैं।

UBN No. RUD2526SLOB00003, NIB No. RUD2526A0003

क्र. सं.	कार्य	ऑनलाइन निविदा प्राप्त होने की अन्तिम दिनांक एवं समय	अनुमानित कुल व्यय	प्रतिभूति राशि अधिकतम 2 प्रशित	ई-उपापन हेतु प्रक्रिया शुल्क	निविदा प्रपत्र का शुल्क
1	NGO Empanelment for Training programmes, Workshops, Exposure Visit etc.	19.06.2025 6.00 PM तक	24.00 लाख	48,000/-	500/-	500/-

अभिरूचि प्रस्ताव आमंत्रण हेतु निविदा प्रपत्र State Public Procurement Portal http://sppp.rajasthan.gov.in एवं e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in एवं website www.ruda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं।

राज.संवाद/सी/25/3301 उपमहाप्रबंधक

संक्षिप्त

महोत्सव को लेकर यज्ञ में दी आहुतिया

निवाई। बडागांव में राजपूत समाज के तत्वावधान में श्री जमुवाय माताजी व दुर्गा माताजी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं नव चण्डी यज्ञ का आयोजन को लेकर यज्ञ को लेकर शुक्रवार को विद्वान पंडितों के सानिध्य में अग्नि स्नान, नव चण्डी यज्ञ एवं दुर्गा पाठ का आयोजन किया गया। सत्येंद्रसिंह राजावत ने बताया कि श्री जमुवाय माताजी व दुर्गा माताजी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं नव चण्डी यज्ञ को लेकर शनिवार को नगर भ्रमण, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। दोपहर बाद हवन की पूर्णाहुति करके महाआरती करके प्रसादी वितरित की जाएगी। इस अवसर पर ठा. रणजीतसिंह राजावत, विजेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, बलबीर सिंह, विजयराज सिंह, हिम्मत सिंह, सत्येन्द्र सिंह, संपत सिंह, हनुमान गुर्जर व विनोद सांखला सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

सौंपा ज्ञापन

निवाई। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के पदाधिकारियों ने तृतीय श्रेणी शिक्षको के ट्रांसफर को लेकर संघ के प्रदेशाध्यक्ष डा रनजीत मीणा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ओएसडी विकासकुमार से चर्चा की गई व ज्ञापन सौंपा गया। इसी प्रकार शिक्षामंत्री मदन दिलावर, गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह बेडम व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत को मांगों को लेकर चर्चा की एवं ज्ञापन सौंपा गया जिस पर मंत्री ने कहा कि उन्होंने पहले ही तृतीय श्रेणी शिक्षकों के ट्रांसफर की सिफारिश सरकार से कर दी है। शीघ्र ही उक्त समस्या का समाधान करवा दिया जाएगा।

पांच अभियुक्त गिरफ्तार

दूदू । स्थानीय थाने की पुलिस ने गत दो दिन पूर्व बाल्मीकि बस्ती नरेना रोड पर एक मकान से करीब चार दर्जन सूअर चुराने की दर्ज रिपोर्ट के बाद कार्रवाई कर पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर वारदात में काम ली गई कार को जब्त कर लिया पुलिस के अनुसार विमल वाल्मीकि दूदू ने पुलिस थाना दूंदू रिपोर्ट दर्ज करवा कर अवगत कराया कि रात्रि को मेरे घर के बाहर पिकअप में सूअर भरकर ले जाने के साथ ही पड़ोसियों ने हल्ला मचाकर पीछा किया लेकिन आरोपी पिकअप में सूअर ले जाने में सफल हो गए पुलिस से मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर आरोपी शिव उर्फ गौरव संदीप उर्फ संनया राजू उर्फ तुलसी सौरभ कुमार निखिल उर्फ भूरिया को डिटेन कर पूछताछ की गई आरोपीयों के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज होना भी बताया गया है पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है

निःशुल्क परामर्श शिविर आयोजित

श्रीमाधोपुर। स्वर्गीय चंद्र मणि शर्मा धर्मार्थ चिकित्सा परामर्श केंद्र श्रीमाधोपुर में प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित निःशुल्क अस्थमा चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। संस्थान के युगल किशोर शर्मा जोशी और समाजसेवी छाजूराम खेड़ीवाल ने बताया कि शिविर में डॉ आर एस सिसोदिया पूर्व टीवी स्टेट ऑफिसर जयपुर द्वारा दमा, एलर्जी, चेस्ट, टीबी,पुरानी खांसी से ग्रसित 41 मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया गया।

आज बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

शाहपुरा । शहर के 132केवी जीएसएस पर आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। जेईएन ओमप्रकाश प्रजापत ने बताया कि शहर सहित रीको,पावर हाउस, साईवाड़,खोरी, पीपलोद, कांट, माधोकाबास, लोचूकाबास,रामपुरा, छापुड़ा व बाड़ीजोड़ी ग्रिड से जुड़े गांवों में सुबह 6 बजे से 10:30 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

उत्साह के साथ मनाई जयंती

निवाई। हिंदू हृदय सम्राट वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष में गुरुवार की देर शाम को अहिंसा सर्किल पर सर्व हिन्दू समाज द्वारा उनके छायाचित्र पर पुष्प माला अर्पित कर उनकी वीर गाथाओं का मनन किया। इस दौरान युवाओं ने उत्साह के साथ महाराणा प्रताप अमर रहे के जमकर जयकारे लगाएं। इस अवसर पर कुणाल शर्मा, मिलन सोनी, कार्तिक पारीक, अनीश सोनी, अनुराग शर्मा, विशाल सैनी, योगेश टेलर, मोंटी शर्मा व राहुल सैन सहित कई लोग मौजूद थे।

गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने शहीद हवलदार किशन लाल गुर्जर की प्रतिमा का किया अनावरण

कोटपूतली। राज्यमंत्री, गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग, राजस्थान सरकार जवाहर सिंह बेढम ने शुक्रवार को तहसील बानसूर के गांव माँची मीरापुर में भारतीय सेना के अमर शहीद हवलदार किशन लाल गुर्जर की प्रतिमा का अनावरण किया। हवलदार किशन लाल गुर्जर श्19 राजपूत बटालियनश् में जैसलमेर में सेवायुक्त थे और 7 दिसंबर 2019 को शहीद हुए थे। उनकी स्मृति में माँची मीरापुर गांव में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है।

इस दौरान गृह राज्य मंत्री ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे बहादुर सैनिकों के कारण ही आज हम सुरक्षित और शांतिपूर्ण जीवन जी पा रहे हैं। ऐसे वीर सपूतों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्हीं के कारण आज हम अमन और चैन से रह पा रहे है। उन्होंने वीर जवानों के बलिदान को देखते हुए राजस्थान सरकार की सेवाओं में अग्निवीरों को प्राथमिकता व रिजर्वेशन देने की घोषणा के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने देश के सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शहादत एक और जहां देश की रक्षा करती है वहीं युवाओं को देशभक्ति का संदेश भी देती है।

पट्टीका का अनावरण करते गृह राज्यमंत्री व अन्य।

■ राजस्थान के वीरों ने हमेशा अपनी वीरता और कौशल का परिचय दिया है - गृह राज्य मंत्री बेढम

उन्होंने कहा कि हमारा नौजवान जब सीमा पर होता है तो हर परिस्थिति में देशवासियों की रक्षा में तैनात रहता है, उन्होंने शहीदों के परिवार को भी नमन किया। उन्होंने कहा को सरकार शहीद के परिवार के साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा और चरित्र निर्माण पर विशेष बल देते हुए युवाओं का सेना में जाने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है, राजस्थान के वीरों ने हमेशा अपनी वीरता और कौशल का परिचय दिया है। गृह राज्य मंत्री बेढम ने शहीद की वीरांगना धोली देवी, माता-पिता और अन्य परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने भी शहीद परिवार को सम्मानित करते हुए कहा कि हमारे सैनिकों के कारण ही हम सुख-चौन की नींद सो पाते हैं, ऐसे सभी वीर सपूतों को हमारा नमन है। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारकों का सम्मान करना हमारी संस्कृति और कर्तव्य दोनों है। इस अवसर ग्रामीणजनो ने पारंपरिक लोकगीतों और देशभक्ति नारों के माध्यम से शहीद को श्रद्धांजलि दी। अनावरण समारोह में बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, सैनिक कल्याण बोर्ड के चेयरमैन प्रेम सिंह बाजोर सहित कई जनप्रतिनिधि व ग्रामजन उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाया

खैरथल। मुंडावर तहसील के गांव ततारपुर की भागमल की ढाणी में प्रशासनक ओर से गैर मुमकिन जोहड़ व गैर मुमकिन गड्ढा की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। यह कार्यवाही तहसीलदार मुंडावर के कार्यालय में विचाराधीन धारा 91 प्रकरण के निर्णय की अनुपालना में की गई । तहसीलदार लोकेश चौधरी ने बताया कि गांव ततारपुर की भाग मल की ढाणी में खसरा संख्या 890/2554 किस्मः गैर मुमकिन जोहड़ तथा खसरा संख्या 891 किस्मः गैर मुमकिन गड्ढा की भूमि पर अवैध अतिक्रमण था। जिसे जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया। प्रशासन की इस कार्यवाही को ग्रामीणों ने न्यायोचित एवं सकारात्मक कदम बताया और सरकारी जमीन को मुक्त कराए जाने पर प्रसन्नता जाहिर की। निर्णय की पालना में मौके पर तहसीलदार लोकेश चौधरी, नायब तहसीलदार मुंडावर, भू-अभिलेख निरीक्षक बेहराम (मातोर), ततारपुर हल्के के पटवारीगण (ततारपुर, पेहल, गोपीपुरा, दातला), ग्राम पंचायत ततारपुर के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, पुलिस जाप्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुस्तक 'बागी से किसानी' का विमोचन

अलवर। राजेश रवि की पुस्तक बागी से किसानी का शुक्रवार को तरुण भारत संघ के भीकमपुरा स्थित आश्रम में संगठन के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सनी सेबेस्टियन, मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित राजेंद्र सिंह, महाराष्ट्र के सकाल के पूर्व प्रधान संपादक श्रीराम पंवार, राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति कर्नल प्रोफेसर शिवसिंह सारंग देबोत ने किया। इस अवसर पर राजेश रवि को प्रकृति संवादक के सम्मान से भी सम्मानित किया गया। यह पुस्तक राजस्थान के करौली व धौलपुर जिलों के डकैतों के जीवन परिवर्तन पर लिखी गई है।

पुस्तक के बारे में लेखक राजेश रवि ने बताया कि उन्होंने जब क्षेत्र में जाकर देखा कि किस तरह से लोगों का मन बदला है और अब सैरनी सहित अनेक नदियां बहने लगी है। अपूर्व

लेखक राजेश रवि को प्रकृति संवादक के सम्मान से सम्मानित करते।

कुलपति सनी ने कहा कि प्रकृति ,जल और नदियों के संरक्षण हेतु सृजनात्मक और मीडिया संवाद के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने और संरक्षण के प्रति अमूल्य सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए यह सम्मान दिया गया है।

इस अवसर पर राजस्थान के वरिष्ठ पत्रकार पूर्व सीएम के सलाहकार रहे गोविंद चतुर्वेदी, विनोद भारद्वाज, ख्यातनाम कवि विनीत चौहान, नालंदा प्रकाशन के नीरज कुमार, गांधी शांति प्रतिष्ठान के रमेश भाई सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

रैली निकाली

नारायणपुर । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल ही में घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में कस्बे के भगतपुरा मोहल्ले में स्थित बाल भारती उच्च्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा देवांशी शर्मा ने 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तहसील टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। इससे पूर्व विद्यालय ने 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई थी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर शुक्रवार को विद्यार्थियों का विद्यालय परिसर में मिठाई खिलाकर, माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के उपरांत विद्यार्थियों को खुले वाहन में बैठाकर डीजे के साथ कस्बे के मुख्य बाजार में एक भव्य रैली निकाली गई। रैली के दौरान दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों ने जगह-जगह माला पहनाकर विद्यार्थियों का स्वागत किया और बधाइयाँ दीं। इस वर्ष विद्यालय के 10वीं एवं 12वीं कक्षा के कुल 31 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जो संस्था के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निरंतर प्रयास का परिणाम है।

शिव मन्दिर परिसर में नवनिर्मित धर्मशाला का लोकार्पण कार्यक्रम कल

फुलेरा । क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम भैंसलाना में स्थित प्राचीन प्रजापति शिव मन्दिर परिसर में समाज द्वारा नवनिर्मित धर्मशाला का लोकार्पण कार्यक्रम प्रजापति समाज शिव मन्दिर सेवा समिति के नेतृत्व में आगामी 1 जून को आयोजित किया जा रहा है। इसके चलते समिति के द्वारा उक्त कार्यक्रम के निमंत्रण पत्रों में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत का नाम में प्रकाशित करवाया गया है। इसको लेकर प्रजापति समाज के लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। जानकारी के अनुसार इस नाराजगी का मुख्य कारण यह है कि पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने विधानसभा में अपनी बात रखते हुए कहा कि जमाबंदी में कुम्हार, प्रजापति शब्द हटाकर कुमावत शब्द ही रखा जाये। इसको लेकर प्रजापति समाज ने विरोध प्रदर्शन कर विधायक के पुतले जलाए। इसके अलावा प्रजापति समाज ने श्रीयादे शक्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष गंगाराम प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में जनसैलाब का महाकुंभ भी आयोजित किया था। जिसमें प्रजापति समाज के लाखों लोगों ने अपनी भागीदारी निभाई थी।

■ विशिष्ट अतिथि के रूप में फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत का नाम को लेकर प्रजापति समाज के लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है

प्रजापति समाज के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई।

समाज के लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रजापति समाज की धर्मशाला के लोकार्पण कार्यक्रम में कुमावत जाति की एंट्री क्यों यह समाज में बहुत बड़ा मुद्दा बना हुआ है। हालांकि प्रजापति समाज को कुमावत समाज से कोई गिला शिकवा नहीं है। परन्तु समाज के लोगों का विरोध सिर्फ व्यक्ति विशेष से ही है। जिसने वर्ष 2022 में विधायक पद पर रहते हुए विधानसभा सभा में प्रजापति समाज का वजूद ही खत्म करने लिए प्रस्ताव रख दिया था। इसके विरोध के लिए प्रजापति समाज के लोगों ने मिटिंगे आयोजित की।

इसी क्रम में आगामी 1 जून को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर बुधवार को प्रजापति समाज के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान प्रजापति समाज के सभी सदस्यों व पदाधिकारियों ने कहा कि समिति के कुछ पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अपने निजी हित लाभ की लालसा के चलते समिति के सदस्यों से बिना राय शुमारी किए बिना ही उक्त कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत का नाम निमंत्रण पत्रों में प्रकाशित करवाया गया है, जो कि प्रजापति समाज के कई सदस्यों व पदाधिकारियों को नागवार गुजरा है।

दस्तावेजो के दूरूपयोग का फर्जीवाडा उजागर, ई-मित्र संचालक पुलिस हिरासत में

मालपुरा । मालपुरा शहर के ट्रक स्टेण्ड दौराई मौहल्ले के पास आवासीय मकान मे चल रहै ई-मित्र सेन्टर पर राष्ट्रीय दस्तावेजो दूरूपयोग व दस्तावेजो मे हेराफेरी कर फर्जी दस्तावेज तैयार करने के चल रहै बडे खेल की मिली शिकायत पर उपखण्ड अधिकारी व कार्यवाहक पालिका ईओ ने शुक्रवार को ई-मित्र दुकान का औचक निरीक्षण किया। जिसमे मौके पर बडी तादात मे राष्ट्रीय दस्तावेजो के हो रहै दूरूपयोग व फर्जी आंकडो से तैयार बडी तादात मे आधार एवं राशन कार्ड जैसे दस्तावेज व अधिकारियो की दो दर्जन सील मिलने पर दो ट्रेक्टर-ट्रोली मे सामान जप्त कर ई-मित्र संचालक फरीद अहमद को लिया पुलिस हिरासत मे। एसडीएम अमित चौधरी ने बताया कि ई-मित्र संचालक के यहां मिली भारी अनियमित्ता व धांधली के सम्बन्ध मे अनुसंधान के लिये जप्त किये गये सामान को पुलिस के सुपुर्द कर विभिन्न धाराओं मे मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस को दी रिपोर्ट मे बताया कि निरीक्षण के दौरान ई-मित्र संचालक फरीद अहमद पुत्र बाबू खां के यहां की गई जांच पडताल मे शपथ आयुक्त, उपखण्ड अधिकारी, पंचायत समिति विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, पालिका पार्षद, सीआर-डीआर,पालिका ईओ विभिन्न ठेकेदार व बडी फर्मो के प्रोपराईटर सहित 23 प्रकार की स्टाम्प मोहर पाई गई। जिनका उपयोग ई-मित्र संचालक द्वारा अवैध रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार करने मे किया जा रहा था। ई-मित्र संचालक के पास 1 लाख 28 हजार 234 रूपये की नगदी बरामद की गई। साथ ही चार मोबाईल फोन,तीन सिम कार्ड,छः लेपटॉप,पांच प्रिन्टर,दो पासपोर्ट, बडी मात्रा मे खाली स्टॉम्प, फरीद अहमद ई-मित्र संचालक के स्वंय के अलग-अलग नाम से बने 7 आधार कार्ड, 4 कम्प्यूटर टेबिल, 2 अलमारी, 3 पीवीसी कार्ड मशीन सहित विभिन्न व्यक्तियो के बनाये गये 342 आधार कार्ड, 141 राशन कार्ड, 29 श्रमिक कार्ड, 72 जनआधार कार्ड, 215 वोटर आईडी, 17 पैन कार्ड, 16 मूल निवासी, 56 जाति प्रमाण पत्र, 7 जन्म प्रमाण पत्र, 5 पेंशन पीपीओ, 8 थम्ब स्कैनर, 2 वैब कैमरा, 2 आईस्कैनर व 6 दस्तावेज पत्रावलियां पाई गई जिन्है जप्ती की कार्यवाही की गई। उक्त संसाधनो का उपयोग अवैध दस्तावेज बनाये जाने मे किया जा रहा था तथा बरामद हुये दस्तावेज फर्जी तरीके से तैयार किये थे।

एसडीएम ने बताया कि संचालक के यहां अन्य लोगो के बडी संख्या मे दस्तावेज पाये जाने से स्पष्ट होता है कि फरीद अहमद द्वारा राष्ट्रीय व राज्य दस्तावेजो का दूरूपयोग किया गया है। जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की आशंका जताता है। मौके पर संचालक के पास पासपोर्ट व पासपोर्ट बनाने के दस्तावेज भी पाये गये है। सभी जप्त दस्तावेज पुलिस को सुपुर्द कर बारीकी से अनुसंधान शुरू किया गया है।

चोरों के आतंक से परेशान लोगों ने एस.डी.एम. को सौंपा ज्ञापन

शाहपुरा । उपखंड क्षेत्र में लगातार हो रही लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नाराज ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। बाद में एसडीएम व डीएसपी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की। पूर्व जिला पार्षद महेंद्र चौधरी, प्रदेश कांग्रेस सचिव प्रवीण व्यास, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी ने आक्रोशित स्वर में कहा कि हाल में राडावास गांव में नारायण यादव के घर पर बड़ी चोरी की वारदात हुई, जिसमें चोरों ने कुंदी लगाकर दो कमरों की अलमारियाँ तोड़ीं और करीब 4 लाख 10 हजार रुपये नकद तथा कीमती जेवरात चुरा लिए। और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये कोई पहली घटना नहीं है। पिछले कुछ समय से क्षेत्र में भैंस चोरी, महिलाओं के गहने तोड़ने जैसी वारदातें लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं कर पाया है। हर बार पुलिस के हाथ खाली ही नजर आते हैं। इससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। और ग्रामीणों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने एसडीएम व डीएसपी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की।

जिला महासचिव जितेंद्र शर्मा, मुकेश खुडानिया,पाषर्द घनश्याम सैनी, अमरसर सरपंच रवि शंकर सैनी, रामेश्वर यादव, धर्मपाल यादव, गोपाल नारायण, जल्द चोरी की घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो समस्त शाहपुरा क्षेत्रवासी मिलकर उपखण्ड कार्यालय व थाना परिसर पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे। इस संबंध में एसडीएम संजीव कुमार खेडड ने बताया कि चोरी को लेकर लोगों ने ज्ञापन किया था। जिसको लेकर अमरसर थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया है। कि वे शीघ्रता से करवाई कर चोरों को गिरफ्तार करें।

■ आक्रोशित लोगों ने कार्रवाई की मांग को लेकर एसडीएम और डीएसपी को सौपा ज्ञापन, शीघ्र करवा नहीं तो धरने की चेतावनी

विद्यार्थीयो को किया सम्मानित

सांभरझील। पीएम श्री दरबार विद्यालय के 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा सर्वश्रेष्ठ अंक अर्जित करने पर क्षेत्र के जाने माने भामाशाह व नागरिक विकास समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार गट्टानी के कर कमलों द्वारा प्रधानाचार्य टीकम चन्द मालाकार व प्रतिष्ठित लोगों की मौजूदगी में सम्मानित करवाया गया। 10वीं बोर्ड में मोहित सैनी 92.50, प्रियांशी90.33, मनस्वी89.5, दिव्यांशी 89, रानू 88.17 आकांक्षा सकरवाल 86.83, प्रज्ञा स्वामी 86.33, अब्दुल कादिर 85.83, टीना सोनी 85.50, प्रतीक की ओर से 85.33 प्रतिशत अंक हासिल करना स्कूल प्रशासन द्वारा बताया। 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में भावना गुर्जर, जयकुमार सोनी, रिद्धिका सिंह खंगारोत, पायल वीर,जतिन टेपण, भूमिका टेपण, जाह्नवी सांभरिया, प्रियांशी शर्मा, नवीन मीणा, घनश्याम कुमावत, तनीषा सेन, दर्शना व्यास, कुनालिका, रक्षित अग्रवाल, सुफियान, अयान भाटी, नेहा सोनी, आयुष गोठवाल, शंकर सैनी सहित 30 से अधिक विद्यार्थियों की ओर से 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये।

सार-समाचार

रास्ता खुलवाने का अनुरोध किया

सांभरझील । बरडोटी सरपंच मूलचंद गुर्जर ने तहसीलदार को पत्र लिखकर रास्ते पर छड़ियां और पत्थर डालकर रोके गए रास्ते को खुलवाने का अनुरोध किया है। सरपंच बताते हैं कि खसरा नं. 1631, 1635 गै.मु. रास्ता वाके ग्राम श्यामी की ढाणी (बरडोटी) जिसका 2 मई को तहसीलदार ने मय पटवारी टीम के व सरपंच, सेकेट्री, पंचायत बरडोटी एवं पुलिस जाप्ता सहित रास्ता खुलवाया था और उस पर ग्रेवल सडक बनवायी गयी थी पर 7-8 लोगो के द्वारा मोके पर उक्त ग्रेवल रोड पर पत्थर व कंटीली छडियां डालकर रोड को बन्द कर दिया जिससे आमजन को आने जाने का रास्ता पूर्ण रूप से बन्द हो गया है। उनकी ओर से तहसीलदार से आग्रह किया गया है कि शीघ्र रास्ता खुलवाया जाकर एफआईआर दर्ज कराकर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए व आईन्दा के लिये पाबन्द किया जाये क्यों कि यह लोग बार बार परेशान करते है। ऐसे लोगों के खिलाफ पहले भी कई दफा शिकायत व कार्यवाही हो चुकी है लेकिन यह लोग छोटी मोटी कार्यवाही से नही डरते और कहते है कि हम तो हमारी मनमर्जी होगी वेसा ही करेंगे सरकार के कारिन्दे कब तक आते रहेंगे। ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र चारण का कहना है कि मैं आज मीटिंग में हूं, आकर देखता हूं जिन्होंने रास्ता रोका है उनको नोटिस दिया जाएगा यह गैरकानूनी है।

अलग-अलग मामलों में 15 गिरफ्तार

निवाई। सदर पुलिस ने एरिया डोमिनेशन व वांछित अपराधियों के धर पकड़ अभियान के तहत 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि अपराधियों के धर पकड़ अभियान के तहत पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर वांछित प्रकरणों का फरार आरोपी सावरा गुर्जर निवासी लोदेडा, श्योराज गुर्जर निवासी सैदरिया, छोटु खटिक निवासी सोहेला को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि बीएनएसएस मामले में आरोपी युनुस मेव निवासी नहदा थाना पुन्हाना मेवात हरियाणा, रामेश्वर कालबैलिया व दिपु कालबैलिया निवासी रामनिवासपुरा थाना चाकसू, सत्यनारायण जाट निवासी कौथुन, रामप्रसाद मीणा, निवासी कोठ्या की ढाणी मूण्डिया, राजु उर्फ रामजिलाल गुर्जर व सियाराम गुर्जर निवासी हाडावाली ढाणी को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार आरएनसी एक्ट में फरार आरोपी लक्ष्मण गुर्जर निवासी जोधपुरिया, कमलेश मीणा निवासी बावनपुरा थाना कोटखावदा, सुरेशकुमार माली निवासी कनेसर, दीपक मीणा निवासी सोडा की ढाणी ब्रजपुरा रोड खोह नागौरियान जयपुर को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार एमवीएक्ट में अरोपी राजू उर्फ रामजीलाल गुर्जर निवासी हाडावाली ढाणी व कैलाश मीणा निवासी बाडा की ढाणी मूण्डिया को गिरफ्तार किया है।

सड़को की स्वीकृति पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का जताया आभार

चौमूं / कालाडेरा । विधानसभा क्षेत्र चौमूं में सड़कों की स्वीकृति पर सुभाष सर्किल स्थित निवास पर ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफ़ा पहनाकर स्वागत आभार जताया। ग्राम पंचायत नागल गोविन्द से सरगोठ सीमा तक और सिरसा फाटक से रींगस सीमा तक सड़क स्वीकृति पर पूर्व सरपंच नाथूराम जाट के नेतृत्व में तथा ग्राम पंचायत धोबलाई में एन.एच. 52 आरा स्टैंड से स्याउ तिराहे तक और स्याऊ तिराहे से इटावा भोपजी तक सड़क स्वीकृति पर सरपंच रमेश शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सड़क स्वीकृति पर हर्ष व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार जताते हुए कहा कि जनता का यह स्नेह, विश्वास और सहयोग ही मेरी प्रेरणा है, जो मुझे निरंतर जनसेवा के लिए संकल्पबद्ध रखती हैं। इस मोके पर सरपंच रमेश शर्मा, पूर्व सरपंच नाथूराम जाट, हरफूल यादव, श्रवण सिंह, रामनारायण, चौथमल, श्याम लाल लोरा, अवतार लोरा, हरलाल लोरा, कर्ण सिंह, बनवारी लांबा, तेजपाल मीणा, शंकर लाल रेगर सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

शहीद स्मारक पर अर्पित किये श्रद्धा सुमन

कोटपूतली। प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म शुक्रवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के दौरे पर रहे। बेढ़म निकटवर्ती बानसूर विधानसभा के ग्राम मांची मीरापुर में आयोजित अमर शहीद हव. किशन लाल गुर्जर की प्रतिमा का अनावरण करने आये थे। बेढ़म का यहाँ पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत एवं अभिनंदन किया। कोटपूतली पहुँचते ही भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एड. हीरालाल रावत के नेतृत्व में भाजपा अलवर उत्तर के जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, पूर्व जिला मंत्री यादराम जाँगल, उप प्रधान प्रतिनिधि एड. राजेन्द्र रहीसा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंह, मण्डल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बलेश गुर्जर, राजेन्द्र कसाना, अंजली यादव, कपिल शर्मा आदि ने बेढ़म का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस मौके पर रावत ने बेढ़म से क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यो के बिन्दुओं को लेकर चर्चा भी की। वहीं बेढ़म ने ग्राम कल्याणपुरा खुर्द स्थित वीर गुर्जर शहीद स्मारक पहुँचकर शहीदों को श्रद्धासुमन भी अर्पित किये। उन्होंने कहा कि अमर शहीदों का गुर्जर समाज हमेशा ऋणी रहेगा। उनके बलिदान की बदौलत मिले आरक्षण से समाज प्रतिस्पर्धा के दौर में प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। इसी प्रकार कस्बे के बानसूर रोड़ पर युवा नेता जयसिंह पायला के नेतृत्व में पार्षद प्रतिनिधि व भाजपा नेता मुखिया पायला, पूर्व पार्षद हरदान पायला, फूलचन्द ऑपरेटर, रविन्द्र यादव आदि ने स्वागत किया।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन एकीकृत के प्रदेश सचिव बने दिनेश मीणा

चौरु/उनियारा। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन एकीकृत की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया जिसमें टोंक जिले के उनियारा तहसील के ग्राम फतेहगंज निवासी दिनेश कुमार मीणा को सचिव पद पर नियुक्त किया गया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार निर्देश पर दिनेश कुमार मीणा को नियुक्त किया।नर्सेज हितैषी उद्देश्यों के लिए नए कार्य करने के लिए नई जिम्मेदारी सोफी गई है।वर्तमान में सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर में कार्यरत दिनेश मीणा पूर्व में अपनी सेवाएं शहादत चिकित्सालय में दे चुके है।दिनेश कुमार मीणा को नई जिम्मेदारी मिलने पर जिला अध्यक्ष सांवरमल गुर्जर एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सियाराम सहित पदाधिकारियो व ग्राम वासियों ने खुशी जताई एवं शुभकामनाएं दी।

गुरु अर्जन देव का शहीदी दिवस मनाया

पावटा। कस्बा पावटा बावडी स्थित कलगीधर गुरुद्वारा नानक दरबार में सिख धर्म के पांचवे गुरु अर्जन देव जी का शहीदी दिवस मिडलैंड लंगर सेवा सोसाइटी के नेतृत्व एवं समस्त संगत पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली द्वारा बड़ी श्रद्धा भावना से मनाया गया। गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में पाठ व रागी द्वारा कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। वहीं गुरुद्वारा नानक दरबार में पाठ, कीर्तन दरबार ,अरदास के बाद ठंडे पानी की छबील व गुरु के अटूट छोले भटूरे के लंगर का आयोजन किया गया। इस दौरान गुरुद्वारा नानक दरबार में बड़ी संख्या में संगत पहुंची और माथा टेक कर सुख शांति की कामना की गई।

कलश यात्रा का शुभारंभ

चाकसू। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हरसूलिया में 30 मई से 5 जून तक जय मां दुर्गा गौशाला समिति द्वारा आयोजित 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ के उपलक्ष में आयोजित कलश यात्रा क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा के मुख्य अतिथि में हुआ। इस मौके पर विधायक बैरवा ने कहा कि ऐसे वैदिक अनुष्ठान धर्मसंरक्षण, लोकमंगल और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। इस दौरान कलश यात्रा में जयपुर जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा , भाजपा मण्डल अध्यक्ष तेजपाल भाखर,जैकी टाटीवाल जिला परिषद सदस्य ,रमेश निठारवाल ,जय मां दुर्गा गौशाला समिति सदस्यों सहित हजारों की संख्या महिलाए व आम जन मौजूद रहे।

प्रतिभाओं को किया सम्मान

शाहपुरा । क्षेत्र के बाबाडी निवासी शांतनु गौतम के दसवीं बोर्ड में 95 फीसदी अंक आने पर लोगों ने माला पहनाकर व मिटाई खिलाकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रकाश चंद मीणा ने स्वागत करते हुए कहा कि डीपीसी में अध्यनरत छात्र शांतनु गौतम शुरू से ही मेघावी विद्यार्थी रहा है। शांतनु गौतम ने बताया कि उन्होंने यह सफलता नियमित 7 घंटे पढ़ाई कर अर्जित की है। गौतम डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता गुरुजनों में पडाक प्रधानाचार्य प्रकाश चंद मीणा को दिया। शांतनु गौतम के पिता अवधेश कुमार पेशे से एडवोकेट हैं।

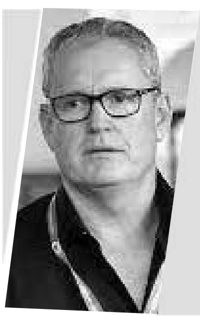

श्रेयस अय्यर आईपीएल 2025 के क्वालिफायर 1 में आरसीबी के खिलाफ पंजाब किंग्स की हार के दौरान कंडीशन को अच्छी तरह से समझने में सफल नहीं रहे। - टॉम मूडी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, श्रेयस अय्यर के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

पूजा

दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीट पूजा ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, 18 वर्षीय पूजा ने महिलाओं की हाई जम्प में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। पूजा ने सीजन का सर्वश्रेष्ठ 1.89 मीटर का प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन जीत दर्ज की। उनके इस प्रयास ने उनका खुद का अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। बता दें कि, ये कारनामा करने वाली पूजा दूसरी भारतीय हैं। उनसे पहले बॉल एलॉयसियस एशियाई चैंपियनशिप में ऊंची कूद में मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं।

क्या आप जानते हैं ?... 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया।

// जिन संघों की मान्यता नहीं, वहां कॉल्विन के लिए बनेगी कमेटी //

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा को लोकपाल नियुक्त किया : बिहाणी

दीपक वर्मा

जयपुर, 30 मई। राजस्थान क्रिकेट एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा को लोकपाल नियुक्त किया है। राजस्थान क्रिकेट एडहॉक कन्वीनर जयदीप बिहाणी को तकरीबन डेढ़ दर्जन जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिवो ने एटहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी को लोकपाल, चुनाव अधिकारी, एथेंस आफिस को नियुक्त करने तथा बीकानेर पाली क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई करने के अधिकार पत्र पर अपनी सहमति दी हैं। इसके बाद बीते दिन गुरुवार को एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ओर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के बीच आदेशों के मद्देनजर होने वाले विवाद के निपटारे, फैसला करने का अधिकार रखने वाले लोकपाल पद पर लोढा कमेटी के निर्देश मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा की नियुक्ति किया हैं। राजस्थान क्रिकेट संघ में एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने धर्मवीर सिंह शेखावत के पाली जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर बीते दिन गुरुवार को एक ओर सदस्य रतन सिंह शेखावत की बीकानेर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की मान्यता को रद्द करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की जगह नियुक्त हुए एडहॉक कमेटी में कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने कहा विवाद की जड़ ये दो सदस्यों धर्मवीर सिंह शेखावत,रतन सिंह है। आरसीए एडहॉक कमेटी में चल रहा विवाद आज एक नए मुकाम पर पहुंच गया। एडहॉक कमेटी के संयोजक जयदीप बिहाणी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेस में धनंजय सिंह गुट पर पलटवार किया। कमेटी के संयोजक जयदीप बिहाणी ने साफ किया कि जिन जिला संघों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उन पर कार्रवाई किसी सूरत में नहीं रुकेगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को टीए-डीए के बिलों से कमाई करनी होती है, वो ही जल्दी-जल्दी मीटिंग करने का दबाव बनाते हैं।

उन्होंने खुद पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों पर कहा कि पिछले एक साल के दौरान बीसीसीआई ने आरसीए को करीब साढ़े 57 करोड़ रुपए का अनुदान दिया है। अगर काम नहीं करते तो क्या बीसीसीआई अनुदान देती? प्रदेश में दो जिला संघों बीकानेर और पाली की मान्यता समाप्त हो चुकी है। जबकि जोधपुर जिला संघ को मान्यता अभी तक मिली नहीं है। ऐसे में कॉल्विन शील्ड के लिए इन जिलों से टीम बनाने के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी अपनी टीम भेजेगी। बिहाणी ने कहा कि जिला संघों के भ्रष्टाचार की गाज प्लेयर्स पर नहीं पड़ने दी जाएगी। 7 जून से कॉल्विन शील्ड शुरू होनी है। उससे पहले ही आरसीए की एक कमेटी गठित कर इन जिलों में भेजी जाएगी और वही कमेटी इन जिलों में टीम का चयन करेगी।

बिहाणी ने कहा कि धनंजय सिंह ने अपने साथियों के साथ गत 19 मई को मीटिंग करके एक प्रस्ताव पारित किया था कि आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा किए गए सभी पूर्व निर्णयों को रद्द किया जाता है। ऐसे में बीसीसीआई से अनुदान के रूप में प्राप्त करोड़ों की राशि की भी वापस वसूल करनी होगी। क्योंकि इस राशि का भुगतान, क्रिकेटर्स, अंपायर्स, पेंशन आदि विभिन्न मदों में किया जा चुका है। अब धनंजय सिंह इस पूरी राशि की वसूली कर लें और वापस बीसीसीआई को चुका दें। धनंजय सिंह गुट के उन आरोपों को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि एडहॉक कमेटी को सिर्फ चुनाव करवाने के लिए बनाया गया था। बाकी कोई अधिकार कमेटी को नहीं हैं। इस पर बिहाणी ने कहा कि आरसीए एक्ट, स्पोर्ट्स एक्ट और वकील की राय बताती है कि एडहॉक कमेटी एक निर्वाचित कमेटी की तरह ही काम कर सकती है। अगर धनंजय सिंह गुट को आपत्ति थी तो फिर ये सिर्फ पिछले 3 महीने से ही क्यों दिख रही है ? उससे पहले जब कमेटी राजस्थान स्तर पर काम कर रही थी, क्रिकेट के आयोजन कर रही थी, तब ये बात क्यों नहीं उठी कि कमेटी को इस काम का अधिकार ही नहीं है। बिहाणी ने आरसीए में अपनी ताकत दिखाने का भी प्रयास किया। पिछले कुछ दिनों से धनंजय सिंह गुट उन पर इस आधार पर हमलावर होने की कोशिश कर रहा था कि 6 सदस्यीय कमेटी में 4 सदस्य बिहाणी के खिलाफ हैं।

उन्होंने दावा किया कि आरसीए की 35 सदस्यीय एजीएम में इस समय 32 सदस्य हैं और उनमें से 18 का उन्हें समर्थन प्राप्त है। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी ने फिर दोहराया कि बीकानेर और पाली जिला क्रिकेट संघ की मान्यता समाप्त की जा चुकी है और इस निर्णय पर अब आरसीए के 18 सदस्यों ने बहुमत से मुहर भी लगा दी है। जब एडहॉक कमेटी को चुनाव होने पर जिला संघ को मान्यता देने का अधिकार है, तो अनियमितता की स्थिति में मान्यता समाप्त करने का अधिकार भी है।

बिहाणी ने कहा कि धनंजय सिंह गुट उन पर आरोप लगा रहा है कि आरसीए एडहॉक कमेटी क्रिकेट पर ध्यान नहीं दे रही है। जबकि पिछले एक साल में हर टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि अंडर-19 स्टेट चैंपियनशिप, अंडर-16, अंडर-23 स्टेट चैंपियनशिप, अंडर-14, स्टेट वीमेन, कूच बिहार, रणजी ट्रॉफी जैसे तमाम आयोजन उसी स्तर पर करवाए गए, जैसे दूसरे राज्यों में होते हैं। यही कारण है कि बीसीसीआई ने बतौर अनुदान आरसीए को साढ़े 57 करोड़ रूपए का अनुदान जारी किया।

बीसीसीआई से अनुदान के रूप में प्राप्त करोड़ों की राशि में से किया गया भुगतान

जयदीप बिहाणी के अनुसार खिलाड़ी, अंपायर/स्कोरर और अन्य का टीए/डीए 27,41,072, पुराने खिलाड़ियों की पेंशन 2,20,000, जिला मासिक कोच भुगतान, 1,67,400, ग्राउंडमैन की रात्रि ड्यूटी का शुल्क, 51,900, एनसीए कैंप 54,31,934, घरेलू और राष्ट्रीय टूर्नामेंट के संबंध में भुगतान 58,86,376। कुल मिलाकर 1,44,98,682 रूपये सबके खातों में सीधे तौर पर दिए गए। इसके अलावा खिलाड़ी, अंपायर/स्कोरर और अन्य का टीए/डीए, 92,980, पुराने खिलाड़ियों की पेंशन 22,500, एनसीए कैंप 7,33,900, घरेलू और राष्ट्रीय टूर्नामेंट के संबंध में भुगतान 2,61,276। कुल 11,10,656 रूपये सबके खातों में सीधे तौर पर दिए गए। व्यावसायिक सेवाओं पर टीडीएस 51,33,263, किराए पर टीडीएस, 7,66,665, ठेकेदार पर टीडीएस 1,57,110, वेतन पर टीडीएस, 30,597, ठेकेदार पर टीडीएस 2,999, जीएसटी जमा करें 1,02,64,596, सभी तरह के पेमेंट पर 1,63,55,230 रुपए दिए गए। इनके साथ ही जेवीवीएनएल - मानसरोवर - बिजली राशि 92,836 के जमा हुए।

तदर्थ कार्यकारी समिति की कुल 16 बैठकें आयोजित हुई

01.04.2024, 05.04.2024, 21.04.2024, 02.05.2024, 10.05.2024, 07.06.2024, 06.07.2024, 17.07.2024, 03.08.2024, 27.08.2024, 16.09.2024, 07.10.2024, 23.10.2024, 30.01.2025, 23.02.2025 और 18.03.2025 को।

साधारण सभा की बैठक बीस जून को पुष्कर, अजमेर में आयोजित की जाएगी जिसकी सूचना आज राजस्थान क्रिकेट संघ से एफिलेटेड सभी सदस्यों, जिला क्रिकेट संघो को जारी कर दी गयी है। जयदीप बिहाणी ने आज भ्रष्टाचार पर बेबाक़ी से जबाब दिया और खिलाड़ियों को दिये गये पैसे वो भी खातों में उसको रोकने चारो सदस्यों के हस्ताक्षर करवाकर धर्मवीर द्वारा प्रयास किया गया सारे विवाद की मूल जड़ धर्मवीर सिंह और रतन सिंह ही है जो ये संघ में क़ब्ज़ा करने के लिये सभी को आपस में विवाद करवाते रहे है।

बिहाणी ने पाली जिला क्रिकेट संघ की जांच पर रोक लगाने के आदेशों पर कहा कि जांच कराने के आदेश तो देते सुना है लेकिन जांच रोकने के आदेश पहली बार देखे हैं। बिहाणी ने कहा कि कमेटी के एक साल के कार्यकाल में लगभग एक दर्जन मीटिंग हो चुकी हैं और कितनी करवानी हैं। इसके अलावा पिछले दिनों जो मीटिंग नहीं हो पाईं, वो युद्ध की स्थिति के कारण। उन्होंने धनंजय सिंह गुट पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि सिर्फ टीए-डीए के चक्कर में मीटिंग-मीटिंग खेलने चाहते हैं। मैने तो आज तक आरसीए से कोई भत्ता उठाया नहीं।

गुजरात टाइटंस को 20 रन से हराकर मुंबई इंडियंस दूसरे क्वालीफायर में पहुंची

मुल्लांपुर, 30 मई। रोहित शर्मा (81), जॉनी बेयरस्टो (47) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजराज टाइटंस को 20 रनों से हराकर दूसरे क्वालिफायर में प्रवेश कर लिया है।

229 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही उसने कप्तान शुभमन गिल (एक) का विकेट गवां दिया। शुभमन को बोल्ट ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कुसल मेंडिस ने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट लिये 64 रन जोड़े। सातवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस 10 गेंदों में (20) रन का शिकार किया। इसके बाद 14वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने वॉशिंगटन सुंदर 24 गेंदों में (48) रन को बोल्ड कर मुम्बई को तीसरी सफलता दिलाई। 16वें ओवर में रिचर्ड ग्लीसन ने साई सुदर्शन को बोल्ड कर मैच पर मुम्बई का दबदबा कामय कर दिया।

साई सुदर्शन ने 49 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का लगाते हुए (80) रनों की पारी खेली। 19वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ट ने शरफेन रदरफोर्ड 15 गेंदों में (24) रन का शिकार किया। शाहरुख खान (13) छठे विकेट के रूप में आउट हुए। गुजरात टाइटंस की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 208 रन बना सकी और मुकाबला 20 रनों से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं इस जीत के साथ मुम्बई ने दूसरे क्वालीफायर में प्रवेश कर लिया है।

मुम्बई इंडियंस की ओर से ट्रेंट बोल्ट को दो विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह, रिचर्ड ग्लीस और अश्विनी कुमार और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।बल्लेबाजी करने उतरी रोहित शर्मा और जॉनी बेयरस्टो की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 84 रन जोड़े।

आठवें ओवर में साई किशोर ने जॉनी बेयरस्टो को गेराल्ड कोएत्जी के हाथों कैच आउट कराकर गुजरात को पहली सफलता दिलाई। बेयरस्टो ने 22 गेंदों में तीन छक्के और चार चौके लगाते हुए (47) रन बनाये। इसके बाद सूर्यकुमार यादव 20 गेंदों में तीन छक्के एक चौका लगाते हुए(33) रन बनाकर साई किशोर का शिकार बने। 17वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने रोहित शर्मा को आउटकर गुजरात टाइटंस को बड़ी सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 50 गेंदों में चार छक्के और नौ चौके लगाते हुए (81) रनों की पारी खेली। चौथे विकेट के रूप में तिलक वर्मा 11 गेंदों में (25) रन बनाकर आउट हुये। मुम्बई इंडियंस ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 228 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान हार्दिक पंड्या ने नौ गेंदों में तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 22) रनों की विस्फोटक पारी खेली। गुजरात टाइटंस की ओर से साई किशोर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिये।मोहम्मद सिराज ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी सिंगापुर बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में

सिंगापुर, 30 मई। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शुक्रवार को मलेशिया की गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की जोड़ी को हराकर सिंगापुर बैडमिंटन ओपन 2025 में पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां 39 मिनट तक चले पुरुष युगल मुकाबले में सात्विक और चिराग की जोड़ी दुनिया की नम्बर वन मलेशियाई जोड़ी गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन को सीधे सेटों में 21-17, 21-15 से हराया। गेम की शुरुआत से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और एक समय स्कोर 7-7 से बराबरी पर था।

गुलवीर सिंह ने एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत को दिलाया पहला गोल्ड मेडल

नई दिल्ली, 30 मई। एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीट्स छा गए हैं। इस कड़ी में भारत को पहला गोल्ड मेडल उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले गुलवीर सिंह ने दिलाया। गुलवीर ने दक्षिण कोरिया के गुमी शहर में आयोजित हो रही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में 28 मिनट 38.63 सेकंड का बेहतरीन समय निकालते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बता दें कि, ये चैंपियनशिप में भारत का पहला गोल्ड है।अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव में हैं, जहां गुलवीर सिंह एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता पप्पू सिंह खेती करते हैं और बेटा आज देश के लिए गोल्ड लाया है। गुलवीर की सफलता देखकर परिजनों के आंखों में खुशी के आंसू थे। गुरवीर के भाई मोनू ने बताया कि हमें सोशल मीडिया से पता चला कि भाई ने गोल्ड मेडल जीता है। जब वीडियो देखी तो यकीन ही नहीं हुआ पूरा गांव खुशी से झूम उठा है। गुलवीर की मेहनत काबिले तारीफ है। वो हर दिन सुबह 4 बजे दौड़ की शुरुआत करता था आज उसी मेहनत ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

एलीट क्लब जयपुर विजेता और चैम्पियन मेकर अजमेर बना उपविजेता

जयपुर, 30 मई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान मे एस एस जैन सुबोध पब्लिक स्कूल मे दिनांक 10 जनवरी 2025 से 29 मई 2025 तक आयोजित की गई अंडर-13 युथ राजस्थान लीग मे 90 मैच खेले गए जिसमें जयपुर इलीट फुटबॉल क्लब ने 16 मैच जीत कर 49 अंक के साथ लीग की विजेता बनी वही चैंपियन मेकर फुटबॉल क्लब अजमेर ने 13 मैच जीतकर 41 पॉइंट के साथ लीग की उपविजेता टीम बना।

संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की अंडर-13 युथ राजस्थान लीगे मे सम्पूर्ण राजस्थान की सर्वश्रेष्ठ 10 क्लबों ने अपनी भागीदारी दर्ज की लगभग 4 महीने तक चली इस लीगे मे 300 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया इस लीग से विजेता टीम को अंडर 13 युथ इंडियन लीग के लिये भाग लेने का मौका मिलेगा लीग का मुख्य उद्देश्य अंडर 13 के राजस्थान के ग्रासरूट खिलाडियों को अधिक से अधिक मैच का अनुभव मिला। चैंपियन मेकर फुटबाल क्लब के जोयरिंग ने प्रतियोगिता में सबसे अधिक 37 गोल करके बेस्ट स्कोरर रहे ओर ए एस एल फुटबाल क्लब के जर्सी नंबर 77 काका को प्रतियोगिता का बेस्ट यंगर फुटबाल खिलाड़ी रहे। लीग के सभी मैच सुबोध पब्लिक स्कूल मे आयोजित किये गए संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने सुबोध पब्लिक स्कूल के प्रबंधक को लीग के सफल आयोजन के लिये धन्यवाद दिया।

लीग मे भाग लेने वाली टीमें इस प्रकार थे। जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब 49 अंक के साथ प्रथम स्थान, चैंपियन मेकर फुटबॉल क्लब, 41 अंक दूसरे स्थान, राजस्थान फुटबॉल स्कूल 32 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही, ब्रदर्स यूनाइटेड क्लब 32 अंक चौथा स्थान, रॉयल फुटबॉल क्लब 18 अंक पांचवां स्थान, जयपुर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब 17 अंक छठा स्थान, जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल अकादमी 15 अंक सातवां स्थान, फुटबॉल क्लब 13 अंक आठवां स्थान, जयपुर फुटसाल 12 अंक नौवा स्थान, रिहान फुटबॉल क्लब 7 अंकों के साथ दसवें स्थान पर रहा।

आईपीएल 2025 फाइनल में नहीं आएंगे तीनों सेना प्रमुख, क्लोजिंग सेरेमनी में गूजेंगे देशभक्ति के गीत

नई दिल्ली, 30 मई। बीसीसीआई ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीन जून को होने वाले आईपीएल फाइनल के लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया था लेकिन अब जानकारी के अनुसार, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौ सेना प्रमुख एडमिनरल दिनेश के त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह समापन समारोह में शामिल नहीं होंगे। मंगलवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सभी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों, टॉप अधिकारियों और सैनिकों को आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है। बोर्ड देश के सशस्त्र बलों की वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलामी करता है। समापन समारोह में तीनों सेनाओं के बैंड के सात बीएसएफ के बैंड की प्रस्तुति भी होनी थी। साथ ही स्टेडियम में 1000 सैन्य अआधिकारियों, सैनिकों और उनके परिवार के बैठने के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी। यही नहीं स्टेडियम में लगी बड़ी स्क्रीन पर भारत की वीरगाथा के चलचित्र दिखाए जाने थे। बोर्ड सूत्र ने कहा कि गुरुवार को सरकार की तरफ से संकेत मिले थे, जिसके बाद हमने कार्यक्रम में बदलाव किया है।

जैनिक सिनर फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में

पेरिस, 30 मई। इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने गुरुवार को फ्रांस के रिचर्ड गैस्के को हराकर फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में इटली के सिनर ने फ्रांस के गैस्के को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। इस हार के साथ ही 38वर्षीय गैस्के का क्ले कोर्ट पर शानदार करियर खत्म हो गया। वे अभी भी बेहतरीन टेनिस खेल रहे हैं। सिनर की तीसरे दौर में रूस के पावेल कोटोव से भिड़ंत होगी।

पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) चैम्पियन बनी

यूनियन क्रिकेट क्लब रही उपविजेता, रजत छपरवाल का शतक

जयपुर, 30 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में प्रात: पी एंड टी क्रिकेट क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विनीत सक्सेना के 61 रन, नरेश गहलोत के 31 रन, रजत छपरवाल के 101 रन, अजीम अख्तर के 82 रन, भैरा राम के 14 रन व सौरभ चौहान के 10 रन से 50 ओवर में 9 विकेट पर 340 रन बनाए। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आतिफ खान ने 63 पर 5, दीपक चौधरी, देवराज सैनी व कुणाल शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब की टीम देव प्रताप के 50 रन, नितेश कुमार के 30 रन, कुणाल शर्मा के 26 रन, दीपक चौधरी के 49 रन व आदित्य टांक के 42 रनों से 47.1 ओवर में 240 रन बनाकर आउट हो गई। पी टी क्रिकेट क्लब के लिए चंद्र पाल सिंह, नरेश गहलोत व रजत छपरवाल ने 3 - 3 विकेट लिए। प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, मोहम्मद असलम, राहुल कांवट, रोहित झालानी, झबार (इंडिया पोस्ट), आनंद मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, ऋषिता मिश्रा, आनंद सिंह राठौर ने विजेता व उपविजेता टीमों को व्यक्तिगत पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर एडहॉक कमेटी के सदस्य रोहित झालानी, लोकेश जैन सहित ओम शर्मा, सलीम कामरेड तपेश कौशिक सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज देव प्रताप (यूनियन क्रिकेट क्लब), सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चंद्रपाल सिंह (पी एंड टी) क्रिकेट क्लब, मेन ऑफ दी सीरीज शोभित मिश्रा (अरावली क्लब) रहे।

डी गुकेश ने रोमांचक मुकाबले में कारूआना को हराया

स्टवान्गर (नोर्वे), 30 मई। विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज के 'ओपन' वर्ग में अमेरिका के ग्रैंड मास्टर फैबियानो कारूआना के खिलाफ रोमांचक आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत दर्ज की। वहीं अर्जुन एरिगैसी को मैग्नस कार्लसन से हार का सामना करना पड़ा। चौथे चक्र में गुकेश ने चार घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुये अमेरिका के फैबियानो कारूआना को हराया। गुकेश के शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन के आगे कारूआना अपनी बढ़त को नहीं भुना पाये। इसके बाद गुकेश ने 'आर्मागेडन' में मुकाबला आसानी से जीत लिया। कार्लसन आठ अंकों के साथ शीर्ष पर है। गुकेश और एरिगैसी 4.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। महिला वर्ग में भारत की आर. वैशाली ने 'आर्मागेडन' टाई-ब्रेक में यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक को हराया। विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने कोनेरू हम्पी को हराया। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी हम्पी तालिका में मुजीचुक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

राजस्थान के सुधाकर ने श्रीलंका के ज्ञानसीलन डॉरिसन को हराकर प्रतियोगिता का सबसे बड़ा उलटफेर किया

जयपुर, 30 मई। आज से आरंभ हुई रॉयल जयपुर फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता के पहले चक्र में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने आसानी से जीत कर खिताब की ओर अपना अभियान शुरू किया.. परन्तु दूसरे चक्र में 12 वर्ष से कम आयु के नन्हें शातिरों ने कुछ धमाकेदार खेल दिखाते हुए अपने से कहीं अनुभवी और उच्च रेटिंग वाले खिलाड़ियों को अपने शानदार खेल से चौंका कर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सबसे बड़े उलटफेर में राजस्थान के सुधाकर ने श्रीलंका के ज्ञानसीलन डॉरिसन को हराकर प्रतियोगिता का सबसे बड़ा उलटफेर किया। राजस्थान के ही विहान गुप्ता ने मध्यप्रदेश के फीडे मास्टर पियूष रंजन दूबे को हराकर अपने उत्कृष्ट खेल से आकर्षित किया। वहीं दूसरी ओर हरियाणा के 10 वर्षीय विट्ठल नारायणन ने पंजाब के जसप्रीत सिंह को और राजस्थान की ही आराध्या उपाध्याय ने 60 वर्षीय महेश लखियानी को ड्रॉ के लिए मजबूर कर सबकी वाहवाही बटोरी। इसके अलावा बाकी उच्च वरियता प्राप्त खिलाड़ियों ने अपने विजय अभियान को जारी रखा।

बंगाल के आरित्रिय पाल, मध्यप्रदेश के ऋषि सोनकर, तीसरी वरीयता के सिद्धांत चतुर्वेदी अपने मैच जीत कर 2/2 अंक बनाकर आगे चल रहे हैं। महिला वर्ग में जयपुर की आशी उपाध्याय दो में से दो अंक बनाकर सबसे आगे चल रहीं हैं। जयपुर के शानदार होटल अमर पैलेस में चल रही इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में सर्वश्री ज्योति माहेश्वरी, निर्मल बरडिया, राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जे के रांका (रि.)और अमर पैलेस होटल के राजेश शर्मा ने शिरकत की और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के लिए समर्पित रूट बनाकर बसों का समयबद्ध संचालन कराने के निर्देश भी दिए।

'रोडवेज ड्राइवर, कंडक्टर व कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सेमीनार आयोजित करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने परिवहन, सड़क सुरक्षा विभाग व रोडवेज़ की समीक्षा बैठक ली

- मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि बसों में ऐसी सुविधायें उपलब्ध करायें कि कार वाले भी बस में यात्रा करने के लिए प्रेरित हों।
- उन्होंने कहा, ओवर लोड व ओवर स्पीड वाहन चालकों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही व निगरानी होनी चाहिए।

जयपुर, 30 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा परिवहन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करके कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान रोडवेज की बसों में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे कार वाले भी बसों में यात्रा के लिए प्रेरित हों।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रोडवेज चालक, परिचालक सहित सभी कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने रोडवेज बस स्टैंड और विश्राम स्थलों पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें एक ही रंग में विकसित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पथ परिवहन निगम भविष्य को देखते हुए सुविधाओं का विस्तार करे। सुरक्षित सफर के साथ बसों में भोजन और सरस उत्पाद उपलब्ध कराने का नवाचार किया जाए। उन्होंने प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के लिए समर्पित रूट बनाकर बसों का समयबद्ध संचालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बसों में कैमरे और जीपीएस स्थापित करें और लोक परिवहन बसों का भी कलर निर्धारण करें।

शर्मा ने पद दुरूपयोग करने वाले कार्मिकों, ओवरलोड और ओवरस्पीड वाहन चालकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई और निगरानी के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन परमिट जारी करने से पहले रूट निर्धारण करें, जिनमें अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, राजकीय कार्यालयों का विशेष ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी को परिवहन नियमों की पालना करनी चाहिए, तभी सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक बनाने में इलेक्ट्रिक वाहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित सम्बंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गाज़ा में अस्थायी युद्ध विराम पर इज़रायल ने सहमति दी

वाशिंगटन, 30 मई। अमेरिका के वाइट हाउस ने कहा कि इजरायल ने गाजा में 60 दिन के युद्ध विराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में, पुष्टि की कि पश्चिम एशिया में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हमास को युद्ध विराम प्रस्ताव सौंपा है, जिसका इजरायल ने समर्थन किया है।

लेविट ने कहा, हमास को भेजे जाने से पहले इजरायल ने इस प्रस्ताव पर

- अमेरिका ने बताया कि यह युद्ध विराम 60 दिन का होगा।

हस्ताक्षर कर दिए थे। मैं यह भी पुष्टि कर सकता हूं कि वे चर्चाएं जारी हैं, और हमें उम्मीद है कि गाजा में युद्ध विराम होगा ताकि हम सभी बंधकों को घर वापस ला सकें। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एक इजरायली अधिकारी और मामले से परिचित एक अमेरिकी सूत्र ने पुष्टि की कि प्रस्तावित समझौते में न केवल 60-दिवसीय युद्ध विराम शामिल है, बल्कि 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के अवशेषों को रिहा करने की योजना भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या ''पूर्ण'' हुई

तीन न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 हो गई है

नयी दिल्ली, 30 मई। उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने शीर्ष अदालत परिसर के एक सभागार में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। उनके शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई।

- सी.जे.आई. बी.आर. गवई ने सुप्रीम कोर्ट के ऑडिटोरियम में तीन नए न्यायाधीशों को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और गणमान्य लोग मौजूद थे। इस महीने उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति ए एस ओका के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के तीन पद खाली हो गए थे।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की कोलीजियम ने 26 मई 2025 को विभिन्न उच्च न्यायालयों के तीन मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मुहर के बाद केंद्र सरकार ने गुरुवार को न्यायमूर्ति अंजारिया, न्यायमूर्ति बिश्नोई और न्यायमूर्ति चंदुरकर को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी।

शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ लेने से पहले न्यायमूर्ति अंजारिया कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे, जबकि न्यायमूर्ति बिश्नोई गुवाहाटी उच्च न्यायालय के और न्यायमूर्ति चंदुरकर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे। अहमदाबाद के मांडवी-कच्छ में 23 मार्च, 1965 को वकीलों के परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति अंजारिया के पिता भी न्यायपालिका में थे। अंजारिया अगस्त 1988 से वरिष्ठ अधिवक्ता एस एन शेलत के चैंबर में शामिल होकर गुजरात उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की और वे संवैधानिक मुद्दे और सभी श्रेणियों के सिविल मामलों, श्रम और सेवा से जुड़े मामलों में वकालत कर चुके हैं। न्यायमूर्ति अंजारिया ने 25 फरवरी, 2024 को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

न्यायमूर्ति बिश्नोई का जन्म 26 मार्च, 1964 को जोधपुर में हुआ था। उन्होंने आठ जुलाई, 1989 को अधिवक्ता के रूप में अपना पंजीकरण करवाया। उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय और जोधपुर में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में सिविल, आपराधिक, संवैधानिक, सेवा, चुनाव मामलों आदि जैसे कई क्षेत्रों में वकालत की। उन्होंने वर्ष 2000-2004 के दौरान केंद्र सरकार के स्थायी वकील के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

न्यायमूर्ति बिश्नोई को आठ जनवरी, 2013 को राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सात जनवरी, 2015 को राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्होंने पांच फरवरी, 2024 को गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य शुरू किया।

न्यायमूर्ति चंदुरकर का जन्म सात अप्रैल, 1965 को हुआ था। मुंबई के वरिष्ठ अधिवक्ता बी एन नाइक के मार्गदर्शन में उन्होंने वकालत शुरू की, जिन्हें बाद में न्यायपालिका में पदोन्नत किया गया। न्यायमूर्ति चंदुरकर 1992 में नागपुर चले गए और विभिन्न न्यायालयों में वकालत की और अलग-अलग प्रकृति के मामलों को सफलतापूर्वक संभाला। उन्हें 21 जून, 2013 को बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। बाद में वे वहां चीफ जस्टिस बने।

हिन्दुस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक के मंत्री ने यह भी अफसोस जताया कि इतने महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, 2022-23 में रक्षा कॉरिडोर उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु को आवंटित किया गया, कर्नाटक को नहीं। योगदान और योग्यता के आधार पर इसका हकदार कर्नाटक है। मंत्रियों ने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं।

पहलगाम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐशन्या और शुभम के पिता की आंखों से आंसू निकल आए, जिन्हें देखकर प्रधानमंत्री ने उन्हें ढ ांढ स बंधाया।

मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ चलाया जा रहा ऑपरेशन 'सिंदूर' रुका नहीं है, बल्कि यह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ है और आगे भी मुलाकात होती रहेगी।

शुभम द्विवेदी के परिजनों को नरवल एसडीएम की देखरेख में कार से चकेरी एयरपोर्ट लाया गया था।

''हम पहलगाम की घटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरहद पर अतिरिक्त सेनाएं तैनात कर दी थीं। संघर्ष के बाद, सार्वजनिक रूप से बोलने वाले पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठतम अधिकारी जनरल मिर्ज़ा ने कहा, ''हम करीब-करीब 22 अप्रैल की स्थिति पर वापस आ गये हैं। -- हम उस स्थिति पर पहुंचने वाले हैं, वैसे हमें उस स्थिति पर अब तक पहुंच जाना चाहिए था।''

जनरल मिर्ज़ा, जो इस समय ''शाँगरी-ला डायलॉग'' फोरम में शामिल होने के सिलसिले में सिंगापुर में हैं, ने कहा कि इस संघर्ष में, न्यूक्लियर हथियारों की तरफ कदम भले ही नहीं बढ़े हों, लेकिन स्थिति बहुत खतरनाक थी।

उन्होंने कहा, ''इस बार कुछ नहीं हुआ। लेकिन किसी भी समय किसी भी प्रकार के गलत रणनैतिक अनुमान की संभावना खारिज नहीं की जा सकती, क्योंकि जब संकटपूर्ण स्थिति होती है, उस समय प्रतिक्रियाएं भिन्न प्रकार की होती हैं।''

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में तनाव बढ़ने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि इस बार की लड़ाई कश्मीर, जो हिमालय की गोद में स्थित प्राकृतिक सौंदर्य से संपन्न क्षेत्र है, की जमीन तक सीमित नहीं थी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का कश्मीर के कुछ-कुछ हिस्से पर शासन है, लेकिन दोनों ही देश पूरे कश्मीर पर अपना दावा प्रस्तुत करते हैं। दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे के क्षेत्र में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे, लेकिन किसी ने भी किसी गंभीर नुकसान की बात स्वीकार नहीं की है।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस माह पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अगर भारत पर फिर से हमले किये गये तो सीमा पार के ''आतंकी ठिकानों'' को निशाना बनाया जायेगा।

दोनों देशों के बीच तीन बड़े युद्ध हुए हैं, जिनमें दो कश्मीर को लेकर ही हुए हैं, वैसे तो अनेक सशस्त्र झड़पें हुई हैं, क्योंकि दोनों ही देशों का जन्म 1947 में ब्रिटिश उपनिवेश भारत से ही हुआ है।

भारत कश्मीर में विद्रोह का आरोप पाकिस्तान पर लगाता है, जिसकी शुरूआत 1989 में हुई और उसमें अब तक दसियों हजार लोग मारे गये हैं। पाकिस्तान का कहना है कि वह तो आत्म-निर्णय की दिशा में बढ़ रहे कश्मीरियों को केवल नैतिक, राजनैतिक एवं कूटनीतिक समर्थन एवं सहयोग देता है।

मिर्ज़ा ने कहा, ''भविष्य के लिहाज से, इन दोनों ही पड़ोसी न्यूक्लियर ताकतों के बीच और ज्यादा खतरनाक हथियारों के इस्तेमाल की संभावना बढ़ गई है, और फिर यह संघर्ष केवल विवादित भूभाग तक ही सीमित नहीं रहेगा। यह पूरे भारत और पूरे पाकिस्तान को अपनी चपेट में ले लेगा। यह बहुत ही खतरनाक संकेत है।''

'नीट पीजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्देश दिया। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा दो पालियों में आयोजित न करें, क्योंकि इससे उम्मीदवारों को समान अवसर नहीं मिलेंगे। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि दो पालियों में परीक्षा होने से मनमानी होगी और सामान्यीकरण प्रक्रिया को नियमित तरीके से लागू नहीं किया जा सकता। इतना ही नहीं दो पालियों की परीक्षा में प्रश्नपत्र कभी भी एक ही कठिनाई स्तर के नहीं हो सकते। शीर्ष अदालत ने कहा,हम यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि इस देश में तकनीकी प्रगति को देखते हुए देशभर में परीक्षा आयोजित करने वाली इस संस्था को एक पाली में परीक्षा आयोजित करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाए।

अदालत ने कहा कि यदि अधिकारियों को लगता है कि वे परीक्षा केंद्रों की पहचान करने और 15 जून को परीक्षा आयोजित करने में सक्षम नहीं हैं तो वे परीक्षा की तिथि आगे बढ़ ाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

गृह मंत्री शाह ने पुंछ का दौरा किया

शाह पुंछ में पाक गोलीबारी से प्रभावित लोगों से मिले और नियुक्ति पत्र दिए

- शाह ने कहा, सरकार प्रभावित परिवारों के लिए जल्दी ही एक अलग पैकेज की घोषणा करेगी।
- ज्ञातव्य है कि पाक गोलीबारी में पुंछ सर्वाधिक प्रभावित हुआ, यहां 14 नागरिक मारे गए।

जम्मू, 30 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को फिर से परिभाषित किया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते तथा पानी और और खून भी एक साथ नहीं बह सकते।

पुंछ में गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नागरिकों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसका अधिक प्रभावी और सटीक तरीके से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद सीमावर्ती इलाकों में बंकर बनाने का फैसला लिया गया था। अब तक 9,500 से अधिक बंकर बनाए गए हैं और इन बंकरों के कारण सीमावर्ती इलाके में ज्यादा जनहानि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सरकार सीमावर्ती इलाकों में और बंकर बनाएगी।

पुंछ में गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि राहत और नौकरियां आपके द्वारा झेले गए दर्द और नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती हैं। आपने अपने प्रियजनों को खो दिया है। जम्मू-कश्मीर सरकार, भारत सरकार और राष्ट्र की भावनाएं इस सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों से जुड़ी हुई हैं। सरकार जल्द ही गोलाबारी से प्रभावित परिवारों के लिए एक अलग पैकेज की घोषणा करेगी।

उन्होंने कहा, हम पहलगाम आतंकवादी हमले और जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा नागरिक क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों, स्कूलों पर हमले की निंदा करते हैं, जिसमें पुंछ जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पुंछ जिले में पाकिस्तानी गोलाबारी में जुड़वां बहनों समेत कम से कम 14 नागरिक मारे गए हैं। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत के बावजूद जम्मू-कश्मीर में विकास कार्य नहीं रुकेंगे। मैं पुंछ के लोगों और उसके प्रशासन के साहस की प्रशंसा करता हूं; जिस तरह से उन्होंने पाकिस्तानी गोलाबारी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने बहुत ही रणनीतिक और सटीक तरीके से मुंहतोड़ जवाब दिया और सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी संगठनों के बुनियादी ढ ांचे को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैकड़ों आतंकवादी मारे गए। हमारे बलों ने आतंकवादियों पर हमला किया, लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना और दुनिया को दिखाया कि वे आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान गोलाबारी से प्रभावित परिवारों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे।

समरावता उपद्रव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिस्थितितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में पुन: उन्हीं तथ्यों के आधार पर जमानत देना उचित नहीं है।

जमानत याचिका में कहा गया कि मामले की एफआईआर में नामजद आरोपियों में से 23 लोगों को पुलिस ने क्लीन चिट दी है। जबकि अदालत के समक्ष पूर्व में उनकी मामले में लिप्तता बताई गई थी और अदालत ने उन सभी को जमानत का लाभ दिया था। मामले में एसटी आयोग की जांच में भी पुलिस पर आरोप लगे हैं। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

जमानत का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से जीए राजेश चौधरी ने कहा कि अदालत ने आरोपी की गत 14 फरवरी को जमानत याचिका खारिज की थी। उसके बाद आरोप पत्र पेश होने के बाद आरोपी पर चार्ज नहीं लगे हैं। ऐसे में जमानत याचिका को खारिज किया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

''सिंदूर''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में निवेश और विकास का पूर्णतया अभाव है, जिससे नई नौकरियों का सृजन नहीं हो रहा है। मुर्शिदाबाद और माल्दा के दंगों का उल्लेख करते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर इन घटनाओं की साजिश रचने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा का मकसद तृणमूल सरकार को अस्थिर करना है। उन्होंने पलटवार करते हुए, केन्द्र सरकार से सवाल किया कि मिज़ोरम में शांति बनाए रखने के लिए वह क्या कर रही है। हकीकत यह है कि जब तक ममता बनर्जी सत्ता में हैं और राज्य पुलिस एवं प्रशासन पर उनका नियंत्रण है, तब तक चुनावों में विपक्ष के लिए जीतना बेहद कठिन रहेगा। आरोप लगते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में केवल तृणमूल समर्थकों को ही प्रभावी रूप से मतदान करने की अनुमति दी जाती है, जिससे तृणमूल कांग्रेस की चुनावी जीत सुनिश्चित की जा सके।

'वर्ष 2026 के अंत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौजूद रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होने के बावजूद राम दरबार को दर्शनार्थियों के लिये खोला नहीं जायेगा क्योंकि इससे निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है मगर सभी मूर्तियों की विधिवत पूजा अर्चना शुरु हो जायेगी। उन्होने कहा कि देवोत्थान एकादशी के बाद भगवान विष्णु के शेषावतार की प्राण प्रतिष्ठा का एक और कार्यक्रम हो सकता है। मंदिर निर्माण अगले साल के अंत तक पूरा होने की संभावना है जो विशाल परिसर के साथ अपने भव्य रुप में होगा।

बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड में मुख्य आरोपी सहित तीन को उम्रकैद

कोटद्वार, 30 मई। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड में आखिरकार अदालत ने शुक्रवार को सजा का एलान करते हुए मुख्य आरोपी पुलकित आर्य समेत तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनायी।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी की अदालत ने आज सजा का एलान किया। भाजपा के पूर्व नेता विनोद आर्या के पुत्र एवं ऋषिकेश के वनंतरा रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 201 और 354 के तहत दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जबकि रिसॉर्ट के प्रबंधक सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को साक्ष्य मिटाने के मामले में भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 302 और 201 के तहत दोषी ठहराते हुए दोनों को भी आजीवन कारावास की सजा सुनायी है।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता अवनीश नेगी के अनुसार तीनों को हत्या का दोषी करार दिया गया है और उम्रकैद की सजा सुनाई गयी है।

उल्लेखनीय कि वर्ष 2022 में अंकिता हत्याकांड सामने आया था। अंकिता ऋषिकेश के पास वनंतरा रिसॉर्ट में रिसेप्सनिष्ट के पद पर तैनात थी। वह 18 सितम्बर, 2022 को यकायक लापता हो गयी थी।

सेना प्रमुख द्विवेदी ने कश्मीर में सेना चौकियों का दौरा किया

जम्मू, 30 मई। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज यहां जम्मू-कश्मीर के सुंदरबनी सेक्टर में अग्रिम इलाकों और चौकियों का दौरा कर क्षेत्र में स्थित विभिन्न सैन्य इकाईयों की परिचालन तत्परता का आकलन किया। जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने यहां कहा कि इस दौरान सेना प्रमुख को मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य और नियंत्रण रेखा पर सेना की परिचालन गतिशीलता के बारे में जानकारी दी गई जिससे मौजूदा रणनीतिक माहौल की व्यापक तस्वीर सामने आई। इस बीच सेना प्रमुख ने सैनिकों के साथ बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन की सराहना की और सभी रैंकों को उनकी व्यावसायिकता, समर्पण और दृढ़ ता के लिए शाबाशी दी।

15 नर्सों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

नयी दिल्ली, 30 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में विभिन्न वर्ग की 15 नर्सों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया।

पुरस्कृत नर्सों में एएनएम (सहायक नर्स मिडवाइफ) वर्ग में अंडमान निकोबार की रेबा रानी सरकार, आंध्र प्रदेश की वलिवेती सुभावती, दादर-नगर हवेली एवं दमन-दीव की सरोज फकीरभाई पटेल, लक्षद्वीप की रजिया बेगम पीबी और महाराष्ट्र की सुजाता अशोक बागुल , एलएचवी (लेडी हेल्थ विजिटर) वर्ग में असम की बीना पानी डेका, नर्स वर्ग में अरुणाचल प्रदेश की किजुम सोरा कारगा, दिल्ली की डिम्पल अरोड़ा और मेजर जनरल शीना पी डी, कर्नाटक की डॉ बानू एमआर, मणिपुर की लीमापोकपम रंजीता देवी, मिजोरम की वी लालमंगई, पुडुचेरी की एलएस मणिमोझी, तमिलनाडु की के अलामेलु मंगयारकरसी और पश्चिम बंगाल की डॉली बिस्वास शामिल हैं।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दिया जाता है। इसका उद्देश्य उत्कृष्ट नर्सिंग कर्मियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मान देना है।

कांग्रेस ने शशि थरूर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा प्रतिनिधिमंडल के लिए चुने गए नाम पर आपत्ति जताई और कहा कि युसूफ पठान प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं होंगे, तो सरकार ने उनकी बात मान ली। इससे ममता को अपने नंबर दो नेता, अभिषेक बनर्जी को नामित करने का मौका मिल गया। इसके विपरीत, कांग्रेस ने थरूर को टीम में शामिल होने की स्वीकृति नहीं दी, बल्कि उसने कहा कि यह पूरी कवायद प्रधानमंत्री मोदी को उन कठिन सवालों से दूर रखने के लिए की जा रही है, जिनका उत्तर प्रधानमंत्री से मांगा जा रहा है।

- पर, शशि थरूर की ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में की गई, अमेरिका की यात्रा का कांग्रेस कोई लाभ नहीं उठा पायी।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया कि अगर सरकार ने शुरुआत में ही अभिषेक बनर्जी का नाम प्रस्तावित किया होता, तो ममता कोई विवाद खड़ा ही नहीं करतीं। अभिषेक बनर्जी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए इस बात पर जोर दे रहे हैं कि तृणमूल कांग्रेस भी राष्ट्रवाद पर उतनी ही आक्रामक हो सकती है जितनी कि भाजपा। टोक्यो में उन्होंने कहा, ''अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान उसका गंदा रखवाला है। हमें पहले इस जंगली रखवाले को काबू में करना होगा - नहीं तो यह और भी पागल कुत्ते पैदा करता रहेगा।'' अभिषेक के इस बयान का तृणमूल कांग्रेस खूब प्रचार कर रही है। टोक्यो में अभिषेक ने रास बिहारी बोस के स्मृति-स्थल का दौरा किया और उसकी उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण हालत के मुद्दे को उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने हमारे राजदूत और टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास से अनुरोध किया है कि वे संबंधित अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को उठाएं और सुनिश्चित करें कि इस अद्वितीय वीर को वह सम्मान मिले जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।

मोदी अपने मंत्रिमण्डल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व इस अभियान से बार-बार दूरी बनाता रहा है, यह कहते हुए कि इससे मतदाता ध्रुवीकृत हो सकते हैं। थरूर का स्वतंत्र रुख उनके सत्ताधारी दल के प्रति बढ़ते झुकाव की अटकलों को और तेज कर रहा है।

कांग्रेस की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब वरिष्ठ पार्टी नेता और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य सलमान खुर्शीद ने अपनी इंडोनेशिया यात्रा के दौरान सुर्खियां बटोरीं। प्रमुख बुद्धिजीवियों से बातचीत के दौरान एक चौंकाने वाले बयान में खुर्शीद ने अनुच्छेद 370 के हटाए जाने का समर्थन किया। जबकि यहएक ऐसा मुद्दा है, जिसका कांग्रेस परंपरागत रूप से विरोध करती रही है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में 65 प्रतिशत मतदान को लोकतांत्रिक जुझारूपन का प्रमाण बताया। उनके बयान ने कांग्रेस खेमे में बेचैनी पैदा कर दी है, क्योंकि कई नेता इसे पार्टी लाइन से अलग रुख मान रहे हैं। इस बीच, पंजाब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने एक और तूफान खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के वैश्विक नैरेटिव का जवाब देने के लिए एक प्रमुख कूटनीतिक मिशन के लिए अपने ही दल द्वारा नज़रअंदाज़ किए जाने के बाद, तिवारी से कथित रूप से सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय ने संपर्क किया। पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष और राहुल गांधी के साथ तनावपूर्ण संबंधों के लिए चर्चा में रहे तिवारी ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, जिससे कांग्रेस के भीतर अंदरूनी तनाव और बढ़ गया है। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने मंत्रिपरिषद में बड़ा फेरबदल करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें प्रदर्शन में पिछड़ रहे कई भाजपा नेताओं को हटाया जा सकता है। इस कदम का उद्देश्य महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले शासन व्यवस्था को नई ऊर्जा देना और मंत्रिमंडल को प्रधानमंत्री की बदलती राजनीतिक और कूटनीतिक सोच के अनुरूप बनाना है। जैसे-जैसे गठबंधन बदल रहे हैं और वफादारियों की सीमाएं धुंधली हो रही हैं, आने वाले हफ्तों में भारतीय राजनीति का सत्ता संतुलन पूरी तरह से बदल सकता है-इसके दूरगामी असर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों पर पड़ सकते हैं।

Grand Opening of
KCJ Diagnostic & Research Centre
Powered by
Life Cell
Authorised
COLLECTION CENTRE
Date : 31st May, 2025, 9:00 am.
Special Guest :
Dr. Keshav Joshi
Mahant Nagar Colony, Shop No. 3-4
Khatipura, Jaipur-302012

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908